



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

14]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 2, 1983/चैत्र 12, 1905

14]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 2, 1983/CHAITRA 12, 1905

उस भाग में विषय पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलप संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

सर्व मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
\*utory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 15 मार्च 1983

स्टाम्प

का.आ. 1714.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा रेमण्ड-वुलन मिल्स लिमिटेड, बम्बई को केवल तीन लाख तथा साठ हजार रुपये के समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति प्रदान करती है जो उक्त कम्पनी द्वारा चार करोड़ अस्सी लाख रुपये के अधिकतम मूल्य के क्रम संख्या ए-1 से ए-1,20,000 तक वाले ऋण पत्रों के रूप में जारी किये जाने वाले बन्धनों पर प्रभावी है।

[सं 10/83-स्टाम्प/फा.सं 33/13/83-वि.क.]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 15th March, 1983

STAMPS

S.O. 1714.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of section (1) of Section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Reymond Woollen Mills Limited, Bombay to pay consolidated stamp duty of three lakhs sixty thousand rupees only, chargeable on account of the stamp duty on bonds in the form of debenture certificates bearing Serial Numbers A-1 to A-1,20,000 of the face value of four crores eighty lakhs rupees to be issued by the said Company.

[No. 10/83-Stamps/F. No. 33/13/83-ST]

आदेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1983

स्टाम्प

का.आ. 1715.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड

(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा गुजरात औद्योगिक विकास निगम को मात्र बयासी हजार पांच सौ रुपये के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले एक करोड़ दस लाख रुपये के अंकित मूल्य वाले ऋण-पत्रों के रूप में 1977 निर्गम के 7½% गुजरात औद्योगिक विकास बन्ध-पत्र पर प्रभावी है।

[सं० 11/83—स्टाम्प/फा० सं० 33/11/83—बि०कर]

#### ORDER

New Delhi, the 17th March, 1983

#### STAMPS

S.O. 1715.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of Sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Gujarat Industrial Development Corporation to pay consolidated stamp duty of eighty two thousand five hundred rupees only, chargeable on account of the stamps duty on 7-1/2 per cent Gujarat Industrial Development Bonds 1977 series in the form of debentures of the face value of One Crore ten lakhs of rupees to be issued by the said Corporation.

[No. 11/83-Stamp/F. No. 33/11/83-ST]

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1983

#### स्टाम्प

क्रा० आ० 1716.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो 1982-83 के दौरान आवास तथा शहरी विकास निगम लि० नई दिल्ली द्वारा ऋण-पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले केवल अठारह करोड़ रुपये के मूल्य के बन्ध-पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[संख्या 14/83—स्टाम्प/फा० संख्या 33/6/83—बि०क०]

भगवान दास, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd March, 1983

#### STAMPS

S.O. 1716.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures of the value of rupees eighteen crores only to be issued by the Housing and Urban Development Corporation Limited, New Delhi, during 1982-83 are chargeable under the said Act.

[No. 14/83-Stamp/F. No. 33/6/83-ST]  
BHAGWAN DAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 1982

#### (आय-कर)

क्रा. आ. 1717.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "फ्रेंड्स

मिशनरी प्रेयर बैंड" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4998/फा. सं. 197/149/81-आ.क. (ए 1)]

New Delhi, the 27th November, 1982

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1717.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Friends Missionary Prayer Band" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4998/F. No. 197/149/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1982

#### (आय-कर)

क्रा. आ. 1718.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-न) के खण्ड (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री सिद्धि विनायक गणपति मंदिर न्यास" को निर्धारण वर्ष 1971-72 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[अं. 5024/फा. सं. 197/48/82-आ.क. (ए 1)]

New Delhi, the 16th December, 1982

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1718.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Siddhi Vinayak Ganapati Temple Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1971-72 to 1984-85.

[No. 5024/F. No. 197/48/82-IT(AI)]

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1983

#### (आय-कर)

क्रा. आ. 1719.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, "जीव प्रकाश विद्यापीठ" को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, कर निर्धारण वर्ष 1980-81 से 1982-83 तक के अंतर्गत आने वाली अवधि के लिए, अधिसूचित करती है।

[सं. 5127/फा. सं. 197/91/80-आ.क. (नि. 1)]

New Delhi, the 12th March, 1983

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1719.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jiv Prakash Vidyapeeth" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1980-81 to 1982-83.

[No. 5127/F. No. 197/91/80-IT(AI)]

## (आय-कर)

1 2 3 4

का. आ. 1720.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "कैथलिक चर्च, भगाडिया" को कर-निर्भरण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 5128/फा.सं. 197/115/78-आ.क. (नि.1)]

मिलाप जैन, अवर सचिव

## (INCOME-TAX)

1720.—In exercise of the powers conferred by clause sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby "Catholic Church Jhagadia" for the purpose of the provision for the period covered by the assessment years to 1982-83.

[No. 5128/F. No. 197/115/78-IT(A)]

MILAP JAIN, Under Secy.

## केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1982

## (आय-कर)

IC 1721.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधि-  
GA 1 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1)  
198 शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में  
अधिसूचनाओं को आंशिक रूप से उपात्तरित  
निर्देश करता है कि इससे उपावद्ध अनुसूची के  
उल्लिखित आयकर आयुक्त ऐसे क्षेत्रों या ऐसे  
व्यक्तियों के वर्गों या ऐसी आयों या आयों के  
मामलों या मामलों के वर्गों की बाबत अधि-  
योग करेगा, जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ (4) में  
आयकर संचालकों, वार्डों या जिलों में समाविष्ट हैं।

परन्तु यह कि आयकर आयुक्त, ऐसे व्यक्तियों या ऐसे  
मामलों की बाबत भी अपने कृत्यों का पालन करेगा, जो  
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा उसके अधीनस्थ किसी आयकर  
प्राधिकारी को सौंपे जाएं।

परन्तु यह आर कि आयकर आयुक्त, ऐसे व्यक्तियों या  
ऐसे मामलों की बाबत अपने कृत्यों का पालन नहीं करेगा,  
जो किसी ऐसे आयकर प्राधिकारी को सौंपे गये हैं या सौंपे  
जा सकते हैं जो उसकी अधिकारिता के बाहर का है।

## अनुसूची

क्रम सं०	आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)	(4)
8.	दिल्ली 1	नई दिल्ली	1. कम्पनी संचाल 2 नई दिल्ली।

8क. दिल्ली 2 नई दिल्ली

2. कम्पनी संचाल 7,  
नई दिल्ली।
3. कम्पनी संचाल 10,  
नई दिल्ली।
4. कम्पनी संचाल 14,  
नई दिल्ली।
5. कम्पनी संचाल 15,  
नई दिल्ली।
6. कम्पनी संचाल 19,  
नई दिल्ली।
7. विशेष संचाल 15,  
नई दिल्ली।
8. विशेष अनुभाग,  
नई दिल्ली।
9. विशेष संचाल 3,  
नई दिल्ली।
1. कम्पनी संचाल-1,  
नई दिल्ली।
2. कम्पनी संचाल 4,  
नई दिल्ली।
3. कम्पनी संचाल 5,  
नई दिल्ली।
4. कम्पनी संचाल 6,  
नई दिल्ली।
5. कम्पनी संचाल 8,  
नई दिल्ली।
6. कम्पनी संचाल 9,  
नई दिल्ली।
7. कम्पनी संचाल 11,  
नई दिल्ली।
8. कम्पनी संचाल 17,  
नई दिल्ली।
9. कम्पनी संचाल 18,  
21 और 25,  
नई दिल्ली।
10. कम्पनी संचाल 24,  
और जिला-6 (13)  
नई दिल्ली।
11. कम्पनी संचाल 22,  
नई दिल्ली।
12. जिला-6 (12),  
नई दिल्ली।
13. सम्पदा शुल्क एवं  
आयकर संचाल,  
नई दिल्ली।

1	2	3	4	1	2	3	4
8ख. दिल्ली 3	नई दिल्ली	1. जिला-5, नई दिल्ली सिवाए जिला 5 (11) 5(12), 5(16), नई दिल्ली के।					यथास्थिति भागीदार या निदेशक आयकर आयुक्त दिल्ली I, II, III, IV, V, VI, VII और सी आई टी सर्वेक्षण और दिल्ली, नई दिल्ली की अधिकारिता के अधीन पथ परिवहन संचालकों का कारबार या वृत्ति कर रहे हैं ) कार्रवाई करता है।
		2. अतिरिक्त सर्वेक्षण सर्किल 4, नई दिल्ली।					
		3. जिला-8, नई दिल्ली सिवाय जिला 8 (3) 8 (5) 8 (13) 8(14) और 8(15) नई दिल्ली के।		8घ. दिल्ली-5	नई दिल्ली	1. जिला-1, नई दिल्ली।	
		4. जिला 10, नई दिल्ली सिवाय जिला 10(3) 10(11), नई दिल्ली के।				2. जिला 2, नई दिल्ली।	
		5. सर्वेक्षण सर्किल-4, नई दिल्ली।				3. जिला (3)(19), (20), (21), (22), (23) और (27) नई दिल्ली।	
		6. भविष्य निधि सर्किल, नई दिल्ली।				4. जिला 4, नई दिल्ली।	
		7. कम्पनी सर्किल 3 और कम्पनी सर्किल I 6 नई दिल्ली 1				5. जिला 7, नई दिल्ली।	
		8. कम्पनी सर्किल 12, नई दिल्ली				6. जिला 9 नई दिल्ली।	
		9. कम्पनी सर्किल 13 नई दिल्ली।				7. प्रतिदाय सर्किल, नई दिल्ली।	
		10. कम्पनी सर्किल 23 नई दिल्ली।		8ङ. दिल्ली-4	नई दिल्ली	1. वेतन सर्किल, नई दिल्ली।	
		11. कम्पनी सर्किल 20 नई दिल्ली।				2. निजी वेतन सर्किल, नई दिल्ली।	
8ग. दिल्ली 4	नई दिल्ली	1. जिला-3 नई दिल्ली सिवाय जिला 3 (19) से जिला 3(23) और जिला 3(27), नई दिल्ली के।				3. टी०डी०एस०, सर्किल नई दिल्ली।	
		2. निष्कास सर्किल, नई दिल्ली।				4. न्यास सर्किल, नई दिल्ली।	
		3. सर्वेक्षण सर्किल, नई दिल्ली।				5. चार्टर्ड एकाउंटेंट सर्किल दिल्ली, जो उन सभी फर्मों उनके भागीदारों के संबंध में कार्रवाई करता है जो आयकर आयुक्त दिल्ली, I, II, III, IV, V, VI, VII और सी आई टी सर्वेक्षण दिल्ली की अधिकारिता के अधीन	
		4. परिवहन सर्किल दिल्ली जो सभी व्यक्तियों के मामलों में (जिनमें उन फर्मों या कंपनियों के मामले भी हैं जिनके					

1	2	3	4	1	2	3	4
			चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के रूप में कारबार या वृत्ति करते हैं।				(12) और 6(13) नई दिल्ली के।
6.	विधि व्यवसायी सचिव, दिल्ली जो उन सभी व्यक्तियों के मामलों के संबंध में (जिनमें फर्मों उसके भागीदारों के मामले भी हैं) कार्यवाई करता है, जो आयकर आयुक्त दिल्ली, I, II, III, IV, V, VI, VII और सी आई टी सर्वेक्षण नई दिल्ली की अधिकारिता के अधीन विधि व्यवसायी (जिसमें सालिसिटर और अधिकारिता सम्मिलित हैं) के रूप में कारबार या वृत्ति करते हैं।			8च. दिल्ली-7	नई दिल्ली		1. जिला 11 (1) और 11 (2) नई दिल्ली। 2. विशेष सचिव, 14 नई दिल्ली। 3. विशेष सचिव 6 और विशेष सचिव 10 नई दिल्ली। 4. विशेष सचिव 6 अतिरिक्त और विशेष सचिव 16 नई दिल्ली, जो उन सभी व्यक्तियों के मामलों के संबंध में कार्यवाई करता है, जिनकी बाबत आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (तत्कालीन कलापों और विदेशी मुद्रा की घोषणाधीन के धंधे के लिए) और/या विदेशी मुद्रा संरक्षण तथा तत्कालीन/निवारण अधिनियम 1974 के अधीन निरोध आदेश किया गया है और जो आयकर आयुक्त दिल्ली की, आयकर आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली, को छोड़कर अधिकारिता के अधीन हैं।
7.	चिकित्सक सचिव, दिल्ली जो उन सभी व्यक्तियों के मामलों के संबंध में (जिनमें फर्मों, (उनके भागीदारों के मामले सम्मिलित हैं) कार्यवाई करता है, जो आयकर आयुक्त दिल्ली-I, II, III, IV, V, VI, VII और सी आई टी सर्वेक्षण नई दिल्ली की अधिकारिता के अधीन एलोपैथिक, होम्योपैथी यूनानी, आयुर्वेदिक या चिकित्सा की किसी अन्य पद्धति के चिकित्सा व्यवसायी, विकिरण विज्ञानी और रोग विज्ञानी के रूप में चिकित्सा व्यवसाय या कृति करते हैं।			8छ. सी आई टी सर्वेक्षण दिल्ली	नई दिल्ली		(1) सर्वेक्षण वार्ड 1(1) नई दिल्ली। (2) सर्वेक्षण वार्ड 1(2) नई दिल्ली। (3) सर्वेक्षण वार्ड 1(3) नई दिल्ली। (4) सर्वेक्षण वार्ड 1(4) नई दिल्ली। (5) सर्वेक्षण वार्ड 1(5) नई दिल्ली। (6) सर्वेक्षण सचिव जो उन सभी नए मामलों के संबंध में जिन में
8	जिला-6, नई दिल्ली सिवाय जिला 6						

1	2	3	4	1	2	3	4
			विवरणियां पहली बार 1-5-80 को या उसके पश्चात् फाइल की गई हैं या जिसमें कर निर्धारण अभी तक नहीं किया गया है. और जिनमें आयकर आयुक्त, दिल्ली, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, और सी आई टी सर्वेक्षण दिल्ली की क्षेत्रीय अधिकारिता के संबंध में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 139(2) या 148 के अधीन सूचना तारीख 1-7-80 को या उसके पश्चात् जारी की जानी है, कार्रवाई करता है। ये मामले कम्पनी सिकिल, ठेकेदार सिकिल और परिवहन सिकिल नई दिल्ली के मामलों को छोड़कर हैं।				हैं) कार्रवाई करता है जो आयकर आयुक्त दिल्ली, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 और सी आई टी, सर्वेक्षण नई दिल्ली की अधिकारिता के अधीन किसी कार्य के (जिसमें किसी कार्य के निष्पादन के लिए श्रमिकों का प्रदाय भी है) निष्पादन के लिए वास्तुकार व इंजीनियर या ठेकेदार के रूप में कार्रबार या वृत्ति कर रहे हैं।
				यह अधिसूचना तारीख 1-4-1982 से प्रभावी होगी।			
				[सं० 4554/फा०सं० 187/25/81-आई टी ए आई]			
				वी० बी० श्रीनिवास, सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड			
				<b>CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES</b>			
				New Delhi the 1st April, 1982			
				(INCOME-TAX)			
				<b>S. O. 1721.</b> —In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of all previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioner of Income-tax mentioned in column(2) of the Schedule annexed hereto shall exercise jurisdiction in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of incomes or of such cases or classes of cases as are comprised in the Income-tax Circles, Wards or Districts referred to in the column(4) of the said Schedule:			
				Provided that a Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax Authority Subordinate to him :			
				Provided further that a Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned to any Income-tax Authority outside his jurisdiction.			
8. सी आई टी दिल्ली नई दिल्ली	8		1. जिला 5(11), 5(12) 5(16), नई दिल्ली। 2. जिला 8(3), 8(5), 8(13) जिला 8(14), 8(15), नई दिल्ली। 3. जिला 10(3), 10(11), नई दिल्ली। 4. जिला 5(ख) नई दिल्ली। 5. ठेकेदार सिकिल, दिल्ली जो उन सभी व्यक्तियों के मामलों के संबंध में (जिनमें फर्म या कंपनियों के और यथा-स्थिति उनके भागी-दारों और निदेशकों के मामले भी सम्मिलित				

SCHEDULE				1	2	3	4
S. No.	Comm-iss-ner of Income tax.	Head-quarters	Jurisdiction				
1	2	3	4				
8.	Delhi-I	New Delhi	1. Companies Circle-II, New Delhi. 2. Companies Circle-VII, New Delhi. 3. Companies Circle-X, New Delhi. 4. Companies Circle-XIV, New Delhi. 5. Companies Circle-XV, New Delhi. 6. Companies Circle-XIX, New Delhi. 7. Special Circle-XV, New Delhi. 8. Foreign Section, New Delhi. 9. Special Circle-III, New Delhi.	8B. Delhi-III	New Delhi.		14. Additional Estate Duty-Cum-Income-tax Circle, Delhi. 1. District-V, New Delhi excepting Distt. V(11) V(12), V.(16), New Delhi. 2. Addl. Suvey Circle-IV, New Delhi. 3. District-VIII, New Delhi except District-VIII(3), VIII(5), VIII (13), VIII-VIII (14) & VIII (15), New Delhi. 4. District-X, New Delhi except District-X(3), X (II), New Delhi. 5. Survey Circle IV, New Delhi. 6. Provident Fund Circle, New Delhi. 7. Companies Circle-III & Companies Circle-XVI, New Delhi. 8. Companies Circle-XII, New Delhi. 9. Companies Circle-XIII, New Delhi. 10. Companies Circle-XXIII, New Delhi. 11. Companies Circle-XX, New Delhi.
8A.	Delhi-II	New Delhi.	1. Company Circle-I, New Delhi. 2. Companies Circle-IV, New Delhi. 3. Companies Circle-V, New Delhi. 4. Companies Circle-VI, New Delhi. 5. Companies Circle-VIII, New Delhi. 6. Companies Circle-IX, New Delhi. 7. Companies Circle-XI, New Delhi. 8. Companies Circle-VII, New Delhi. 9. Companies Circle-XVIII, New Delhi. 10. Companies Circle-XXVI and District-VI(13), New Delhi. 11. Companies Circle-XXII, New Delhi. 12. District-VI(12). New Delhi. 13. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, New Delhi.				
				8C Delhi-IV	New Delhi		1. Distt.-III, New Delhi except District III(19) to District III(23) and District-III(27), New Delhi. 2. Evacue Circle, New Delhi. 3. Survey Circle-III, New Delhi. 4. Transport Circle, Delhi dealing with the cases of all persons (including in the cases of firms or companies the partners or as the case may be, the Directors thereof carrying on business or profession as Road Transport Operators under the Jurisdiction of Commissioners of Income-tax, Delhi-I, II, III, IV, V, VI, VII and CIT Survey & Delhi, New Delhi.

1	2	3	4	1	2	3	4
8D. Delhi V	New Delhi.	1. District-I, New Delhi. 2. District-II, New Delhi. 3. District-III (19), (20), (21), (22), (23) and (27), New Delhi. 4. District-IV, New Delhi. 5. District-VII, New Delhi. 6. District-IX, New Delhi. 7. Refund Circle, New Delhi.					jurisdiction of Commissioner of Income-tax, Delhi-I, II, III, IV, V, VI, VII and CIT Survey, New Delhi.
8E. Delhi- VI	New Delhi.	1. Salary Circle, New Delhi. 2. Private Salary Circle, New Delhi. 3. T.D.S. Circles, New Delhi. 4. Trust Circles, New Delhi. 5. Chartered Accountants 'Circle, Delhi dealing with the cases of all persons (including in the cases of firms, partners, thereof) carrying on business or profession as Chartered Accountants under the jurisdiction of Commissioners of Income-tax, Delhi-I, II, III, IV, V, VI, VII and CIT, Survey Delhi. 6. Lawyer's Circle, Delhi dealing with the cases of all persons (including in the case of firms partners thereof) carrying on business or profession as lawyers (including solicitors and advocates) under the jurisdiction of Commissioners of Income-tax, Delhi-I, II, III, IV, V, VI, VII and CIT, Survey, New Delhi. 7. Doctor's Circle, Delhi dealing with the cases of all persons (including in the cases of firms, partners, thereof) carrying on business or profession as Medical Practitioners of Allopathic, Homeopathic, Unani, Ayurvedic or any other system of medicine Radiologists and Pathologists under the		8F. Delhi- VII	New Delhi.	1. District XI(1) and XI(2) New Delhi. 2. Special Circle XIV, New Delhi. 3. Special Circle VI and Special Circle X, New Delhi. 4. Special Circle VI Addl. & Special Circle-XVI, New Delhi for dealing with the cases of all persons in respect of whom an order of detention has been made under the Maintenance of Internal Security Act (for smuggling activities) and foreign Exchange racketeering) and/or Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 and which fall under the jurisdiction of all Commissioner of Income tax at Delhi excluding the Commissioner of Income-tax (Central), New Delhi.	
				8G. CIT Survey Delhi.	New Delhi.	(i) Survey Ward I(1), New Delhi. (ii) Survey Ward I(2), New Delhi. (iii) Survey Ward I (3), New Delhi. (iv) Survey Ward I (4), New Delhi. (v) Survey Ward I (5), New Delhi. (vi) Survey Circle dealing with all new cases where returns are filed for the first time on or after 1-5-80 or cases which have	



1	2	3	4	5
				not hitherto been assessed and where notice u/s. 139(2) or 148 of Income-tax Act, 1961 is to be issued on after 1-7-80 pertaining to the territorial jurisdiction of Commissioners of Income-tax, Delhi-I, II, III, IV, V, VI, VII and CIT Survey Delhi except cases relating to Companies Circle, Contractors Circles and Transport Circles, New Delhi.
8H. CIT Delhi VIII.	New Delhi		1. District V(11), V(12), V(16), New Delhi. 2. District VIII(3), VIII(5), VIII(13), District VIII(14), VIII(15), New Delhi. 3. District X(3), X(11), New Delhi. 4. District V(B), New Delhi. 5. Contrator Circles, Delhi dealing with the cases of all persons (including the cases of firm or companies, the partners of as the case may be the directors thereof) carrying on business or profession as Architects, Engineers and Contractors for carrying out any work (including supply of labour for carrying out any work under the jurisdiction of Commissioners of Income-tax, Delhi-I, II, III, IV, V, VI, VII and CIT Survey, New Delhi.	

This notification takes effect from 1-4-1982.

[No. 4554/F.No.187/25/81-(I.T.A.D)]

V.B. SRINIVASAN, Secy.  
Central Board of Director Taxes.

(आर्थिक कार्य विभाग)

बीमा प्रभाग

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1983

का. जा. 1722.—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31 वा) की धारा 4 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग 1475 GI/82-2

करते हुए और इस मंत्रालय की 22 जुलाई, 1982 की पहले वाली अधिसूचना के क्रम में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम के अध्यक्ष श्री जे. आर. जोशी की नियुक्ति की अवधि 25 अगस्त, 1982 से 16 सितम्बर, 1982 तक बढ़ाती है।

[एफ. संख्या 124(6)/इंसयोरेंस 6/79]

मदन गोपाल गुप्त, निदेशक (बीमा)

(Department of Economic Affairs)

Insurance Division

New Delhi, the 4th March, 1983

S.O. 1722.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31st of 1956) and in continuation of this Ministry's earlier Notification of 22nd July, 1982 the Central Government hereby extends the tenure of appointment of Shri J. R. Joshi, Chairman, Life Insurance Corporation of India with effect from 25th August, 1982 upto 16th September, 1982.

[F. No. 124(6)/Ins. IV/79]

M. G. GUPTA, Director (Insurance)

(बैंकिंग प्रभाग)

वित्तीय पत्र

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1983

का. जा. 1723.—भारत के तारीख 18-1-1983 के असाधारण राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3(2) में प्रकाशित इस मंत्रालय की राजपत्र अधिसूचना संख्या एस.ओ. 21(ई.) एस.ओ. 22(ई.), एस.ओ. 23(ई.) तथा एस.ओ. 24(ई.) में छपे "बिदुर ग्रामीण बैंक" शब्दों के स्थान पर "विदुर ग्रामीण बैंक" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए।

[अंख्या एफ. 1(21)/82-आर.आर. बी.]

दिनेश चन्द्र, निदेशक

(Banking Division)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 8th March, 1983

S.O. 1723.—For the words "Bidur Gramin Bank" appearing in this Ministry's Gazette Notification Nos. S.O. 21(E), S.O. 22(E), S.O. 23(E), S.O. 24(E) published in Part II, Section 3(ii) of the Gazette of India extraordinary dated the 18-1-1983 the words "Vidur Gramin Bank" may be substituted.

[No. F. 1(21)/82-RRB]

DINESH CHANDRA, Director

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1983

का. जा. 1724.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 83 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा (10-ख) की उप-धारा (9) के उपबंध, 17-6-1983 (समेत) तक बैंक आफ कोचीन लि. एनांकुलम पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक वे, इस बैंक द्वारा चार माह की अवधि से अधिक के वास्तु अध्यक्ष पद का कार्य करने के लिए किसी व्यक्ति का समुचित प्रबन्ध किए जाने पर रोक लगाते हैं।

[संख्या 15/6/83-बी. ओ. 3]

एन. डी. बन्ना, अवसर सचिव

New Delhi, the 17th March, 1983

S.O. 1724.—In exercise of powers conferred by section 53 of the Bank Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (9) of section 10B of the said Act shall not, to the extent they preclude the bank from making suitable arrangements to carry out the duties of a Chairman beyond a period exceeding four months, apply to the Bank of Cochin Ltd., Ernakulam up to 17-6-1983 (inclusive).

[No. 15/6/83-B.O. III]

N. D. BATRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1983

का० धा० 1725.—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 19 के खंड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा 30 से 31 मार्च, 1983 की अवधि के दौरान शतप्रतिशत मूल्य पर, 15 वर्ष की परिपक्वता अवधि के साथ जारी किए जाने वाले 35 करोड़ रुपए (पैंतीस करोड़ रुपए केवल) के बांडों पर देय ब्याज की दर 7.50% (साढ़े सात प्रतिशत) तय करती है। बैंक को उक्त अधिसूचित राशि से 10 प्रतिशत तक अधिक अभिदान अपने पास रख लेने का अधिकार होगा।

[संख्या 10(20)/83-ए०सी०]

राम बेहरा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th March, 1983

S.O. 1725.—In pursuance of clause (a) of section 19 of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central Government hereby fixes 7.50 per cent (seven and half per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds of Rs. 35 crores (Rupees thirty five crores only) to be issued at Rs. 100.00 per cent during from 30th to 31st March, 1983 with right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of notified amount with a maturity period of 15 years by the National Bank for Agriculture and Rural Development.

[No. 10(20)/83-AC]

RAAM BEHRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1983

का० धा० 1726.—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा 19 मार्च, 1983 से राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के निदेशक बोर्ड का गठन करती है और रिजर्व बैंक के परामर्श से, निम्नलिखित व्यक्तियों को उक्त बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है:

1. प्रो० नीलकंठ रथ, प्रोफसर एवं निदेशक, गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पोलिटिक्स एण्ड इकनामिक्स, पुणे-411004 (महाराष्ट्र) धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में।
2. श्रीमती पुपुल जयकर, सलाहकार (हथकरघा और दस्तकारी), वाणिज्य मंत्रालय, 11, सफदरजंग रोड़, नई दिल्ली-110011 —तदेव—
3. अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई धारा 6 की उप धारा (1) के खण्ड (ग) के अनुसरण में।
4. डा० जे० सी० राउत, सहकारी तथा कृषक, पो०आ० बोकी, जिला कटक, उड़ीसा —तदेव—
5. श्री एम० एन० नाम्बियार, निदेशक, केरल कोऑपरेटिव सैण्ड्रल लैण्ड मोर्टेगेंज बैंक लि०, पो०बा० नं० 56, त्रिवेंद्रम-695001 (केरल) —तदेव—
6. उप गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई-400001 (महाराष्ट्र) धारा 6 की उप धारा (1) के खण्ड (घ) के अनुसरण में।
7. डा० एस० आर० सेन, 41, पूर्वी मार्ग, वसन्त बिहार, नई दिल्ली-110057 —तदेव—
8. डा० ए० एस० कहलोन, 17-डी, सरबा नगर, लुधियाना (पंजाब) —तदेव—
9. श्री एम० नरसिंहम, सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नयी दिल्ली धारा 6 की उप धारा (1) के खण्ड (ङ) के अनुसरण में।
10. श्री एस० पी० मुखर्जी, सचिव, कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय, नयी दिल्ली —तदेव—

- |   |   |   |   |
|---|---|---|---|
| 11. श्री ए० के० मज्जुमदार,<br>सचिव,<br>ग्रामीण विकास मंत्रालय,<br>नयी दिल्ली  | —तदेव—  | 6. The Deputy Governor,<br>Reserve Bank of India,<br>Central Office,<br>Bombay-400001.<br>(Maharashtra)                                     | In pursuance of<br>clause (d) of sub-<br>section (1) of sec-<br>tion 6. |
| 12. विकास आयुक्त एवं कृषि उत्पादन<br>आयुक्त,<br>कर्नाटक सरकार,<br>बंगलूर (कर्नाटक)  | धारा 6 की उप धारा<br>(1) के खण्ड (च)<br>के अनुसरण में।                  | 7. Dr. S.R. Sen,<br>41, Poorvi Marg,<br>Vasant Vihar,<br>New Delhi-110057.  | -do-  |
| 13. कृषि उत्पादन आयुक्त,<br>उत्तर प्रदेश सरकार,<br>लखनऊ (उत्तर प्रदेश)  | —तदेव—  | 8. Dr. A.S. Kahlon,<br>17-D, Saraba Nagar,<br>Ludhiana<br>(Punjab)  | -do-  |
| [सं० एफ० 7/7/82-बी० ओ० 1]<br>च० बा० मीरचन्दानी, उप सचिव   |   | 9. Shri M. Narasimham,<br>Secretary,<br>Department of Economic<br>Affairs,<br>Ministry of Finance,<br>New Delhi.                            | In pursuance of<br>clause (e) of sub-<br>section (1) of sec-<br>tion 6. |
| New Delhi, the 19th March, 1983   |   |   |   |
| S.O. 1726.—In pursuance of the powers conferred<br>by section 6 of the National Bank for Agriculture &<br>Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central<br>Government hereby constitutes the Board of Directors<br>of the National Bank for Agriculture and Rural Deve-<br>lopment with effect from 19th March, 1983 and<br>appoints the following persons in consultation with<br>the Reserve Bank, as the Directors of the said Bank: |   |   |   |
| 1. Prof. Nilakantha Rath,<br>Professor & Director,<br>Gokhale Institute of Politics<br>and Economics,<br>Pune-411004<br>(Maharashtra)   | In pursuance of<br>clause (b) of sub-<br>section (1) of sec-<br>tion 6. | 10. Shri S.P. Mukherjee,<br>Secretary,<br>Department of Agriculture,<br>Ministry of Agriculture,<br>New Delhi.                              | -do-  |
| 2. Smt. Pupul Jayakar,<br>Adviser (Handlooms &<br>Handicrafts),<br>Ministry of Commerce,<br>11, Safdarjang Road,<br>New Delhi-110011.   | -do-  | 11. Shri A.K. Majumdar,<br>Secretary,<br>Ministry of Rural Deve-<br>lopment,<br>New Delhi.  | -do-  |
| 3. The Chairman,<br>State Bank of India,<br>Central Office,<br>Bombay.  | In pursuance of<br>clause (c) of sub-<br>section (1) of sec-<br>tion 6. | 12. The Development<br>Commissioner-cum-<br>Agriculture Production<br>Commissioner,<br>Governor of Karnataka,<br>Bangalore,<br>(Karnataka). | In pursuance of clau-<br>se (f) of sub-section<br>(1) of section 6.     |
| 4. Dr. J.C. Rout,<br>Co-operator and Farmer,<br>At /P.O. Banki, District<br>Cuttack,<br>(Orissa).   | -do-  | 13. The Agriculture Production<br>Commissioner,<br>Government of Uttar Pradesh.<br>Lucknow,<br>(Uttar Pradesh).                             | -do-  |
| 5. Shri M.N. Nambiar,<br>Director,<br>Kerala Co-operative<br>Central Land Mortgage<br>Bank Ltd.,<br>P.B. No. 56,<br>Trivandrum-695001.<br>(Kerala)  | -do-  | [No. F. 7/7/82—B.O. 1]<br>C.W. MRICHANDANT, Dy. Secy.   |   |

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1983

का०आ० 1727.—कैप्टन बिलोचन सिंह बुल्लत, 6,  
तिलक मार्ग, नई दिल्ली को एक मर्सिडोज बैक 200 सेडन  
1980 मॉडल कार, चेसिस सं० डब्ल्यू डी बी 123020-20-  
137076, इंजन सं०-115938-20-100868 के आयात

के लिए 1,07,417 रुपए की सीमाशुल्क निकासी परमिट सं० पी/जे/0395401 दिनांक 2-12-82 प्रदान किया गया था ।

आवेदक ने उपर्युक्त सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट खो गया है । आगे यह बताया गया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं कराया गया था और इस प्रकार सीमा-शुल्क निकासी परमिट के मूल्य का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया है ।

अपने तर्क के समर्थन में, लाइसेंसधारी ने दिल्ली के नोटरी पब्लिक के सम्मुख विधिवत शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है । तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं० पी/जे/0395401 दिनांक 2-12-82 आवेदक से खो गया या अस्थानस्थ हो गया है । समय-समय पर यथासंशोधित आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के उपखंड 9 (सी सी) के अन्तर्गत प्रवृत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए कैप्टन त्रिलोचन सिंह दुल्लत को जारी किया गया उक्त मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं० पी/जे/0395401 दिनांक 2-12-82 एतद्वारा रद्द किया जाता है ।

कैप्टन त्रिलोचन सिंह दुल्लत को सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है ।

[मि० सं० ए-510/82-83/बी०एल०एस०]

जे० पी० सिंघल, उप मुख्य नियंत्रक  
आयात-निर्यात

#### MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Chief Controller of Imports & Exports

#### ORDER

New Delhi, the 17th March, 1983

**S.O. 1727.**—Capt. Trilochan Singh Dulat, 6 Tilak Marg, New Delhi has granted a C.C.P. No. P/J/0395401 dated 2-12-82 for Rs. 1,07,417/- for import of one Mercedes Benz 200 Sedan 1980 Model Car, Chassis No. WDB 123020-20-137076, Engine No. 115938-20-100863.

The applicant has applied for issue of a Duplicate Copy of the above mentioned CCP on the ground that the original C.C.P. has been lost. It has further been stated that the original C.C.P. was not registered with any Customs Authority and as such the value of the CCP has not been utilised at all.

In support of his contention, the licensee has filed an affidavit duly sworn before the Notary Public Delhi. I am accordingly satisfied that the original CCP No. P/J/0395401 dated 2-12-82 has been lost or misplaced by the applicant. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import Control Order 1955 dated 7-12-1955, as amended from time to time, the said original CCP No. P/J/0395401

dated 2-12-82 issued to Capt. Trilochan Singh Dulat is hereby cancelled.

A duplicate copy of the CCP is being issued to Capt. Trilochan Singh Dulat.

[F. No. A-510/82-83/BLS]  
J. P. SINGHAL, Dy. Chief Controller  
of Imports and Exports

#### आवेश

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1983

**का. आ. 1728.**—सर्वश्री भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि., (भिलाई इस्पात संयंत्र) को भारत-सोवियत समाजवादी गणसंघ गंध व्यापार योजना के अन्तर्गत संयंत्र और मशीनरी के आयात के लिए 20,00,000 रुपये (केवल बीस लाख रुपये का आयात लाइसेंस सं. आई/आई/2443917/पी/यूआर/81/एच/81/सीजी-2/एलएस दिनांक 3-10-81 प्रदान किया गया था ।

फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई या अस्थानस्थ हो गई है । आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं थी और इस प्रकार मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति के मूल्य का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया है ।

2. अपने तर्क के समर्थन में, लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक दुर्ग (मध्य प्रदेश) के सम्मुख स्टाम्प कागज पर विधिवत् शपथ लेकर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है । तदनुसार, मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. आई/आई/2443917/पी/यूआर/81/एच/81/सीजी-2/एलएस दिनांक 30-10-81 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति फर्म से खो गई या अस्थानस्थ हो गई है । यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के उप खंड 9(सीसी) के अन्तर्गत प्रवृत्त अधिकारों का उपयोग कर सर्वश्री भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. (भिलाई इस्पात संयंत्र) को जारी की गई उक्त मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति म. आई/आई/2443917 दिनांक 3-10-81 एतद्वारा रद्द की जाती है ।

3. वह राशि जिसके लिए अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की आवश्यकता है अर्थात् 20,00,000 रुपए के उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पाटी को अलग से जारी की जा रही है ।

[सं. सीजी-2/इस्पात/6/81-82]

पाल गेक, उप मुख्य नियंत्रक,  
आयात एवं निर्यात

#### ORDER

New Delhi, the 16th March, 1983

**S.O. 1728.**—M/s. Steel Authority of India Ltd. (Bhilai Steel Plant) were granted an import licence No. 1/I/2443917/P/UR/81/H/81CGI/LS dated 3-10-81 for Rs. 20,00,000 (Rupees Twenty lakhs only) for import of Plant and machinery under Indo-USSR Trade Plan.

The firm has applied for issue of Duplicate Exchange Control Purposes copy of the above-mentioned licence on the ground that the original Exchange Control Copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Ex. Control Copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Exchange Control Copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a notary Public Durg (M.P.). I am accordingly satisfied that the original Exchange Control Copy of import licence No. I/I/2443917/P/UR/81/H/81/CGII/LS. dated 3-10-81 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original E.C. copy No. I/I/2443917 dated 3-10-81 issued to M/s. Steel Authority of India Ltd., (Bhilai Steel Plant) is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control Copy of the said licence is being issued to the party separately for the amount for which the duplicate Ex. Control Copy is required i.e. Rs. 20,00,000/-.

[No. CGII/Steel/6/81-82]

PAUL BECK, Deputy Chief Controller  
of Imports & Exports

आदेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1983-

का.आ. 1729:—सर्वश्री प्रोजेक्ट्स एण्ड इक्विपमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि० 'हंसालय' 15, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 को इंडो-चेक ट्रेड प्लान 1980 के अन्तर्गत 1980-81 की आयात नीति के परिशिष्ट-5 के अधीन बॉल, सिलिन्ड्रिकल टेपर और स्फेरिकल रोलर बियरिंग्स एवं नीडल बुशिंग/रोलर बियरिंग्स केजिज जिनका आंतरिक व्यास 10 मि०मी० और हमसे अधिक हो, के आयात के लिए 3,00,000 रुपए मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० जी/टी/2434052 दिनांक 31-1-81 प्रदान किया गया था।

2. अब प्रोजेक्ट्स एण्ड इक्विपमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि०, नई दिल्ली ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति उनसे बिना किसी सीमा-शुल्क अधिकारी के पास पंजीकृत कराए और बिना कुछ भी उपयोग में लाए खो गई है। प्रोजेक्ट्स एण्ड इक्विपमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि०, नई दिल्ली इस बात पर सहमत है और वचन देती है कि यदि लाइसेंस की मूल प्रति मिल जाएगी तो वह इस कार्यालय को रिकार्ड के लिए लौटा दी जाएगी।

3. अपने तथ्य के समर्थन में, प्रोजेक्ट्स एण्ड इक्विपमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि०, नई दिल्ली ने आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक 1982-83 के अध्याय 15 के पैरा 353 में मांगे गए के अनुसार एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस सं० जी/टी/2434052 दिनांक 31-1-81 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि आवेदक को जारी की जाए। लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

4. आयात लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[सं० एसटीसी/जेड ई सी/2-29/80-81/जी एल एस]

शंकर चन्द, उप-मुख्य नियंत्रक,

आयात-निर्यात

कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

ORDER

New Delhi, the 17th March, 1983

S.O. 1729.—The Projects and Equipment Corporation of India Ltd., 'Hansalaya' 15, Barakhamba Road, New Delhi-110001 was granted an import licence No. G/T/2434052 dated 31-1-81 for Rs. 3,00,000/- only for import of Ball, Cylindrical Taper and Spherical Roller Bearings as well as needle bushes/Roller Bearings/Cages Internal Dia 10MM and above as per appendix 5 of the Import Policy for 1980-81 under Indo-Czech Trade Plan 1980.

2. The Projects and Equipment Corporation of India Ltd., New Delhi have now requested for issue of duplicate copy of Custom Purposes Copy of the above licence on the ground that the Original Custom Purposes Copy has been lost without being registered with the Custom authority and utilised at all. The Projects & Equipment Corporation of India Ltd., New Delhi agrees and undertake to return the Original Custom Purposes Copy of the licence, if traced later on to this office for record.

3. In support of their contention The Projects and Equipment Corporation of India Ltd., New Delhi have filed an affidavit as required in terms of Para 353 of Chapter XV of Hand Book of Import-Export Procedure 1982-83. The undersigned is satisfied that the Original Custom Purposes Copy of import licence No. G/T/2434052 dated 31-1-81 has been lost and directs that duplicate copy of Custom Purposes Copy of the licence may be issued to the applicant. The Original Custom Purposes Copy of the licence has been cancelled.

4. The duplicate Custom Purposes Copy of the import licence is being issued separately.

[No. STC/ZEC/2-29/80-81/GLS]

SHANKAR CHAND, Dy. Chief Controller,  
Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात का कार्यालय

आदेश

मद्रास, 12 जनवरी, 1983

का. आ. 1730.—सर्वश्री ए. वास्तीचन्द मोवी, संख्या 20 (पुराना संख्या-18), कामी चंटेटी स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935612-सी-एम्माएक्स-81-एम-51 दिनांक 18-11-81 जारी किया गया था।

उपर्युक्त लाइसेंस सनवी लेखापान द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पाटी से यह पृष्ठ हट्टे हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 9-8-82 को व्यक्तिगत मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस कहीं न रद्द कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने के लिए मुनवाई के लिए पाटी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस गनत लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर

प्राप्त किया गया है और एतद्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता है।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री ऐ. वास्टी-चन्द मोडी, संख्या-20, कासी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, अप्रैल-मार्च, 1982 की अवधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935612-सी-एक्सएक्स-81-एम-81 दिनांक 18-11-81 को एतद्वारा रद्द करता हूँ।

[संख्या : डीएफ-598-एम 82-एयू 3]

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

#### ORDER

Madras, the 12th January, 1983

**S.O. 1730.**—M/s. I. Vastichand Modi No. 20 (Old No. 18) Kasi Chetty Street, Madras-600001 were granted a licence No. P/Z/1935612/C/XX/81/M/81 dated 18-11-1981 for import of dry fruits for Rs. 10,000/-.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a chartered accountant certificate certifying their past imports which was not genuine a show cause notice was issued calling upon the licence holder to show cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 9-8-1982. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case I am satisfied that the above import licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence ex-parte.

I in exercise of the powers vested on me in terms of clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the import licence No. P/Z/1935612/C/XX/81/M/81 18-11-1981 issued to M/s. I. Vastichand Modi No. 20 Kasi Chetty Street, Madras-600001 for import of dry fruits for Rs. 10,000/- for April-March, 1982 period.

[No. DF/598/AM-82/AU. III]

#### आवेद

मद्रास, 10 फरवरी, 1983

**विषय :**—सर्वश्री आनन्द इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, कृष्णगिरि रोड, होसूर-635109 को जारी किये गये रुपये 3,07,878 का लाइसेंस संख्या पी-एम-1935674-सी-एक्सएक्स-81-एम-81 दिनांक 8-12-81 को सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की रद्दोकरण।

**का.अ. 1731.**—सर्वश्री आनन्द इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, होसूर को रुपये 3,07,878 तक परिशिष्ट 5 में दर्शाई गई अनुमति मर्चें तथा लाइसेंस के अंकित मूल्य में से ही रुपये 19,636 तक फाल्सू पुर्जों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या-पी-एस-1935674 दिनांक 8-12-1981 जारी किया गया था।

उपयुक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की अनु-लिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदक ने इसलिए आवेदन किया था कि वह मार्गस्थ में डाक मूल्य निर्धारण विभाग द्वारा खो दी गयी थी। मुख्य डाक मूल्य निर्धारण विभाग के सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता ने अपने पत्र संख्या टी-3-1289-82-पीएडी दिनांक 19-10-1982 में लाइसेंस खो जाने की बात की पुष्टि की है।

इसके आधार पर अन्य औपचारिकताओं का अनुपालन करते हुए एक अनुलिपि प्रति लाइसेंस संख्या डी 2464818 दिनांक 19-11-1982 जारी किया गया था ;

अब सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता, डाक मूल्य निर्धारण विभाग, मद्रास ने अपने पत्र संख्या टी-3-1289-82-पीएडी दिनांक 2-2-1983 के साथ पता लगाये गये लाइसेंस के सीमा शुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की मूल प्रति को भेजा है।

लाइसेंस संख्या पी-एस-1935674 दिनांक 8-12-1981 की सीमा-शुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की मूल प्रति एतद्वारा रद्द किया जाता है।

[फाइल संख्या : एस-1-5-(7)-439-एम-82-एयू 3]

#### ORDER

Madras, the 10th February, 1983

**Subject :** Order of cancellation of Customs Purpose Copy of licence No. P/S/1935674/C/XX/81/M/81 dated 8-12-1981 for Rs. 3,07,878 issued to M/s. Anand Electronics P. Ltd., Krishna Giri Road, Hosur-635109

**S.O. 1731.**—M/s. Anand Electronics (P) Ltd., Hosur were granted import licence No. P/S/1935674 dated 8-12-1981 for Rs. 3,07,878 for import of permissible items falling under appendix 5 and import of spares for Rs. 19636 within the overall value of the licence.

They had applied or duplicate Customs Purpose copy of the above licence on the ground that it has been lost in transit by the postal appraising department. The Assistant Collector of Customs, Postal Appraising Department Main in his letter No. T3/1289/82/Pad. dated 19-10-1982 had also confirmed the loss of licence.

On the strength of it a duplicate has been issued by this department, observing other formalities (Lic. D-2464818 dt. 19-11-1982) ;

Now the Assistant Collector of Customs, Postal Appraising Department, Madras has forwarded the original Customs Purpose copy of the licence since traced along with his letter No. T3/1289/82/Pad., dated 2-2-1983.

The original Customs Purpose copy of the Import licence No. P/S/1935674 dated 8-12-1981 is therefore hereby cancelled.

[F. No. S. 1.5(7)/459/AM'82/AU.III]

#### आवेद

मद्रास, 19 फरवरी, 1983

**का.अ. 1732.**—सर्वश्री मूखेश एन्टरप्राइजेस, 59, नारायण मुवली स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935709-सी-एक्सएक्स-81-एम-81 दिनांक 30-12-81 जारी किया गया था।

उपयुक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उम प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि 7-2-1983 को व्यक्तिगत सूचनाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस क्यों न रद्द कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तगत सूचनाई के लिए पार्टी ने आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि उपयुक्त गलत लेखापाल प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त किया गया है और एतद्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता हूँ।

में, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री मुखेश एन्टरप्राइजेस, 59, नारायण मुदली स्ट्रीट मद्रास-600001 को अप्रैल-मार्च 1982 की अवधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935709-सी-एक्सएक्स-81-एम-81 दिनांक 30-12-81 को एतद्वारा रद्द करता हूँ।

[संख्या डीएफ-701एएम 82-ए.यू. 31]

#### ORDER

Madras, the 19th February, 1983

S.O. 1732.—M/s. Mukesh Enterprises, 59, Narayana Mudali St., Madras-600001 were granted a Licence No. P/Z/1935709/C/XX/81/M/81 dated 30-12-81 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000/-.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine Show Cause Notice was issued calling up the Licence Holder to Show Cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a Personal Hearing on 7-2-1983. As the party did not turn up for a Personal Hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence exparte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935709/C/XX/81/M/81 dated 30-12-81 issued to M/s. Mukesh Enterprises, 59, Narayana Mudali St., Madras-600001 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000/- for April-March, 1982 period.

[No. DF/701/AM.82/AU. III]

#### आदेश

मद्रास, 10 मार्च, 1983

का.अ. 1733.—सर्वश्री गनेसा एम्पोरियम, 59, नारायण मुदली स्ट्रीट, मद्रास-600001 को, रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935702-सी-एक्सएक्स-81-एम-81 दिनांक जारी किया गया था।

उपयुक्त लाइसेंस सनदी लेखापाल द्वारा भूतपूर्व आयात के प्रमाणपत्र जारी करने के आधार पर प्राप्त किया गया है। उस प्रमाणपत्र के अवास्तविकता के बारे में विश्वास करने का कारण दिखाई देने से, पार्टी से यह पूछते हुए एक कारण बताओ नोटिस

#### सार्वजनिक प्रति मंत्रालय

#### भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1983

का.अ. 1734.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) के विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार प्रसिद्धित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या (सी एम/एल-0379455) जिसके ध्येय नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, पांच मई उन्नीस सौ ब्यासी से रद्द कर दिए गए हैं।

#### अनुसूची

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या व तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	वस्तु/प्रक्रिया की भारतीय मानक
1	0379455 74-04-05	मैसर्स मासैटिफिक इन्डस्ट्रियल्स कम्पनी, 447/1, मंगलागिरी रोड, गुप्पुर-520001	बी० एच० सी० घुलन पूर्ण	IS : 581: 1968 बी० एच० सी० (एच० सी० एच०) घुलन पूर्ण की विशिष्ट (चतुर्थ पुरीकरण)

[संख्या सी एम बी० / 55: 0379455]  
ए० पी० बनर्जी, अपर महाविदेशक

जारी किया गया था कि 26-2-82 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् उनको जारी किया गया लाइसेंस रद्द कर दिया जाए। अपने मामले को स्पष्ट करने व्यक्तिगत सुनवाई के लिए पार्टी न आने के कारण, मैं इस बात से संतुष्ट हूँ कि उपयुक्त लाइसेंस गलत सनदी लेखापाल प्रमाणपत्र के प्राप्त किया गया है और एतद्वारा लाइसेंस को रद्द करने की एक-पक्षीय निर्णय लेता हूँ।

मैं, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सर्वश्री गनेसा एम्पोरियम, 59, नारायण मुदली स्ट्रीट, मद्रास-600001 को अप्रैल-मार्च, 1982 की अवधि के लिए रुपये 10,000 तक सूखे फलों का आयात करने के लिए जारी किये गये आयात लाइसेंस संख्या पी-इजट-1935702-सी-एक्सएक्स-81-एम-81 दिनांक 26-12-81 को एतद्वारा रद्द करता हूँ।

[सं. जे.एफ.-700-ए.एम. 82-ए.यू. 31]

सी. जी. फेरनांडेज, उप मुख्य नियंत्रक,

आयात तथा निर्यात

#### ORDER

Madras, the 10th March, 1983

S.O. 1733.—M/s. Ganesa Emporium, 59, Narayana Mudali Street, Madras-600001 were granted a licence No. P/Z/1935702/C/XX/81 dated 26-12-81 for import of Dry Fruits for Rs. 10,000/-.

As there was a reason to believe that the above import licence has been obtained by producing a Chartered Accountant Certificate certifying their past imports which was not genuine, a Show Cause Notice was issued calling upon the licence Holder to Show Cause why action should not be taken to cancel the licence giving an opportunity for a personal hearing on 26-2-83. As the party did not turn up for a personal hearing to explain his case, I am satisfied that the above Import Licence has been obtained by fraudulent means and hereby decide to cancel the licence exparte.

I, in exercise of the powers vested on me in terms of Clause 9(1)(a) of the Imports (Control) Order, 1955, hereby cancel the Import Licence No. P/Z/1935702/C/XX/81/M/81 dated 26-12-81 issued to M/s. Ganesa Emporium, 59, Narayana Mudali Street, Madras-600001, for import of Dry Fruits for Rs. 10,000 for April-March, 1982, period.

[No. DF/700/AM 82/AU.III]

C. G.FERNANDEZ, Dy. Chief Controller of Imports and Exports

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES**  
**INDIAN STANDARDS INSTITUTION**

New Delhi, the 11th March, 1983

**S.O. 1734.**—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. (CM/L-0379455) particulars of which are given below has been Cancelled with effect from Fifth May, One Thousand Nine Hundred & Eighty Two.

**SCHEDULE**

Sl. No.	Licence No. & Date	Name and Address of the licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
1.	0379455 74-04-05	M/s. Scientific Insecticides Co., 447/1, Mangalagiri Road Guntur-522001.	BHC DP	IS : 561—1968 Specification for BHC/HCH Dusting Powder (Fourth Revision)

[CMD/55 : 0379455]

A.P. BANERJI, Additional Director General

**ऊर्जा मंत्रालय**  
**(कोयला विभाग)**

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1983

का. आ. 1785.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2) तारीख 1 अगस्त, 1981 में प्रकाशित भारत सरकार के भूतत्पूर्व इस्पात, ऊर्जा, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 2085 तारीख 16 जुलाई, 1981 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनु-गुची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 3423.00 एकड़ (लगभग) या 1380.02 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि की बाबत कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राय है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुगुची में वर्णित 3423.00 एकड़ (लगभग) या 1380.02 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

**टिप्पण-1 :**—इस अधिसूचना के अधीन आने वाले रेखांक का निरीक्षण, उपायुक्त पलामू (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, कार्डिनल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1 के कार्यालय में अथवा सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है ।

**टिप्पण-2 :**—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपबन्धित है :—

8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयले उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए ।

(2) उप-धारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई है, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उनके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा ।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते ।”

**टिप्पण-3 :**—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक 1, कार्डिनल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है ।



## अनुसूची

## मेराल खण्ड

(डाल्टेनगंज कोयला क्षेत्र)

रेखांक सं० राजस्व/19/82

दिनांक 8 मार्च, 1982

(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमि दर्शित की गई है)

क्र०सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7
1.	गोल्हाना	पाटन	189	पलामू	230.75	भाग
2.	सखुआ	पाटन	191	पलामू	141.40	भाग
3.	बटसारा	पाटन	203	पलामू	344.00	भाग
4.	झारीजिमिया	पाटन	204	पलामू	453.39	पूर्ण
5.	मेराल	पाटन	205	पलामू	1127.50	भाग
6.	भोगा	पाटन	206	पलामू	212.11	भाग
7.	सिंगराहा खुर्द	डाल्टेनगंज	194	पलामू	144.80	भयग
8.	सिंगराहा कलां	डाल्टेनगंज	195	पलामू	169.25	भाग
9.	टिकुलिया	डाल्टेनगंज	196	पलामू	100.80	भाग
10.	जोन्न	डाल्टेनगंज	199	पलामू	501.00	भाग

कुल क्षेत्रफल :— 3425.00 एकड़ (लगभग)

या 1386.02 हेक्टर (लगभग)

ग्राम गोल्हाना में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

427 (भाग), 428 (भाग), 429, 430 (भाग), 432 (भाग), 433 (भाग), 434 से 437, 438 (भाग), 439 से 444, 445 (भाग), 446 (भाग), 447 (भाग), 450 (भाग), 462 (भाग), 463 (भाग), 464 (भाग), 465 (भाग), 466, 472 से 477, 478 (भाग), 492 (भाग), 493, 494, 495 (भाग), 496, 497 (भाग), 498 (भाग), 499 (भाग), 500, 501 (भाग), 502 से 522, 523 (भाग), 524 से 529, 530 (भाग), 553, 554, 555, 602, 603 (भाग) ।

ग्राम सखुआ में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

465 (भाग), 472 (भाग), 473 (भाग), 474 (भाग), 681 (भाग), 682, 683, 684, 685 (भाग), 686 (भाग), 688 (भाग), 689, 690, 691, 692 (भाग), 693 (भाग), 694 (भाग), 701 (भाग), 705 (भाग), 706 (भाग), 707 (भाग), 708 (भाग), 709 से 761 ।

ग्राम बटसारा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

355 (भाग), 357 (भाग), 358, 359, 360 (भाग), 361 (भाग), 362 से 366, 367 (भाग), 373 (भाग), 374 (भाग), 375 से 393, 394 (भाग), 395 से 413, 414 (भाग), 416 (भाग), 417 (भाग), 418 से 422, 423 (भाग), 424, 425, 426, 427 (भाग), 428 (भाग), 501 (भाग), 502 (भाग), 503 (भाग), 1475 GI/82—3

505(भाग), 506(भाग), 508(भाग), 544(भाग), 554(भाग), 555 (भाग), 556 (भाग), 563 (भाग), 573 (भाग), 575 (भाग), 576 से 601, 602 (भाग), 603, 604, 605 (भाग), 606 (भाग), 607 (भाग), 608 (भाग), 658 (भाग), 659 (भाग), 660 से 663, 664 (भाग), 665(भाग), 669(भाग), 671(भाग), 673(भाग), 674(भाग), 702 (भाग), 703, 704, 705 (भाग), 747 (भाग), 748 (भाग), 752 (भाग), 753 (भाग), 756 (भाग), 757 से 802, 803 (भाग), 858 (भाग), 859, 860, 861 (भाग), 862, 863 (भाग), 864 से 915, 916 (भाग), 917 से 1089, 1092, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1103, 1104, 1127, 1128, 1136, 1137, 1138, (भाग), 1139. ।

ग्राम झारीनियमा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :  
1 से 533

ग्राम मेराल में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1 से 2298, 2299 (भाग), 2301 (भाग), 2302 (भाग), 2305 (भाग), 2306 से 2363, 2364 (भाग), 2365 से 2444, 2445 (भाग), 2446 से 2508 ।

ग्राम भोगा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1 से 113, 114 (भाग), 115 से 122, 123 (भाग), 124 (भाग), 125 (भाग), 130 (भाग),

140 (भाग), 142 (भाग), 143 (भाग), 144 (भाग)  
145 से 280, 281 (भाग), 282 से 298, 299 (भाग),  
300 (भाग), 303 (भाग), 304, 305, 306 (भाग),  
307, 308 (भाग), 309 (भाग), 310 (भाग), 311  
(भाग), 351 (भाग), 353.

ग्राम सिंगराहा खुर्द में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

2101 (भाग), 2102 (भाग), 2103 से 2112,  
2113 (भाग), 2116 (भाग), 2117 (भाग), 2118  
(भाग), 2120 (भाग), 2121 (भाग), 2122 (भाग),  
2123 (भाग), 2124 (भाग), 2125 (भाग), 2130  
(भाग), 2131 से 2188, 2189 (भाग), 2192 (भाग),  
2193 से 2200, 2201, 2202 (भाग), 2203 (भाग),  
2204, 2205, 2206 (भाग), 2210 (भाग), 2222  
(भाग), 2223 (भाग), 2244 (भाग), 2245 (भाग),  
2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251 (भाग),  
2256 (भाग), 2257 से 2316, 2330.

ग्राम सिंगराहा कलां में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1067 (भाग), 1068 (भाग), 1069 (भाग),  
1125 (भाग), 1159 (भाग), 1160 (भाग), 1161  
(भाग), 1162, 1163 (भाग), 1164 से 1183, 1184  
(भाग), 1188 (भाग), 1190 (भाग), 1191 से  
1198, 1199 (भाग), 1000 से 1247, 1248 (भाग),  
1249, 1250 (भाग), 1251 से 1349, 1350 (भाग),  
1351 (भाग), 1352, 1353, 1354 (भाग), 1355 से  
1369, 1370 (भाग), 1387 (भाग), 1405, 1417  
ग्राम टिकुलियां में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

26 (भाग), 29 (भाग), 30 से 307, 308 (भाग),  
309, 310, 311, 312 (भाग), 313, 314 (भाग),  
315 (भाग), 316 (भाग), 338 (भाग), 339 (भाग),  
340 (भाग), 341 (भाग), 342 (भाग), 355 (भाग), 356  
(भाग), 357, 358 (भाग), 359 (भाग), 360, 361, 362  
(भाग), 363 (भाग), 367 (भाग), 368 (भाग), 369 से 378,  
379 (भाग), 380 (भाग), 381 से 393, 394 (भाग),  
399 (भाग), 449 (भाग), 450, 451, 452, 453,  
454, 455 (भाग), 456 (भाग), 479, 480, 482,  
483, 484, 485, 486.

ग्राम जोन्नर में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1 से 4, 5 (भाग), 6 (भाग), 15 (भाग), 16  
(भाग), 17 (भाग), 20 (भाग), 21 से 46, 47  
(भाग), 48 (भाग), 49, 50, 51, 52, 53, 54 (भाग),  
55 (भाग), 56 (भाग), 57 (भाग), 58 (भाग),  
64, 65, 66 (भाग), 67 (भाग), 129 (भाग), 130  
(भाग), 131, 132, 133 (भाग), 134 (भाग), 135  
से 170, 171 (भाग), 172 (भाग), 176 (भाग),  
177, 178, (भाग) 179 (भाग), 191 (भाग), 192  
(भाग), 193 (भाग), 314 (भाग), 575 (भाग),  
601 (भाग), 602 (भाग), 603 (भाग), 604, 605,

606, 607 (भाग), 608 (भाग), 609, 610, 611,  
612, 613 (भाग), 634, 635 (भाग), 636, 637  
(भाग), 638, 639, 640, 641, 642 (भाग), 643  
(भाग), 644, 645 (भाग), 646 से 650, 651  
(भाग), 654 (भाग), 661 (भाग), 662 से  
721, 722 (भाग), 723 (भाग), 727 (भाग), 728  
से 1044, 1045 (भाग), 1046 (भाग), 1047 (भाग),  
1048, 1049, 1050 (भाग), 1052 (भाग), 1091  
(भाग), 1092 (भाग), 1093 से 1199, 1200 (भाग),  
1210 (भाग), 1211 (भाग), 1212, 1213 (भाग),  
1215 (भाग), 1216 से 1272, 1273 (भाग), 1274  
(भाग), 1275 से 1300, 1301 (भाग), 1302  
(भाग), 1309, 1310, 1311, 1312 (भाग), 1313  
(भाग), 1319 (भाग), 1349 (भाग), 1350 से 1359,  
1360 (भाग), 1361, 1447 (भाग), 1448 (भाग),  
1450 (भाग), 1451 से 1463, 1464 (भाग), 1466  
(भाग), 1467, 1468, 1469 (भाग), 1476 (भाग),  
1477 (भाग), 1478 (भाग), 1479 (भाग), 1480  
से 1606, 1609, 1610, 1615 से 1641, 1645,  
1649, 1650, 1651, 1653 से 1668, 1670 से  
1678, 1680 (भाग), 1742 (भाग), 1748 (भाग),  
1749 (भाग), 1750 से 1767 1768 (भाग), 1769 (भाग),  
1770 से 1779, 1780 (भाग), 1781 (भाग), 1782,  
1783, 1784 (भाग), 1810 (भाग), 1896 (भाग),  
1897 (भाग), 1919 (भाग), 1920 (भाग), 1923  
(भाग), 1924 (भाग), 1927 (भाग), 1928 (भाग),  
1929 (भाग), 1930 (भाग), 1931 (भाग), 2471  
(भाग), 2472 से 2594, 2595 (भाग), 2596  
(भाग), 2597, 2598 (भाग), 2599 (भाग),  
2600 से 2610, 2611 (भाग), 2613, 2614 (भाग),  
2615, 2616, 2617 (भाग), 2618 (भाग), 2619  
(भाग), 2622 (भाग), 2623 (भाग), 2926 (भाग),  
2630 से 2649, 2650 (भाग), 2651 (भाग), 2652  
(भाग), 2653 (भाग), 2654 से 2669, 2670 (भाग),  
2671 से 2678, 2679 (भाग), 2680 (भाग), 2685,  
2686, 2687, 2688 (भाग), 2696, 2697, 2698,  
2699, 2700, 2701, 2702, 2703, 2707, 2709,  
2710 (भाग), 2718, 2719, 2720, 2721, 2722,  
2723, 2724, 2725, 2726, 2727, 2728, 2729,  
2730, 2732, 2451, 2449, 2446, 2695 (भाग).

सीमा वर्णन :

क-ख रेखा, बटसारा ग्राम में प्लॉट संख्यांक : 705,  
756, 753, 752, 748, 747, 803,  
858, 861 और 863 में से होकर जाती है,  
तब ग्राम सिंगराहा कलां में प्लॉट संख्यांक:  
1387, 1370, 1159, 1160, 1161,  
1163, 1184, 1188, 1190, 1125,  
1199, 1069, 1068, 1067, 1248,

1250, 1351, 1350, 1351 और 1354 में से फिर प्लाट संख्यांक 2101, 2102, 2113, 2116, 2117, 2118, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, में से प्लाट संख्यांक 2135, 2133, 2132, 2131, 2130, 2127 और 2128 से घिरे हुए दो असंख्यांकित प्लाटों और तब प्लाट संख्यांक 2130, 2189, 2192, 2206, 2110, 2203, 2202 और प्लाट संख्यांक 2214, 2215 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ और फिर ग्राम सिगराहा खुर्द में प्लाट संख्यांक 2222, 2223, 2256, 2251, 2244, और 2245 में से होकर ग्राम टिकुलिया में प्लाट संख्यांक 29, 26, 315, 314, 316, 312, 339, 338, 342, 340, 308, 341, 356, 355, 357, 358, 359, 363, 362, 367, 368, 399, 379, 380, 394 और 449 से होकर जाती है और बिन्दू "ख" पर मिलती है।

ख-ग

रेखा टिकुलिया ग्राम में प्लाट संख्यांक 449, 455 और 456 (नादी) से होकर जाती है, फिर प्लाट संख्यांक 2471 (नादी) 2595, 2596, 2598, 2599, 2611, 2710, 2614, 2619, 2618, 2617, 2622, 2623, 2629, 2650, 2651, 2652, 2653, 2688, 2679, 2680, 2670, 5, 6, 20, 17, 16, 15, 54, 55, 56, 57, 57, 58, 48, 47, में से होकर प्लाट संख्यांक 64, 65 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ ग्राम जोन्स में प्लाट संख्यांक 66, 67, 134, 133, 129, 130, 193, 192, 191, 179, 178, 176, 171, 172, 727, 723, 722, 661, 651, 654, 645, 643, 642, 637, 635, 633, 632, 631, 629, 613, 614, 608, 607, 601, 602, 603, 575, 1052, 1050, 1047, 1046, 1045, 1092, 1091, 314, (सड़क), 1680, 1742, 1748, 1749, 1810, 1768, 1769, 1784, 1781, 1780, 1896 में से होकर जाती है और बिन्दू "ग" पर मिलती है।

ग-घ

रेखा जोन्स ग्राम में प्लाट संख्यांक 1897, 1919, 1920, 1923, 1924, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1447, 1448, 1450, 1464, 1466, 1469, 1479, 1478, 1477, 1476, 1360, 1349, 314 ( ) 1200, 1215, 1213, 1211, 1210, 1273, 1274,

1302, 1301, 1312, 1313, 1319, 2695 ( ) में से होकर ग्राम सिकी कलां और मेराल की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ प्लाट संख्यांक 2445 (अमानट नादी) में से होकर ग्राम मेराल में प्लाट संख्यांक 2364, 2305, 2302, 2299, 2301, और 2299 से होकर जाती है। तत्पश्चात् ग्राम भोगा में प्लाट संख्यांक 351, 124, 123, 125, 130, 140, 114, 142, 143, 144, 300, 299, 303, 306, 311, 308, 281, 310 और 309 (जिन्जोई नदी) में से होकर ग्राम गोलहाना में प्लाट संख्यांक 530 (जिन्जोई नदी) 523, 432, 438, 430, 428, 427, 445, 446 और 427 में से होकर जाती है और बिन्दू "घ" पर मिलती है।

घ-क

रेखा ग्राम गोलहाना में प्लाट संख्यांक 491 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट संख्यांक 450, 447, 465, 464, 463, 462, 471, 603, 478, 501, 499, 498, 497, 495, 492 में से होकर ग्राम सखुआ में प्लाट संख्यांक 465, 472, 473, 474, 681, 685, 686, 688, 693, 692, 693, 694, 705, 706, 707, 708, और 701 से होकर ग्राम बटसारा में प्लाट संख्यांक 355, 357, 360, 361, 367, 374, 373, 394, 427, 428, 423, 417, 416, 414, 554, 555, 556, 563, 916, 544, 916, 573, 575, 508, 505, 506, 505, 502, 503, 502, 501, 602, 603, 606, 607, 608, 658, 659, 664, 1138, 665, 669, 671, 673, 674, 702 और 705 [जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के अधीन अर्जित कठोतिया ब्लॉक की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है] में से होकर जाती है और आरम्भिक बिन्दू "क" पर मिलती है।

[सं० 19/47/82-सी०एल०]

## MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 1st March, 1983

S.O. 1735.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2085 dated the 16th July, 1981 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 1st August, 1981 under sub-section (1) of section (4) of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 3425.00 acres (approximately) or 1386.02 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the said lands measuring 3425.00 acres (approximately) or 1386.02 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto;

Note 1.—The plan of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Palamau, (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1 or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

Note 2.—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), which provides as follows :

8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land of any rights in or over such land.

Explanation : 1. It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different report in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land to the Central Government, containing his recommendations on the objections together with the record of the proceedings held by him for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act".

Note 3.—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

### SCHEDULE

#### Meral Block Daltonganj Coalfield, Bihar

Drg. No. Rev/17/82

Dated 8-3-83

(showing lands to be acquired)

#### All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1.	Golhana	Patan	189	Palamau	230.75	Part
2.	Sahhua	"	191	"	141.40	Part
3.	Batsara	"	203	"	344.00	Part
4.	Jhari Nimia	"	204	"	453.37	Full
5.	Meral	"	205	"	1127.50	Part
6.	Bhonga	"	206	"	212.11	Part
7.	Singraha Khurd	Daltonganj	194	"	144.80	Part
8.	Singraha Kalan	"	195	"	169.25	Part
9.	Tikuliya	"	196	"	100.80	Part
10.	Jonr	"	199	"	501.00	Part

Total Area : 3425.00 acres (approximately)  
or 1386.02 hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Golhana :—

427 (Part), 428 (Part), 429, 430 (Part), 432 (Part), 433 (Part), 434 to 437, 438 (Part), 439 to 444, 445 (Part), 446 (Part), 447 (Part), 450 (Part), 462 (Part), 463 (Part), 464 (Part), 465 (Part), 466 to 470, 471 (Part), 472 to 477, 478 (Part), 492 (Part), 493, 494, 495 (Part), 496, 497 (Part), 498 (Part), 499 (Part), 500, 501 (Part), 502 to 522, 523 (Part), 524 to 529, 530 (Part), 553, 554, 555, 602, 603 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Sakhua :—

465 (Part), 472 (Part), 473 (Part), 474 (Part), 681 (Part), 682, 683, 684, 685 (Part), 686 (Part), 688 (Part), 689, 690, 691, 692 (Part), 693 (Part), 694 (Part), 701 (Part), 705 (Part), 706 (Part), 707 (Part), 708 (Part), 709 to 761.

Plot numbers to be acquired in village Batsara :—

355 (Part), 357 (Part), 358, 359, 360 (Part), 361 (Part), 362 to 366, 367 (Part), 373 (Part), 374 (Part), 375 to 393, 394 (Part), 395 to 413, 414 (Part), 416 (Part), 417 (Part), 418 to 422, 423 (Part), 424, 425, 426, 427 (Part), 428 (Part), 501 (Part), 502 (Part), 503 (Part), 505 (Part), 506 (Part), 508 (Part), 544 (Part), 554 (Part), 555 (Part), 556 (Part), 563 (Part), 573 (Part), 575 (Part), 576 to 601, 602 (Part), 603, 604, 605 (Part), 606 (Part), 607 (Part), 608 (Part), 658 (Part), 659 (Part), 660 to 663, 664 (Part), 665 (Part), 669 (Part), 671 (Part), 673 (Part), 674 (Part), 702 (Part), 703, 704, 705 (Part), 757 (Part), 748 (Part), 752 (Part), 753 (Part), 756 (Part), 757 to 802, 803 (Part), 858 (Part), 859, 860, 861 (Part), 862, 863 (Part), 864 to 915, 916 (Part), 917 to 1089, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1103, 1104, 1127, 1128, 1136, 1137, 1138 (Part), 1139.

Plot numbers to be acquired in village Jhari Nimia :—  
1 to 533.

Plot numbers to be acquired in village Meral :—

1 to 2298, 2299 (Part), 2301 (Part), 2302 (Part), 2305 (Part), 2306 to 2363, 2364 (Part), 2365 to 2444, 2445 (Part), 2446 to 2508.

Plot numbers to be acquired in village Bhonga :—

1 to 113, 114 (Part), 115 to 122, 123 (Part), 124 (Part), 125 (Part), 130 (Part), 140 (Part), 142 (Part), 143 (Part), 144 (Part), 145 to 280, 281 (Part), 282 to 298, 299 (Part), 300 (Part), 303 (Part), 304, 305, 306 (Part), 307, 308 (Part), 309 (Part), 310 (Part), 311 (Part), 351 (Part), 353.

Plot numbers to be acquired in village Singraha Khurd :—

2101 (Part), 2102 (Part), 2103 to 2112, 2113 (Part), 2116 (Part), 2117 (Part), 2118 (Part), 2120 (Part), 2121 (Part), 2122 (Part), 2123 (Part), 2124

(Part), 2125 (Part), two unnumbered plots (Part), 2130 (Part), 2131 to 2188, 2189 (Part), 2192 (Part), 2193 to 2200, 2201, 2202 (Part), 2203 (Part), 2204, 2205, 2206 (Part), 2210 (Part), 2222 (Part), 2223 (Part), 2244 (Part), 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251 (Part), 2256 (Part), 2257 to 2316, 2330.

Plot numbers to be acquired in village Singraha Kalan :—

1067 (Part), 1068 (Part), 1069 (Part), 1125 (Part), 1159 (Part), 1160 (Part), 1161 (Part), 1162, 1163 (Part), 1164 to 1183, 1184 (Part), 1188 (Part), 1190 (Part), 1191 to 1198, 1199 (Part), 1200 to 1247, 1248 (Part), 1249, 1250 (Part), 1251 to 1349, 1350 (Part), 1351 (Part), 1352, 1353, 1354 (Part), 1355 to 1369, 1370 (Part), 1387 (Part), 1405, 1417.

Plot numbers to be acquired in village Tikuliya :—

26 (Part), 29 (Part), 30 to 307, 308 (Part), 309, 310, 311, 312 (Part), 313, 314 (Part), 315 (Part), 316 (Part), 338 (Part), 339 (Part), 340 (Part), 341 (Part), 342 (Part), 355 (Part), 356 (Part), 357, 358 (Part), 359 (Part), 360, 361, 362 (Part), 363 (Part), 367 (Part), 368 (Part), 469 to 378, 379 (Part), 380 (Part), 381 to 393, 394 (Part), 399 (Part), 449 (Part), 450, 451, 452, 453, 454, 455 (Part), 456 (Part), 479, 480, 482, 483, 484, 485, 486.

Plot numbers to be acquired in village Jonr :—

1 to 4, 5 (Part), 6 (Part), 15 (Part), 16 (Part), 17 (Part), 20 (Part), 21 to 46, 47 (Part), 48 (Part), 49, 50, 51, 52, 53, 54 (Part), 55 (Part), 56 (Part), 57 (Part), 58 (Part), 64, 65, 66 (Part), 67 (Part), 129 (Part), 130 (Part), 131, 132, 133 (Part), 134 (Part), 135 to 170, 171 (Part), 172 (Part), 176 (Part), 177, 178 (Part), 179 (Part), 191 (Part), 192 (Part), 193 (Part), 314 (Part), 575 (Part), 601 (Part), 602 (Part), 603 (Part), 604, 605, 606, 607 (Part), 608 (Part), 609, 610, 611, 612, 613 (Part), 614 (Part), 629 (Part), 630, 631 (Part), 632 (Part), 633 (Part), 634, 635 (Part), 636, 637 (Part), 638, 639, 640, 641, 642 (Part), 643 (Part), 644, 645 (Part), 646 to 650, 651 (Part), 654 (Part), 661 (Part), 662 to 721, 722 (Part), 723 (Part), 727 (Part), 728 to 1044, 1045 (Part), 1046 (Part), 1047 (Part), 1048, 1049, 1050 (Part), 1052 (Part), 1091 (Part), 1092 (Part), 1093 to 1199, 1200 (Part), 1210 (Part), 1211 (Part), 1212, 1213 (Part), 1215 (Part), 1216 to 1272, 1273 (Part), 1274 (Part), 1275 to 1300, 1301 (Part), 1302 (Part), 1309, 1310, 1311, 1312 (Part), 1313 (Part), 1319 (Part), 1349 (Part), 1350 to 1359, 1360 (Part), 1361, 1447 (Part), 1448 (Part), 1450 (Part), 1451 to 1463, 1464 (Part), 1466 (Part), 1467, 1468, 1469 (Part), 1476 (Part), 1477 (Part), 1478 (Part), 1479 (Part), 1480 to 1606, 1609, 1610, 1615 to 1641, 1645, 1649, 1650, 1651, 1653 to 1668, 1670 to 1678,

1680 (Part), 1742 (Part), 1748 (Part), 1749 (Part), 1750 to 1767, 1768 (Part), 1769 (Part), 1770 to 1779, 1780 (Part), 1781 (Part), 1782, 1783, 1784 (Part), 1810 (Part), 1896 (Part), 1897 (Part), 1919 (Part), 1920 (Part), 1923 (Part), 1924 (Part), 1927 (Part), 1928 (Part), 1929 (Part), 1930 (Part), 1931 (Part), 2471 (Part), 2472 to 2594, 2595 (Part), 2596 (Part), 2597, 2598 (Part), 2599 (Part), 2600 to 2610, 2611 (Part), 2613, 2614 (Part), 2615, 2616, 2617 (Part), 2618 (Part), 2619 (Part), 2622 (Part), 2623 (Part), 2629 (Part), 2630 to 2649, 2650 (Part), 2651 (Part), 2652 (Part), 2653 (Part), 2654 to 2669, 2670 (Part), 2671 to 2678, 2679 (Part), 2680 (Part), 2685, 2687, 2688 (Part), 2696, 2697, 2698, 2699, 2700, 2701, 2702, 2703, 2707, 2708, 2710 (Part), 2718, 2719, 2720, 2721, 2722, 2723, 2724, 2725, 2726, 2727, 2728, 2729, 2730, 2732, 2451, 2449, 2446, 2695 (Part).

**Boundary description :—**

**A—B** line passes through plot numbers :—705, 756, 753, 752, 748, 747, 803, 858, 861 and 863 in village Batsara, through plot numbers :—

1387, 1370, 115, 1160, 1161, 1163, 1184, 1188, 1190, 1125, 1199, 1069, 1068, 1067, 1248, 1250, 1351, 1350, 1351 & 1354 in village Singraha Kalan, then through plot numbers :—2101, 2102, 2113, 2116, 2117, 2118, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, two unnumbered plots surrounded by plot numbers 2135, 2133, 2132, 2131, 2130, 2127 & 2128 then through plot numbers 2130, 2189, 2192, 2206, 2210, 2203, 2202, along Eastern boundary of plot numbers 2214, 2215 through plot numbers 222, 2223, 2256, 2251, 2244 & 2245 in village Singraha Khurd, then through plot numbers 29, 26, 315, 314, 316, 312, 337, 338, 342, 340, 308, 341, 356, 355, 356, 358, 359, 358, 359, 363, 362, 367, 368, 399, 379, 380, 394 & 449 in village Tikuliya and meets at point 'B'.

**B—C** line passes through plot numbers :—449, 455 & 456 (Nadi) in village Tikuliya, through plot numbers :—2471 (Nadi) 2595, 2596, 2598, 2599, 2611, 2710, 2614, 2619, 2618, 2617, 2622, 2623, 2629, 2650, 2651, 2652, 2653, 2688, 2679, 2680, 2670, 5, 6, 20, 17, 16, 15, 54, 55, 56, 57, 58, 48, 47, along southern boundary of plot numbers 64, 65 through plot numbers 66, 67, 134, 133, 129, 130, 193, 192, 191, 179, 178, 176, 171, 172, 727, 723, 722, 661, 651, 654, 645, 643, 642, 637, 635, 633, 632, 631, 629, 613, 614, 608, 607, 601, 602, 603, 575, 1052, 1050, 1047, 1046, 1045, 1092, 1091, 314, (Road) 1680,

1742, 1748, 1749, 1810, 1768, 1769, 1784, 1781, 1780 and 1896 in village Jonr and meets at point 'C'.

**C—D** line passes through plot numbers :—1897, 1919, 1920, 1923, 1934, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1447, 1448, 1450, 1464, 1466, 1469, 1479, 1478, 1477, 1476, 1360, 1349, 314 (Road) 1200, 1215, 1213, 1211, 1210, 1273, 1274, 1302, 1301, 1312, 1313, 1319 and 2695 (Amanat Nadi) in village Jonr through plot numbers 2445, (Amanat Nadi) along part common boundary of villages Siki Kalan and Meral then through plot numbers 2364, 2305, 2302, 2299, 2301 and 2299 in village Meral then through plot numbers 351, 124, 123, 125, 130, 140, 114, 142, 143, 144, 300, 299, 303, 306, 311, 308, 281, 310, and 309, (Jinjoi Nadi) in village Bhonga through plot numbers 530 (Jinjoi Nadi) 523, 433, 432, 438, 430, 428, 427, 445, 446, and 427 in village Golhana and meets at point 'D'.

**D—A** line passes through plot numbers :—450, 447, 465, 464, 463, 462, 471, 603, 478, 501, 499, 498, 497, 495, 492, along southern boundary of plot numbers 491 in village Golhana through plot numbers 465, 472, 473, 474, 681, 685, 686, 688, 693, 692, 693, 694, 705, 706, 707, 708 and 710 in village Sakhua through plot numbers 355, 357, 360, 361, 377, 374, 373, 394, 427, 428, 423, 417, 416, 414, 554, 555, 556, 563, 916, 544, 916, 573, 575, 508, 505, 506, 505, 502, 503, 502, 501, 602, 605, 606, 607, 608, 658, 659, 664, 1138, 665, 669, 671, 673, 674, 702, and 705 in village Batsara (which forms part common boundary of Kathautia Block acquired under section 9 (1) of C.B.A. (A&D) Act, 1957 and meets at starting point 'A'.

[No. 19/47/82-CL]

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1983

**का०आ० 1736.**—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं०का०आ० 1250 तारीख 18 अप्रैल, 1980 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 4950.00 एकड़ (लगभग) या 2003.17 हेक्टर (लगभग) भूमि की वास्तविक कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 3 मई, 1982 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की ओर अवधि को ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जिसके भीतर केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सकेगी।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अभिप्राप्य है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए :

इसमें संलग्न अनुसूची में वर्णित 4950.00 एकड़ (लगभग) या 2003.17 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण-1 : इस अधिसूचना के अधीन आने वाले रेखांक का निरीक्षण, उपायुक्त, पलामू (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में अथवा सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाऊस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2 : कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें निम्न-लिखित उपबन्धित है :—

8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी वास्तव धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकासी गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी

भूमि में या उस पर किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आप मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई है, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते।

टिप्पण 3 : केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस, स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

#### कठौलिया ब्लॉक

डाल्टनगंज कोयला क्षेत्र

पलामू (बिहार)

ड्राइंग सं० राजस्व/90/81

दिनांक 8 नवम्बर, 1981

(जिसमें अर्जित की जाने वाली भूमि दर्शित की गई है)

सभी अधिकार

क्र०सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7
1.	सरैया	पाटन	180	पलामू	20.50	भाग
2.	सांडा	"	186	"	129.50	"
3.	नौडीहा	"	187	"	130.00	"
4.	हुर्हुंसा	"	188	"	124.50	"
5.	गोलहंता	"	189	"	227.50	"
6.	बिजरा	"	190	"	71.09	पूर्ण
7.	सखुआ	"	191	"	207.00	भाग
8.	सखुई	"	192	"	86.21	पूर्ण
9.	पलहे खुर्द	"	193	"	646.30	"

1	2	3	4	5	6	7
10.	सीमा	पाटन	194	पलानू	404.50	भाग
11.	गरेरियाडीह	"	195	"	207.00	"
12.	लोहारा	"	199	"	114.50	"
13.	गाडीखाम	"	200	"	232.50	"
14.	कठोटिया	"	201	"	1200.86	पूर्ण
15.	कजरी	"	202	"	485.00	भाग
16.	बतसारा	"	203	"	663.04	"

कुल क्षेत्रफल : 4950.00 एकड़ (लगभग)

या 2003.17 हेक्टर (लगभग)

ग्राम सरैया में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

678 (भाग), 690 (भाग), 691 (भाग), 694 (भाग), 716, 735 (भाग), 748 (भाग), 749 (भाग), 750 (भाग), 751, 752, 753 (भाग), 754 (भाग), 755 (भाग), 756 से 760, 761 (भाग), 764 (भाग), 765, 766 (भाग), 768 (भाग), 771 (भाग), 772 (भाग), 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784 (भाग), 785, 786, 787 (भाग), 788, 789, 790, 791, 792, 793 (भाग), 798 (भाग), 799 (भाग), 800 (भाग), 801 (भाग), 803 (भाग), 804, 805, 806, 807 (भाग), 808 (भाग), 810 (भाग), और 812 (भाग), ।

ग्राम सांडा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

2, 3 (भाग), 42 (भाग), 44 (भाग), 46 (भाग), 47 (भाग), 49 (भाग), 50 (भाग), 51, 52, 53 (भाग), 54, 55 (भाग), 56 से 61, 62 (भाग), 63, 64, 65 (भाग), 70 (भाग), 83 (भाग), 320 (भाग), 321 (भाग), 322 (भाग), 323 से 499, 500 (भाग), 501 (भाग), 502 (भाग), 507 (भाग), 508, 509 (भाग), 510 से 512, 513 (भाग), 514 से 522, 523 (भाग), 525 (भाग), 526 से 588, 589 (भाग), 592 (भाग), 593, 594, 595 (भाग), 596 से 603, 604 (भाग), 605 (भाग), 606 (भाग), 607, 608 (भाग), 609 (भाग), 612 (भाग), 662 (भाग), 663 (भाग), 664, 665 (भाग), 666 (भाग), 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, और 996.

नोडिया ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 504, 505 (भाग), 507 (भाग), 508 से 516, 517 (भाग), 518 (भाग), 522 (भाग), 559 (भाग), 563, 564, 565 (भाग), 566, 567, 568 (भाग), 569, 570 (भाग), 571 से 583, 584 (भाग), 585 से 635, 636 (भाग), 637, 638, 639, 640, 641 (भाग), 642 से 651, 652 (भाग), 653 (भाग), 654 (भाग), 681 (भाग), 682 (भाग), 683, 684,

685, 686 (भाग), 705 (भाग), 707 (भाग), 714 (भाग), 716 (भाग), 717, 718, 719 (भाग), 721 (भाग), और 722 (भाग) ।

ग्राम हुरुहंता में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 572, 574, 575, 576, 577, 578, 579 और 580.

ग्राम गोलहंता में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 337, 338 (भाग), 342 (भाग), 343, 344, 345, 346, 427 (भाग), 453 (भाग), 454 (भाग), 455 (भाग), 456, 457 (भाग), 458, 459 (भाग), 460 (भाग), 461 (भाग), 462 (भाग), 479 (भाग), 480 (भाग), 481, 482, 483, 484 (भाग), 485, 486, 487, 488, 489, 490 (भाग), 542, 543, 549, 550, 551, 552, 556, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595 (भाग), 596, 597, 598, 600 और 610.

ग्राम बिजरा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 87

ग्राम सखुआ में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 461, 462 (भाग), 463 (भाग), 465 (भाग), 466, 469, 470 (भाग), 473 (भाग), 475 (भाग), 476 से 479, 480 (भाग), 481 से 671, 672 (भाग), 673 से 676, 677 (भाग), 678 (भाग), 693 (भाग), 696 (भाग), 697 (भाग), 698 (भाग), 699 (भाग), 700 (भाग), 701 (भाग), और 703 (भाग) ।

ग्राम सखूई में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 242.

ग्राम पलहे खुर्द में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 948.



ग्राम सीका में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

535 (भाग), 536 (भाग), 537 (भाग), 540 (भाग), 541 (भाग), 542, 543 (भाग), 550 (भाग), 551 से 743, 744 (भाग), 745 (भाग), 746 (भाग), 747 (भाग) 748 से 761, 762 (भाग), 763 764, 765, 766 (भाग), 767 से 937, 938 (भाग), 939 से 1026, 1027 (भाग), 1028 से 1279, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298 और 1299.

ग्राम गेरियाडीह में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

154 (भाग), 155, 157 (भाग), 364 (भाग), 365 (भाग), 369 (भाग), 404 (भाग), 405 (भाग) 429 से 444, 445 (भाग), 453 (भाग), 454 (भाग), 455 (भाग), 456 (भाग), 457 (भाग), 458 से 516 517 (भाग), 518 से 543, 544 (भाग), 547 (भाग), 548 (भाग), 549, 550, 551, 552 (भाग), 553, 554 (भाग), 555, 556, 557, 558 (भाग), 559 से 581, 582 (भाग), 583 (भाग), 584 (भाग), 585, 586, 587 (भाग), 589 (भाग), 592 (भाग), 595 (भाग) 596 (भाग), 597 (भाग), 602 (भाग), 799 (भाग), 800 (भाग), 1531 (भाग), 1560 (भाग), 1561 (भाग), 1562, 1563 (भाग), 1564 (भाग), 1566 (भाग), 1567 (भाग), 1568, 1569, 1570, 1571 (भाग), 1573 (भाग), 1577 (भाग), 1578, 1579 (भाग), 1580 (भाग), 1582 (भाग), 1583 (भाग), 1584 (भाग), 1585 (भाग), 1586 (भाग), 1594 (भाग), 1595 से 1674, 1675, (भाग), 1676 (भाग), 1677 (भाग), 1719 (भाग), 1720 (भाग), 1722 (भाग), 1723 से 1729, 1730 (भाग), 1739 (भाग), 1904 (भाग), 1905, 1906, 1907, 1908, 1909 (भाग), 1910 (भाग), 1911 (भाग), 1912, 1913, 1914 (भाग), 1917, 1918, 1919 (भाग), 1920 (भाग), 1921, 1922 (भाग), 1923 (भाग), 1924 (भाग), 1925 (भाग), 1919 (भाग), 1930 (भाग), 1931 (भाग), 1932 (भाग), 1939 (भाग), 1940 (भाग), 1942 और 1950 (भाग)।

ग्राम लोहोरा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

524 (भाग), 527 (भाग), 528 (भाग), 529 से 544, 545 (भाग), 546 से 549, 550 (भाग), 551, 552 (भाग), 553 (भाग), 599 (भाग), 600, 601, 602 (भाग), 603 से 615, 616 (भाग), 625 (भाग), 627 (भाग), 634 (भाग), 635 (भाग), 645 (भाग), 646 (भाग), 647 (भाग), 651 (भाग), 652, 653 (भाग), 654 (भाग), 655 (भाग), 656 (भाग), 657, 663, 664 (भाग), 665 (भाग) 666 (भाग), 667 (भाग), 668 से 673, 674 (भाग), 675 (भाग), 676 (भाग), 677 से 707, 708 (भाग), 709 से 760, 763, 764 (भाग), 768 और 782, 1475 GI/22—4

ग्राम गाड़ीखास में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

666 से 835, 865 से 1273, 1276, 1277, 1278, 1280, 1281, 1283, 1284, 1285, 1286, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1295, 1304, 1305, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1336, 1337 और 1338.

ग्राम कठोतिया में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 1275.

ग्राम कजरी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1 से 429, 776 से 905, 906 (भाग), 907, 908, 909, 910 (भाग), 940 (भाग), 942 (भाग), 943 भाग, 944 (भाग), 945 से 952, 953 (भाग), 954 से 1167, 1168 (भाग), 1169, 1170, 1171, 1172 (भाग), 1173 (भाग), 1174 से 1184, 1185 (भाग), 1192 (भाग), 1193, 1194 (भाग), 1195 (भाग), 1198 (भाग), 1199 (भाग), 1200 (भाग), 1201 (भाग), 1282, 1288 और 1289.

ग्राम बतसारा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 349, 350 (भाग), 351 (भाग), 352 से 354 355 (भाग), 356 (भाग), 394 (भाग), 414 (भाग), 415 (भाग), 416 (भाग), 428 (भाग), 430 (भाग), 487 (भाग), 488 से 493, 494 (भाग), 495 (भाग), 496 (भाग), 508 (भाग), 510 (भाग), 511, 512 (भाग), 515 (भाग), 516 (भाग), 517, से 542, 543 (भाग), 544 (भाग), 545 (भाग), 546, 547, 548, 549 (भाग), 550 (भाग), 551 (भाग), 552 (भाग), 566 (भाग), 607 (भाग), 608 (भाग), 610 (भाग), 611, 612 (भाग), 614, 615 (भाग), 617 (भाग), 618 से 656, 657 (भाग), 658 (भाग), 676 (भाग), 677, 678 (भाग), 683 (भाग), 684 से 700, 701 (भाग), 709 (भाग), 710, 711, 712 (भाग), 714 (भाग), 715 (भाग), 716 (भाग), 717 से 724, 725 (भाग), 726 (भाग), 727, 728 (भाग), 1090, 1100, 1101, 1102, 1112 (भाग), 1113, 1114, 1115, 1122 (भाग), 1123, 1124, 1125, 1126, 1129, 1132, 1133, 1134 और 1135.

सीमा वर्णन :

क—ख रेखा ग्राम गाड़ीखास का रेल सीमा के प्लॉट संख्यांक 665 और 831 की पूर्वी सीमा के साथ साथ और प्लॉट संख्यांक 1277—1285, 1286, 1289, 1290 (सड़क सीमा) की पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु “ख” पर मिलती है।

ख—ग	रेखा ग्राम कजरी के डाल्टनगंज की पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु “ग” पर मिलती है।	808, 803, 801, 800, 799, 798, 793 और 678 से होकर जाती है और बिन्दु “छ” पर मिलती है।
ग—घ	रेखा ग्राम कजरी के प्लाट संख्यांक 1168, 1172, 1173, 1185, 1192, 1201, 1199, 1198, 1195, 1194, 953, 942, 943, 940, 944, 906 और 910 से होकर ग्राम बलसारा के प्लाट संख्यांक 728, 726, 725, 716, 715, 1112, 714, 712, 709, 701, 1122, 676, 678, 683, 657, 658, 610, 612, 608, 607, 615, 617, 494, 495, 496, 487, 508, 510, 512, 515, 516, 566, 543, 544, 545, 552, 551, 550, 549, 415, 416, 428, 430, 394, 350, 351, 356 और 355 से होकर ग्राम सखुआ के प्लाट संख्यांक 701, 700, 703, 699, 696, 698, 697, 693, 678, 677, 672, 480, 475, 473, 470, 465, 463, और 462 से होकर ग्राम गोलहना के प्लाट संख्यांक 490, 484, 479, 480, 461, 460, 459, 462, 595, 457, 455, 454, 453, 427, 338 और 342 से होकर जाती है और बिन्दु “घ” पर मिलती है।	छ—ज रेखा ग्राम सुरैया के प्लाट संख्यांक (678, 793, 690, 691, 694, 787, 784, 749 748, 750, 753, 754, 755 और 735 होकर जाती है और बिन्दु “ज” पर मिलती है।
घ—ङ	रेखा ग्राम गोलहना, दुरुहंसा और मोडीहा की जीजी नदी के भागतः दाएं किनारे के साथ साथ जाती है और बिन्दु “ङ” पर मिलती है।	ज—झ रेखा ग्राम पहलेखुर्द और सरैया की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु “झ” पर मिलती है।
ङ—च	रेखा ग्राम नौडीहा ग्राम के प्लाट संख्यांक 636, 641, 654, 653, 652, 681, 682, 686, 707, 705, 707, 716, 714, 719, 721, 722, 584, 565, 568, 559, 570, 505, 507, 518, 517 और 522 से होती हुई ग्राम सोडा के प्लाट संख्यांक 589, 592, 595, 604, 605, 612, 606, 608, 609, 525, 522, 513, 509, 507, 501, 502, 500, 662, 663, 665, 666, 321, 322, 321, 320, 62, 70, 65, 55, 83, 53, 42, 44, 46, 47, 49, 50 और 3 से होकर फिर प्लाट संख्यांक 2 की पूर्वी सीमा के साथ साथ होकर ग्राम पलहेखुर्द और गोमहेठाई की भागतः सम्मिलित सीमा और ग्राम पलहेखुर्द और सरैया की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ साथ होकर जाती है और बिन्दु “च” पर मिलती है।	झ—ञ रेखा ग्राम सरैया और सीका की दुर्गवती नदी के भागतः दाएं किनारे के साथ साथ जाती है और बिन्दु “ञ” पर मिलती है।
च—छ	रेखा ग्राम सरैया से प्लाट संख्यांक 761, 764, 766, 771, 772, 768, 812, 810, 807,	ट—ठ—ड रेखाएं ग्राम सीका के प्लाट संख्यांक 543, 541, 540, 537, 536, 535, 550, 744, 745, 746, 747, 762, 766, 938, 1027, से होकर ग्राम गररियाडीह के प्लाट संख्यांक 1939, 1932, 1930, 1929, 1925, 1924, 1923, 1922, 1920 1919, 1914, 1911, 1910, 1909, 1904, 1940, 1730, 1739, 1719, 1720, 1722, 1677, 1675, 1676, 1531, 1560, 1561, 1563, 1564, 1566, 1567, 1573, 1571, 1577, 1579, 1580, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586 से होकर प्लाट संख्यांक 1596 की उत्तरी सीमा के साथ साथ प्लाट संख्यांक 1594, 800, 799, 517, 587, 589, 584, 592 583, 582, 595, 596, 597, 602, 364, 365, 369, 558, 554 और 404 से होकर जाती है और बिन्दु “ड” पर मिलती है।
छ—ज		ड—ढ—ण रेखाएं ग्राम गररियाडीह के प्लाट संख्यांक 404, 405, 552, 548, 547, 544, 453, 454, 455, 456, 457, 445 से होकर प्लाट संख्यांक 444 और 440 की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ साथ प्लाट संख्यांक 157 से होकर प्लाट संख्यांक 157 की भागतः दक्षिणी सीमा के साथ साथ, प्लाट संख्यांक 155 और 156 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ प्लाट संख्यांक 154, 1950 से होकर ग्राम लोहौरा के प्लाट संख्यांक 764 656, 655, 654, 653, 651, 647, 646, 645, 664, 645, 665, 666, 667, 635, 634, 627, 674, 675, 676, 616, 625, 599, 602, 545, 552, 553, 550, 527, 528, 524, 708 से होकर जाती है (जो

कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित लोहौरा ब्लॉक की सम्मिलित सीमा बनाती है। और बिन्दु "ण" पर मिलती है।

ण-त रेखा दुर्गावती नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो ग्राम लोहौरा और गाड़ीख़ास की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है और कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन अर्जित लोहौरा ब्लॉक की भी सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "त" पर मिलती है।

त-क रेखा दुर्गावती नदी की भागतः मध्य रेखा के साथ साथ जाती है (जो ग्राम गाड़ीख़ास की भागतः उत्तरी सीमा है) और बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19/6/82]

श्री० सरकार संयुक्त सचिव

New Delhi, the 16th March, 1983

S.O. 1736.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal), No. S.O. 1250, dated the 18th April, 1980, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 4,950.00 acres (approximately) or 2,003.17 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S.O. 292 dated the 14th October, 1982, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 8th January, 1983, under sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government gave notice specifying a further period of one year commencing from the 3rd May, 1982, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 4,950.00 acres (approximately) or 2,003.17 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto;

Note 1. The plan of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Palamau (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, or in the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Dahanuanga House, Ranchi (Bihar).

Note 2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows:

8. (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation : It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operation should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

- (2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

- (3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note. 3. The Coal Controller. 1. Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

### SCHEDULE

Kathautia Block  
Daltanganj Coalfields  
Bihar

Drg. No Rev/90/81  
Dated : 8-11-81  
(Showing lands to be acquired)

#### All Rights

Sl. No.	Village	Thana	Thana Number	District	Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Saraiya	Patan	180	Palamau	20.50	Part
2.	Sanda	"	186	"	129.50	Part
3.	Naudiha	"	187	"	130.00	Part
4.	Huruhansa	"	188	"	124.50	Part

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
5.	Golhana	Patan	189	Palamau	227.50	Part
6.	Bijra	"	190	"	71.09	Full
7.	Sakhua	"	191	"	207.00	Part
8.	Sakhui	"	192	"	86.21	Full
9.	Palhekurd	"	193	"	646.20	Full
10.	Sika	"	194	"	404.50	Part
11.	Gareriadih	"	195	"	207.00	Part
12.	Lohanra	"	199	"	114.50	Part
13.	Garikhas	"	200	"	232.50	Part
14.	Kathautia	"	201	"	1200.86	Full
15.	Kajri	"	202	"	485.00	Part
16.	Batsara	"	203	"	663.04	Part

Total Area : 4950.00 acres (approximately)  
or 2003.17 hectares (approximately)

**Plot numbers to be acquired in village Saraiya :—**

678 (Part), 690 (Part), 691 (Part), 694 (Part), 716, 735 (Part), 748 (Part), 749 (Part), 750 (Part), 751, 752, 753 (Part), 754 (Part), 755 (Part), 756 to 760, 761 (Part), 764 (Part), 765, 766 (Part), 768 (Part), 771 (Part), 772 (Part), 773 (Part), 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784 (Part), 785, 786, 787 (Part), 788, 789, 790, 791, 792, 793 (Part), 798 (Part), 799, (Part), 800 (Part), 801 (Part), 803 (Part), 804, 805, 806, 807, (Part), 808 (Part), 810 (Part), & 812 (Part).

**Plot number to be acquired in village Sanda :—**

2, 3 (Part), 42 (Part), 44 (Part), 46 (Part), 47 (Part), 49 (Part), 50 (Part), 51, 52, 53 (Part), 54, 55 (Part), 56 to 61, 62 (Part), 63, 64, 65 (Part), 70 (Part), 83 (Part), 320 (Part), 321 (Part), 322 (Part), 323 to 499, 500 (Part), 501 (Part), 502 (Part), 507 (Part), 508, 509 (Part), 510 to 512, 513 (Part), 514 to 522, 523 (Part), 525 (Part), 526 to 588, 589 (Part), 592 (Part), 593, 594, 595 (Part), 596 to 603, 604 (Part), 605 (Part), 606 (Part), 607, 608 (Part), 609 (Part), 612 (Part), 662 (Part), 663 (Part), 664, 665 (Part), 666 (Part), 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, & 996.

**Plot numbers to be acquired in village Naudiha :—**

1 to 504, 505 (Part), 507 (Part), 508 to 516, 517 (Part), 518 (Part), 522 (Part), 559 (Part), 563, 564, 565 (Part), 566, 567, 568 (Part), 569, 570 (Part), 571 to 583, 584 (Part), 585 to 635, 636 (Part), 637, 638, 639, 640, 641 (Part), 642 to 651, 652 (Part), 653 (Part), 654 (Part), 681 (Part), 682 (Part), 683, 684, 685, 686 (Part), 705 (Part), 707 (Part), 714 (Part), 716 (Part), 717, 718, 719 (Part), 721 (Part), & 722 (Part).

Plot number to be acquired in village Huruhanra :  
1 to 572, 574, 575, 576, 577, 578, 579 & 580.

**Plot numbers to be acquired in village Colhana :—**

1 to 337, 338 (Part), 342 (part), 343, 344, 345, 346, 427 (Part), 453 (Part), 454 (Part), 455 (Part), 456, 457 (Part), 458, 459 (Part), 460 (Part), 461 (Part), 462 (Part), 479 (Part), 480 (Part), 481, 482, 483, 484 (Part), 485, 486, 487, 488, 489, 490 (Part), 542, 543, 549, 550, 551, 552, 556, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595 (Part), 596, 597, 598, 600 & 610.

**Plot numbers to be acquired in village Bijra :—**  
1 to 87.

Plot numbers to be acquired in village Sakhua :—  
1 to 461, 462 (Part), 463 (Part), 465 (Part), 466, 469, 470 (Part), 473 (Part), 475 (Part), 476 to 479, 480, (Part), 481 to 671, 672 (Part), 673 to 676, 677 (Part), 678 (Part), 693 (Part), 696 (Part), 697 (Part), 698 (Part), 699 (Part), 700 (Part), 701 (Part), & 703 (Part).

**Plot number to be acquired in village Sakhui :—**  
1 to 242.

Plot numbers to be acquired in village Palhekurd :  
1 to 948.

Plot numbers to be acquired in village Sika :—  
535 (Part), 536 (Part), 537 (Part), 540 (Part), 541 (Part), 542, 543 (Part), 550 (Part), 551 to 743, 744 (Part), 745 (Part), 746 (Part), 747 (Part), 748 to 761, 762 (Part), 763, 764, 765, 766 (Part), 767 to 937, 938 (Part), 939 to 1026, 1027 (Part), 1028 to 1279, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, & 1299.

Plot numbers to be acquired in village Gareriadih :  
154 (Part), 155, 157 (Part), 364 (Part), 365, (Part), 369 (Part), 404 (Part), 405 (Part), 429 to 444, 445 (Part), 453 (Part), 454 (Part), 455 (Part), 456 (Part),

457 (Part), 458 to 516, 517 (Part), 518 to 543, 544 (Part), 457 (Part), 548 (Part), 549, 550, 551, 552 (Part), 553, 554 (Part), 555, 556, 557, 558 (Part), 559 to 581 582 (Part), 583 (Part), 584 (Part), 585, 586, 587 (Part), 589 (Part), 592 (Part), 595 (Part), 596 (Part), 597 (Part), 602 (Part), 799 (Part), 800 (Part), 1531 (Part), 1560 (Part), 1561 (Part), 1562, 1563 (Part), 1564 (Part), 1566 (Part), 1567 (Part), 1568, 1569, 1570, 1581 (Part), 1573 (Part), 1577 (Part), 1578, 1579 (Part), 1580 (Part), 1582 (Part), 1583 (Part), 1584 (Part), 1585 (Part), 1586 (Part), 1594 (Part), 1595 to 1674, 1675 (Part), 1676 (Part), 1677 (Part), 1719 (Part), 1720 (Part), 1722 (Part), 1723 to 1729, 1730 (Part), 1739 (Part), 1904 (Part), 1905, 1906, 1907, 1908, 1909 (Part), 1910 (Part), 1911 (Part), 1912, 1913, 1914 (Part), 1917, 1918, 1919, (Part), 1920 (Part), 1921, 1922 (Part), 1923 (Part), 1924 (Part), 1925 (Part), 1929 (Part), 1930 (Part), 1931, 1932 (Part), 1939 (Part), 1940 (Part), 1942 & 1950 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Lohanra :—  
524 (Part), 527 (Part), 528 (Part), 529 to 544, 545 (Part), 546 to 549, 550 (Part), 551, 552 (Part), 553 (Part) 599 (Part), 600, 601, 602 (Part), 603 to 615, 616 (Part), 625 (Part), 627 (Part), 634 (Part), 635 (Part), 645 (Part), 646 (Part), 647 (Part), 651 (Part), 652, 653 (Part), 654 (Part), 655 (Part), 656 (Part), 657 to 663, 664 (Part), 665 (Part), 666 (Part), 667 (Part), 668 to 673, 674 (Part), 675 (Part), 676 (Part), 677 to 707, 708 (Part), 709 to 760, 763, 764 (Part), 768 & 782.

Plot numbers to be acquired in village Garikhas :  
666 to 835, 865 to 1273, 1276, 1277, 1278, 1280, 1281, 1283, 1284, 1285, 1286, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1295, 1304, 1305, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, & 1338.

Plot numbers to be acquired in village Kathautia :—  
1 to 1275.

Plot numbers to be acquired in village Kajri :—  
1 to 429, 776 to 905, 906 (Part), 907, 908, 909, 910 (Part), 940 (Part), 942 (Part), 943 (Part), 944 (Part), 945 to 952, 953 (Part), 954 to 1167, 1168 (Part), 1169, 1170, 1171, 1172 (Part), 1173 (Part), 1174 to 1184, 1185 (Part), 1192 (Part), 1193, 1194 (Part), 1195 (Part), 1198 (Part), 1199 (Part), 1200 (Part), 1201 (Part), 1282, 1288 & 1289.

Plot numbers to be acquired in village Batsara :  
1 to 349, 350 (Part), 351 (Part), 352 to 354, 355 (Part), 356 (Part), 394 (Part), 414 (Part), 415 (Part), 416, (Part), 428 (Part), 430 (Part), 487 (Part), 488 to 493, 494 (Part), 495 (Part), 496 (Part), 508 (Part), 510 (Part), 511, 512 (Part), 515 (Part), 516 (Part), 517 to 542, 543 (Part), 544 (Part), 545 (Part), 546, 547, 548, 549 (Part), 550

(Part), 551 (Part), 552 (Part), 566 (Part), 607, (Part), 608 (Part), 610 (Part), 611, 612 (Part), 614, 615 (Part), 617 (Part), 618 to 656, 657 (Part), 658 (Part) 676 (Part), 677, 678 (Part), 683 (Part), 684 to 700, 701 (Part), 709 (Part), 710, 711, 712 (Part), 714 (Part), 715 (Part), 716 (Part), 717 to 724, 725 (Part), 726 (Part), 727, 728 (Part), 1090, 1100, 1101, 1102, 1112 (Part), 1113, 1114, 1115, 1122 (Part), 1123, 1124, 1125, 1126, 1129, 1132, 1133, 1134 & 1135.

#### Boundary Description :—

A—B line passes along the eastern boundary of plot numbers 665 & 831 of Railway boundary and along the eastern boundary of plot numbers 1277, 1285, 1286, 1289, 1290 (Road boundary) of village Garikhas and meets at point 'B'.

B—C line passes along the eastern boundary of the Daltanganj road of village Kajri and meets at point 'C'.

C—D line passes through plot numbers:—1168, 1172, 1173, 1185, 1192, 1201, 1200, 1199, 1198, 1195, 1194, 939, 942, 943, 940, 944, 906 and 910 of village Kajri, through plot numbers, 728, 726, 725, 716, 715, 1112, 714, 712, 709, 701, 1122, 676, 678, 683, 657, 658, 610, 612, 608, 607, 615, 617, 494, 495, 496, 487, 508, 510, 512, 515, 516, 566, 543, 544, 545, 552, 551, 550, 549, 415, 416, 428, 430, 394, 350, 351, 356, & 355 of village Batsara, through plot numbers, 701, 700, 703, 699, 696, 698, 697, 693, 678, 677, 672, 480, 475, 473, 470, 465, 463, & 462 of village Sakhua, through plot numbers 490, 484, 479, 480, 461, 460, 459, 462, 595, 457, 455, 454, 453, 427, 338, & 342 of village Golhana and meets at point 'D'.

D—E line passes along the part right bank of River Jinjoie of villages Golhana, Huruhansa and Nandihs, and meets at point 'E'.

E—F line passes through plot numbers : 636, 641, 654, 653, 652, 681, 682, 686, 707, 705, 707, 716, 714, 719, 721, 722, 584, 565, 568, 559, 570, 505, 507, 518, 517, & 522 of village Naudiha, through plot numbers : 589, 592, 595, 604, 605, 612, 606, 608, 609, 525, 523, 513, 509, 507, 501, 502, 500, 662, 663, 665, 666, 321, 322, 321, 320, 62, 70, 65, 55, 83, 53, 42, 44, 46, 47, 49, 50 & 3 then eastern boundary of plot number 2 of village Sanda, along part common boundary of villages Palhekurd & Gomhethai, and part common boundary of village Palhekurd & Saraiya and meets at point

E—G line passes through plot numbers : 761, 764, 766, 771, 772, 768, 812, 810, 807, 808, 803, 801, 800, 799, 798, 793, & 678, of village Saraiya and meets at points 'C'.

G—H line passes through plot numbers : 678, 793, 690, 691, 694, 787, 784, 749, 748, 750, 753, 754, 755 & 735 of village Saraiya and meets at point 'H'.

H—I line passes along part common boundary of villages Palhokhurd and Saraiya and meets at Point 'I'.

I—J line passes along the part right bank of Durgawati River of villages Saraiya & Sika and meets at point 'J'.

J—K—

L—M line pass through plot numbers : 543, 541, 540, 537, 536, 535, 550, 744, 745, 746, 747, 762, 766, 938, 1027, of village Sika, through plot numbers : 1939, 1932, 1930, 1929, 1925, 1924, 1923, 1922, 1920, 1919, 1914, 1911, 1910, 1909, 1904, 1940, 1730, 1739, 1719, 1720, 1722, 1677, 1675, 1676, 1531, 1560, 1561, 1563, 1564, 1566, 1567, 1573, 1571, 1577, 1579, 1580, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, along northern boundary of plot number 1596, through plot numbers : 1594, 800, 799, 517, 587, 589, 584, 592, 583, 582, 595, 596, 597, 602, 364, 365, 369, 558, 554, and 404 of village Gareriadih and meets at point 'M'.

MN—Q lines pass through plot nos. 404, 405, 552, 548, 547, 544, 453, 454, 455, 456, 457, 445, along part Western boundary of plot nos. 444 and 440 through plot no. 157, along part southern boundary of plot no 157, along common boundary of plot nos. 155 & 156 through plot nos. 154, 1950, in village Gareriadih, through plot nos. 764, 656, 655, 654, 653, 651, 647, 646, 645, 664, 645, 665, 666, 667, 635, 634, 627, 674, 675, 676, 616, 625, 599, 602, 545, 552, 553, 550, 527, 528, 524, 708, in village Lohanra (which forms common boundary of Lohari block acquired u/s. 9(1) of the coal act) and meets at point 'O'.

O—P line passes along the part central line of River Durgawati (which forms part common boundary of villages Lohanra & Garikhas and also forms common boundary of Lohari block acquired u/s. 9(1) of the coal act) and meets at point 'F'.

P—A line passes along the part Central line of Durgawati River (which is the part northern boundary of village Garikhas) and meets at starting point 'A'.

### (पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1983

का० आ० 1737.—पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा (2), खण्ड (क) के अनुसरण में और भारत सरकार, पेट्रोलियम मंत्रालय, की दिनांक 28 सितम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या का० आ० 3306 का अतिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गई अनुसूची के कालम (1) में दिए हुए प्राधिकारी के कथित अधिनियम के अधीन अनुसूची के कालम (2) में प्रविष्टि के अनुरूप लिखित क्षेत्रों के अन्दर सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

### अनुसूची

प्राधिकारी और पता	क्षेत्राधिकार
(1)	(2)
वरिष्ठ कार्मिक तथा प्रशासनिक अधिकारी, पश्चिम बंगाल द्वारा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, (रिफाइनरीज तथा पाइपलाइन प्रभाग) हल्दिया-मौरीग्राम-राजबन्ध-बरौनी पाइपलाइन, 14, ली रोड, कलकत्ता-700020	

[सं० 12017/1/83-प्रौ०]

राजेंद्र सिंह, निदेशक

### (Deptt. of Petroleum)

New Delhi, the 16th March, 1983

S.O. 1737.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum No. S.O. 3306 dated the 28th September 1977, the Central Government hereby authorises the authority mentioned in column 1 of the Schedule below to perform the functions of the competent authority under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in column 2 of the said Schedule.

### SCHEDULE

Authority and Address	Areas
Senior Personnel & Admn. Officer C/o Indian Oil Corporation Ltd., (Refineries & Pipelines Division) Haldia—Mourigram—Rajbandh— Barauni Pipelines, 14, Lee Road, Calcutta-700020.	West Bengal

[No. 19/6/82-CL]

P. SARKAR, Jt. Secy.

[No. 12017/1/83-Prod.]

RAJENDRA SINGH, Director

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1983

## (स्वास्थ्य विभाग)

## आदेश

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1983

का०आ० 1738.—यतः भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की 20 दिसम्बर, 1975 की अधिसूचना संख्या धी० 11016/25/75-एम०पी०डी० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजन के लिए मान्य चिकित्सा अर्हता होगी।

चिकित्सा अर्हता एम० डी० (म्युस्टर), पश्चिम जर्मनी और यतः डा० (श्रीमती) हिल्देगार्ड सुवया जिनके पास उक्त अर्हता है धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल केरल में मित्रानिकेतन अस्पताल, वेधामन के साथ संबद्ध है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उप-धारा (1) के परन्तुक के खंड (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा

(1) 2 वर्ष की और अवधि, अथवा

(2) उस अवधि को जब तक डाक्टर (श्रीमती) हिल्देगार्ड सुवया केरल में मित्रानिकेतन अस्पताल, वेधामन के साथ सम्बद्ध रहती हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[सं०वी० 11016/13/81-एम०ई०(पी०)]

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

## ORDER

New Delhi, the 19th March, 1983

S.O. 1738.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. V-11016/25/75-MPT dated the 20th December, 1975, the Central Government has directed that the medical qualification, "M.D. (Muester), West Germany shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956).

And whereas Dr. (Mrs.) Hildegard Suia, who possesses the said qualification is for the time-being attached to the Mitranikethan Hospital Vaghamon in Kerala for the purposes of charitable work.

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies :—

(i) a further period of two years or

(ii) the period during which Dr. (Mrs.) Hildegard Suia is attached to the said Mitranikethan Hospital, Vaghamon in Kerala whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/13/81-M.E. (P)]

का. आ. 1739.—यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्ध का पालन करते हुए, अम्बई विश्वविद्यालय की सीनेट ने डा. आर. के. गांधी को 6 दिसम्बर, 1982 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा (4) के साथ पठित धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1980 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम. 1 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 7 और उसमें सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात् :—

"7. डा. आर. के. गांधी,  
इण्डिया हाउस नं. 2,  
कैम्पस कॉर्नर,  
अम्बई-400036।"

[सं. वी. 11013/12/80-एम. ई. (पी.)]

New Delhi, the 1st March, 1983

S.O. 1739.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. R. K. Gandhi, has been elected by the Senate of University of Bombay, to be a member of the Medical Council of India with effect from the 6th December, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of Section 3 read with section 7(4) of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 7 and entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"7. Dr. R. K. Gandhi,  
India House No. 2,  
Kamp's Corner, Bombay-400036."

[No. V. 11013/12/80-M.E. (P)]

का. आ. 1740.—यतः भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्ध का पालन करते हुए, काकतिआ विश्वविद्यालय की सीनेट ने डा. पी. डी. कांदलिकर को 23 जनवरी, 1983 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1980 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम. 1 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड

(ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 52 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, अर्थात् :—

"52. डा. पी. डी. कांदलिकर,  
प्रोफेसर न्याय/आयुर्विज्ञान और  
डीन, चिकित्सा संकाय,  
काकतिया विश्व विद्यालय ।"

[संख्या बी. 11013/2/83-एम. ई. (पी.)]

S.O. 1740.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. P. D. Kandlikar has been elected by the Senate of Kakatiya University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 23rd January, 1983.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 52 and entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"52. Dr. P. D. Kandlikar,  
Professor of Forensic Medicine &  
Dean, Faculty of Medicine,  
Kakatiya University."

[No. V. 11013/2/83-M.E. (P)]

का. आ. 1741.—यत्: भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्ध का पालन करते हुए, भोपाल विश्वविद्यालय के डा. आर. पी. भार्गव को 19 अक्टूबर, 1982 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1980 की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम. 1 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 48 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, अर्थात् :—

"48. डा. आर. पी. भार्गव,  
डीन, फ़ैकल्टी आफ़ मेडिसिन,  
भोपाल विश्वविद्यालय ।"

[सं. बी. 11013/6/83-एम. ई. (पी.)]

पी. सी. जैन, अवर सचिव

S.O. 1741.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. R. P. Bhargava has been elected by the Court of Bhopal University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 19th October, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3" for serial number 48 and entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"48. Dr. R. P. Bhargava,  
Dean Faculty of Medicine,  
Bhopal University"

[No. V. 11013/6/83-M.E. (P)]

P. C. JAIN, Under Secy.

### संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1983

(पुरातत्व)

का० आ० 1742.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 3 अप्रैल, 1982 में पृष्ठ 1559-1561 पर प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना सं० का० आ० 1368 तारीख 20 मार्च, 1982 द्वारा इससे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त प्राचीन संस्मारक के पास एक सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी थी ।

उक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 24 अप्रैल, 1982 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और केन्द्रीय सरकार को किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपा-बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है ।

### अनुसूची

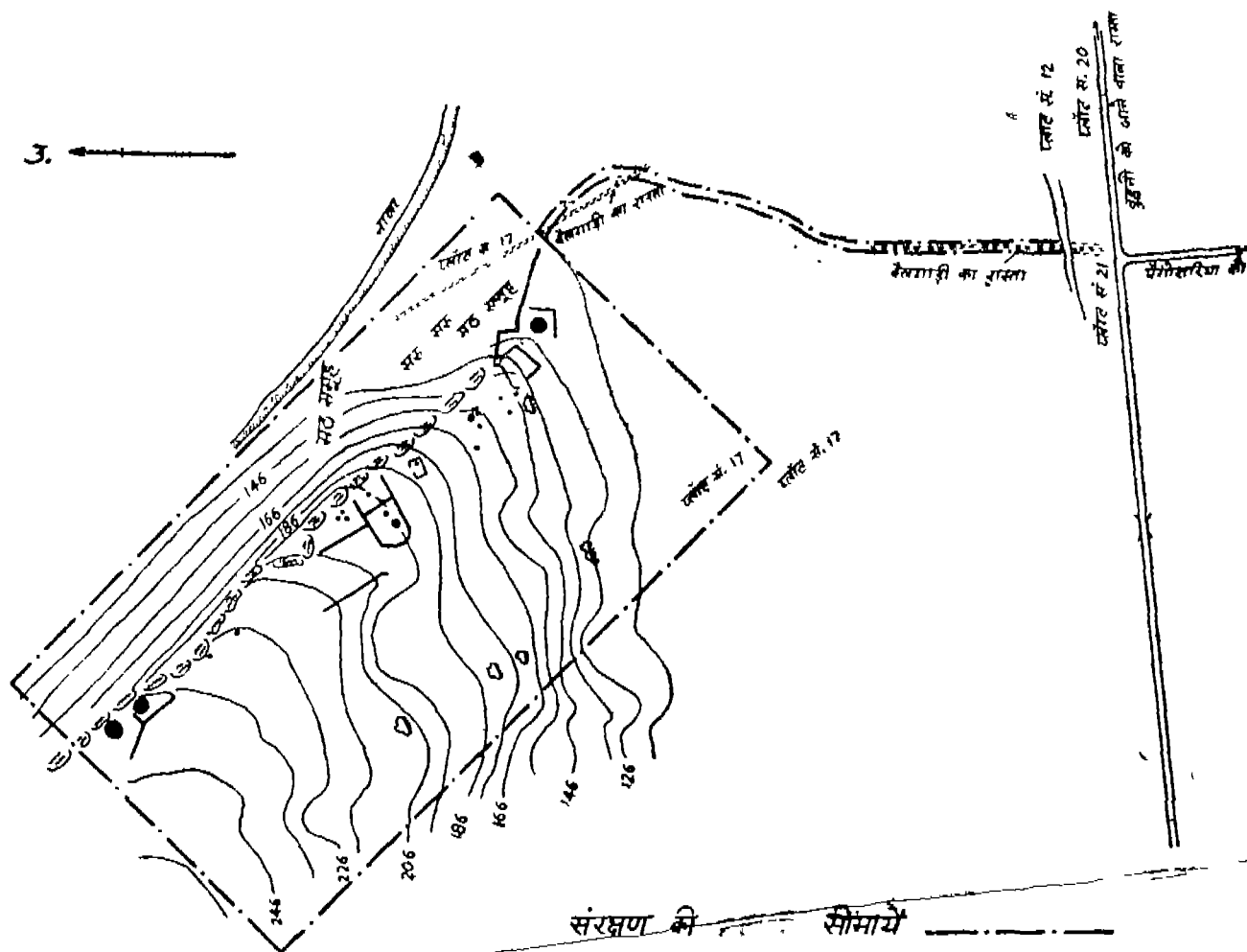
राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम
1	2	3	4	5
मध्य प्रदेश	सीहोर	बुधनी	पंगोरिया	वनक्षेत्र सं० 430/25, 430/24, और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 12, 17 और 21 के भाग सहित सारू मारू मठ काम्लेक्स जैसा कि नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शाित है ।



संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लॉट सं०	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
6	7	8	9	10
वनक्षेत्र सं० 430/24 और 430/25 का भाग तथा राजस्व प्लॉट सं० 12, 17 और 21 का भाग जैसाकि नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शाया है।	क्षेत्र 35.309 हेक्टर	उत्तर : वनभूमि क्षेत्र सं० 430/24 और 430/25 का भाग पूर्व : वनभूमि क्षेत्र 430/24 और प्लॉट सं० 17 का भाग दक्षिण : वन भूमि 430/25 का भाग और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 5, 12, और 17 का शेष भाग। पश्चिम : वनभूमि सं० 430/25 का भाग और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 17 का शेष भाग।	सरकार	शून्य

सर-सर मठ-समूह, पैंगोरारिया गाँव, तहसील बुढ़नी, जिला सिहोर का स्थल मानचित्र

30 0 60 120 180 240 300 360 मीटर  
200 0 200 400 600 800 1000 फुट



**DEPARTMENT OF CULTURE****(Archaeological Survey of India)**

New Delhi, the 21st March, 1983

**S.O. 1742.**—Whereas by the notification of the Government of India, Department of Culture (Archaeological Survey of India), S.O. No. 1368, dated the 20th March, 1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 3rd April, 1982, at pages 1559—1561, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monuments specified in the Schedule hereto annexed to be of national importance, and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument, as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 24th April, 1982;

And whereas no objections have been received from the public by the Central Government;

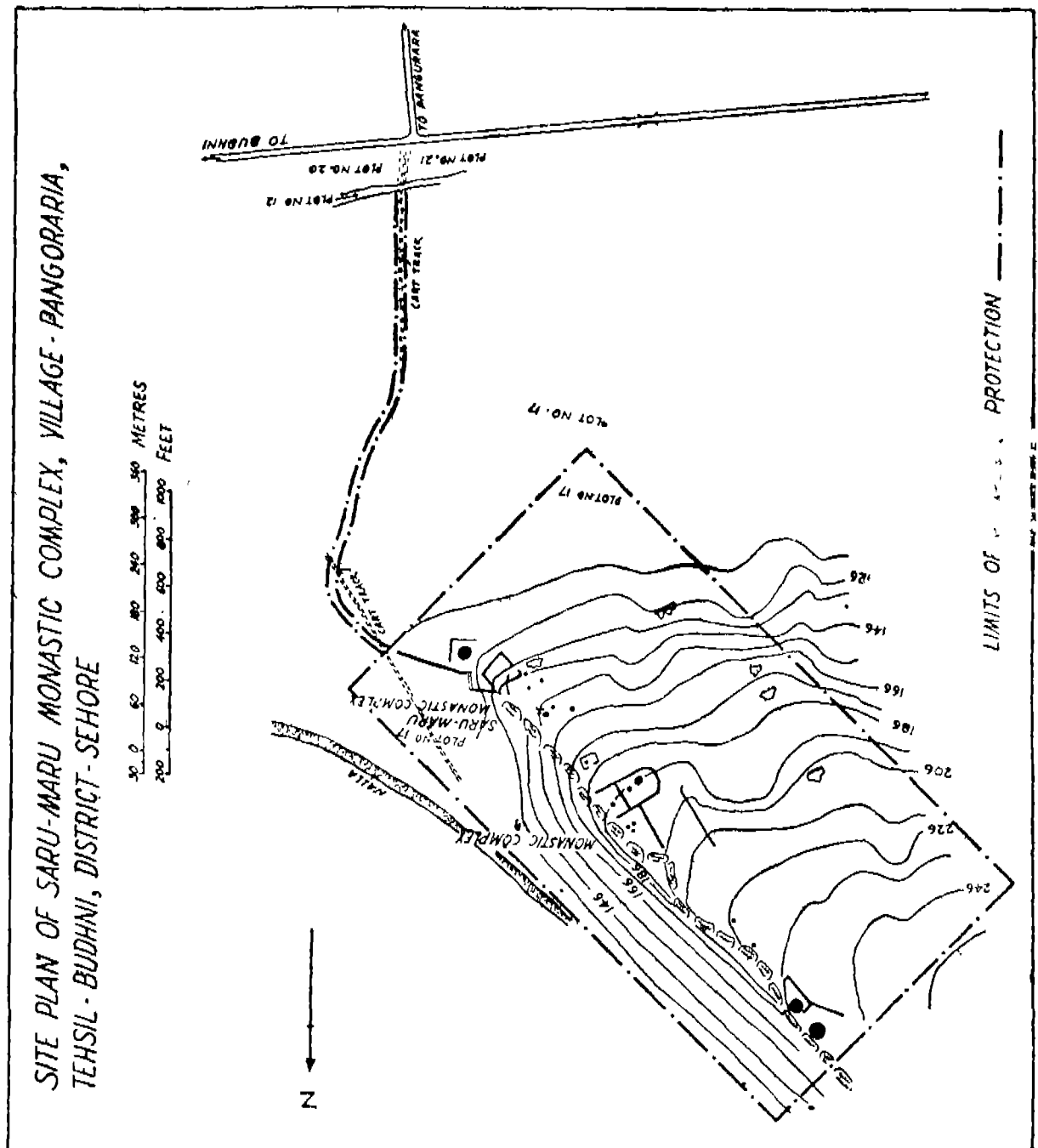
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient monument, specified in the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

**SCHEDULE**

State	District	Tehsil	Locality	Name of monuments
1	2	3	4	5
Madhya Pradesh	Sehore	Budhni	Pangoraria	Saru-Maru Monastic complex along with area comprised in a portion of forest area bearing Nos. 430/XXV, 430/XXIV and Plot of Survey plot No. 12, 17 and 21 as shown in the site plan reproduced below.

Revenue plot numbers included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
Part of forest area bearing Nos.430/XXIV and 430/XXV and part of revenue plot Nos. 12,17 and 21 as shown in the site plan reproduced below.	35.309 Hectares	North:—Part of forest land bearing No. 430/XXIV and 430/XXV  East :—Part of forest land bearing No. 430/XXV and part of plot No. 17. South :—Part of forest and bearing No. 430/XXV and <del>remaining portion of survey</del> plot Nos. 5, 12 and 17	Government	Nil

West :—Part of forest land bearing No. 430/XXV and remaining portion of survey plot No. 17.



## (पुरातत्व)

का० प्रा० 1743.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 19 जून, 1982 में पृष्ठ 2338-2339 पर प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण) की अधिसूचना सं० का० आ० 2253, तारीख 9 जून, 1982 द्वारा इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के आपने आशय को दो मास की सूचना दी थी और प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त प्राचीन संस्मारक के पास एक सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी।

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 6 जुलाई, 1982 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार को किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम
1	2	3	4	5
गोवा, दमण और दीव	गोवा	मुगाओ	सांकोल	सांकोल चर्च (आवर लेडी आफ हेल्थ) का अग्रभाग और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 2/66/2 में समाविष्ट उससे लगा हुआ क्षेत्र
गोवा, दमण और दीव	गोवा	तिलवाडी इल्हास	ईला	फादर जोसफ बाज का क्रस आफ मिरेकल्स चर्च और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 137 में समाविष्ट उससे लगा हुआ क्षेत्र

संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लॉट सं०	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
6	7	8	9	10
सर्वेक्षण प्लॉट सं० 268/2	1.14 हेक्टर	उत्तर :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 265/2 और जुआरी नदी पूर्व :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 289/3, 288/1 और जुआरी नदी दक्षिण :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 267/4, 288/1 और मुख्य मार्ग को जाने वाला गौण मार्ग पश्चिम :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 266/1, 267/4 और 265/2	सांकोल चर्च का फैब्रिया	—
सर्वेक्षण प्लॉट सं० 137	1.78 हेक्टर	उत्तर :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 136/1, 136/2 और 138 पूर्व :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 136/1 दक्षिण :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 136/1 पश्चिम :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 138	गोवा, दमण और दीव की सरकार	

## (ARCHAEOLOGY)

**S.O. 1743:**—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India), S.O. No. 2253 dated the 9th June, 1982, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 19th June, 1982 at pages 2338-2339, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monuments specified in the Schedule annexed to the notification to be of national importance, and a copy of the notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monuments, as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And whereas the copies of the said gazette notification were made available to the public on the 6th July, 1982;

And whereas no objections from the public have been received by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 3 of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient monuments specified in the Schedule hereto to be of national importance.

## SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument
1	2	3	4	5
Goa, Daman and Diu	Goa	Murgao	Sancoale	Frontis piece of Sancoale church (church of our lady of health) with adjacent area comprised in survey plot No. 266/2.
Goa, Daman and Diu	Goa	Tiswadi Ilhas	Eilla	Church of the Cross of Miracles of Father Joseph Vaz with adjacent area comprised in survey plot No. 137

## SCHEDULE

Revenue plot numbers included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
Survey plot No. 266/2	1.14 Hectares	North : Survey plot No. 265/2 and river Zuri East : Survey plot Nos. 289/3 288/1 and river Zuri. South : Survey plot Nos. 267/4, 288/1 and bye road to main road West : Survey plot Nos. 266/1, 267/4 and 265/2	Fabria of church of Sancoale	—
Survey plot No. 137	1.78 Hectares	North: Survey plot Nos. 136/1, 136/2 and 138 East : Survey Plot No. 136/1 South : Survey plot No 136/1 West : Survey plot No 138	Government of Goa, Daman and Diu	

## (पुरातत्व)

क्रा० प्रा० 1744.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 6 फरवरी, 1982 में पृष्ठ 497-500 पर प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्वीय सर्वेक्षण) की अधिसूचना सं० का आ० 456 तारीख 22 जनवरी, 1982 द्वारा इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त प्राचीन संस्मारक के पास एक सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी थी।

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 16 फरवरी, 1982 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और केन्द्रीय सरकार को किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

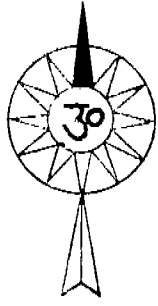
## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम
1	2	3	4	5
तमिलनाडु	उत्तर अर्काट	बालाजाह	एरुक्कमपट्टूर	नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लॉट सं० 76 और 133/1 के भाग में समा-विष्ट संलग्न क्षेत्र सहित रंगनाथ मंदिर

संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले प्लॉट	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
6	7	8	9	10
नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दर्शित सर्वेक्षण प्लॉट सं० 76 और 133/1 का भाग	0.2213 हेक्टर	उत्तर : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 76 और 133/6 के शेष भाग पूर्व : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 133/1 का शेष भाग दक्षिण : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 76 और 133/1 का शेष भाग पश्चिम : सर्वेक्षण प्लॉट सं० 76 का शेष भाग	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 133/1 के सिवाय जो प्राइवेट स्वामित्व के अधीन है, सरकार	—

रुक्कमपट्ट, तालुक-वल्लजाह, जिला - उत्तरी अर्काट, राज्य-तमिल-नाडु के रंगनाथ मन्दिर का स्थल मानचित्र

2 0 4 8 12 16 20 मीटर  
6 6 18 30 42 54 60 फीट



तालाब

तटीय बंध

गाँव से जाने वाली सड़क

सर्वे. सं. 76

प्रवेश मार्ग

पुष्टा दीवार

सर्वे. सं. 133/1

रंगनाथ मन्दिर

गीपुरम

सर्वे. सं. 133/1

सर्वे. सं. 76

सर्वे. सं. 76 (भाग)

सर्वे. सं. 76

सर्वे. सं. 131/1

सर्वे. सं. 131/1

संरक्षण की

सीमाएँ ———

## (ARCHAEOLOGY)

**S.O.1744:**—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) S.O. No. 456 dated the 22nd January, 1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 6th February, 1982 at pages 497—500, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Schedule annexed to this notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And whereas, the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 16th February, 1982;

And whereas no objections were received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Schedule annexed hereto to be of national importance :

## SCHEDULE

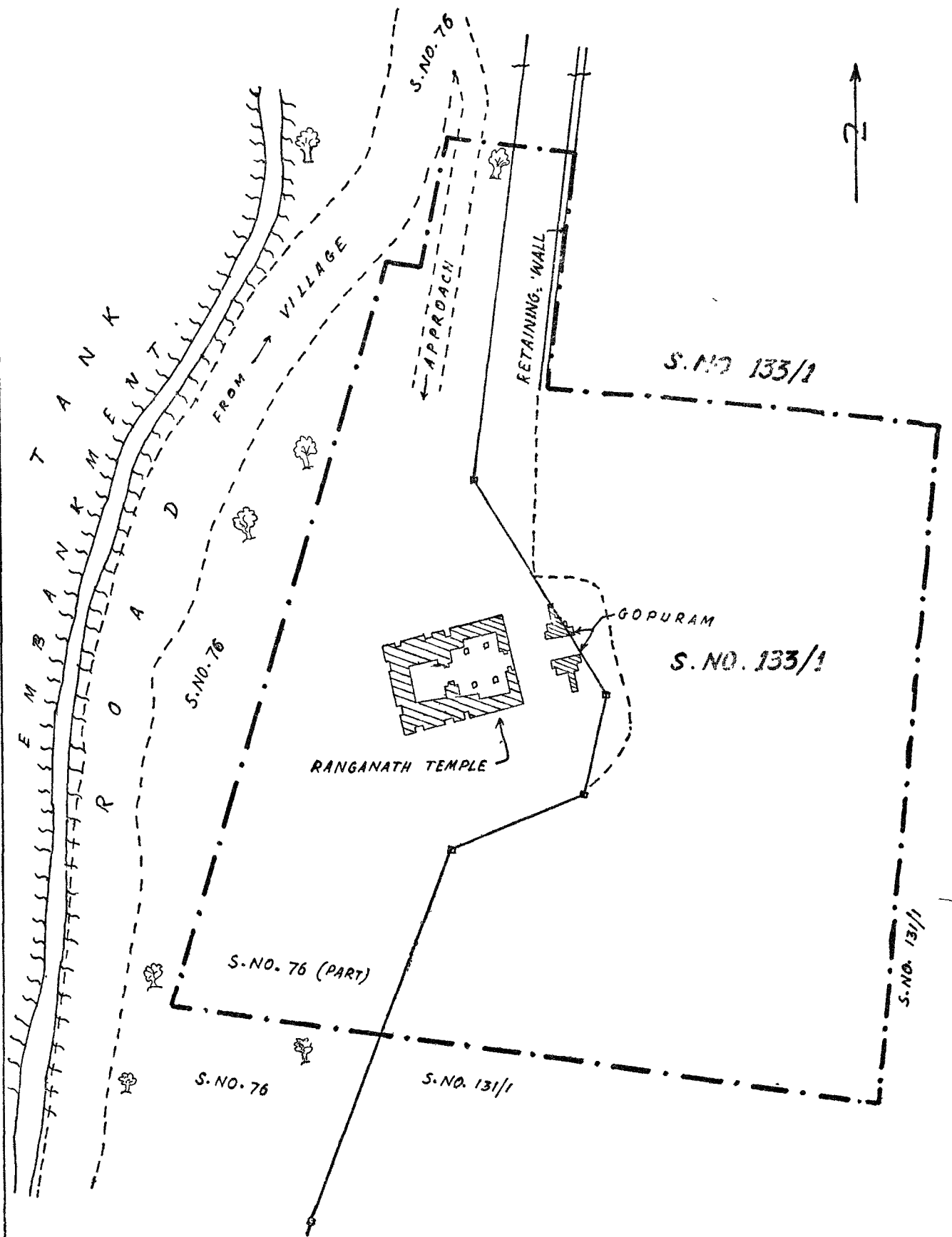
State	District	Tehsil	Locality	Name of Monument
1	2	3	4	5
Tamil Nadu	North Arcot	Vallajah	Erukkampattu	Ranganatha Temple along with adjoining area comprised in a portion of Survey Plot Nos. 76 and 133/1 as shown in the site plan reproduced below.

Revenue plot number included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
A portion of Survey Plot Nos. 76 and 133/1 as shown in the site plan reproduced below.	0.2213 Hectares	North : Remaining portion of Survey Plot Nos. 76 and 133/1. East : Remaining portion of Survey Plot No. 133/1. South : Remaining portion of Survey Plot Nos. 76 and 133/1. West : Remaining portion of Survey Plot No. 76.	Government, except Survey Plot No. 133/1 which is under private ownership.	



# SITE PLAN OF RANGANATHA TEMPLE AT ERUKKAMPATTU TALUK - NALLAJAH, DISTRICT - NORTH ARCOT, STATE - TAMILNADU

2 0 4 8 12 16 20 METRES  
6 0 6 18 30 42 54 66 FEET



LIMITS OF PROTECTION

## (पुरातत्व)

का० प्रा० 1745.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (II) तारीख 3 अप्रैल, 1982 में पृष्ठ 1555 पर प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना सं० का० आ० 1366 तारीख 20 मार्च, 1982 द्वारा इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आणय की दो मास की सूचना दी थी और प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त प्राचीन संस्मारक के पास एक सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 24 अप्रैल, 1982 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार को किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है ।

## अनुसूची

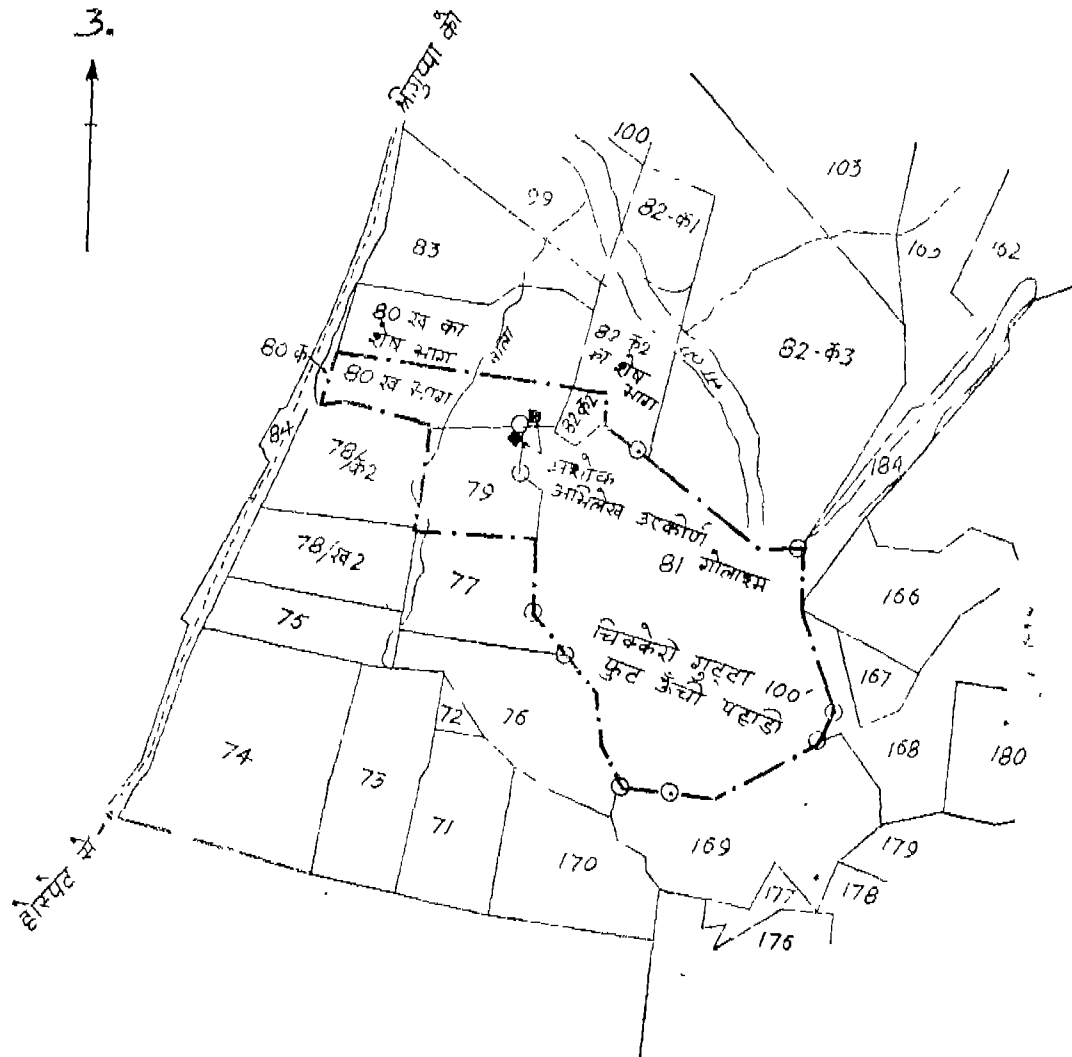
राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम
1	2	3	4	5
कर्नाटक	बेलारी	सिरुगुप्पा	नित्तुरु	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 79,81 और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 80-ख तथा 82-क2 के भाग में अतिविष्ट अशोक के शिलालेख तथा पार्श्वस्थ क्षेत्र जेसाकि नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दिखाया गया है ।

संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लॉट सं०	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
6	7	8	9	10
सर्वेक्षण प्लॉट सं० 79, 81 और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 80-ख और 82-क2 के भाग जैसा कि नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दिखाया गया है ।	30.87 एकड़	उत्तर :- - सर्वेक्षण प्लॉट सं० 82-क3 और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 80-ख और 82-क2 के शेष भाग पूर्व :- - सर्वेक्षण प्लॉट सं० 184 166 और 168 दक्षिण :- - सर्वेक्षण प्लॉट सं० 169 और 76 पश्चिम :- - सर्वेक्षण प्लॉट सं० 80-क 78-क2 और 77	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 81 सरकार के स्वामित्व में है और शेष सर्वेक्षण प्लॉट संख्यांक निजी स्वामित्व में है ।	कुछ नहीं

# गांव निट्टुरु, तालुक सिरुगुप्पा, जिला बैल्लारी का स्थल मानचित्र

100 0 100 200 300 मीटर  
330 0 330 660 990 फुट

3.



संरक्षण की

सीमाएं

## (ARCHAEOLOGY)

**S.O. 1745.**—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India), S.O. No. 1366, dated the 20th March, 1982, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 3rd April, 1982 at page 1555, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Schedule annexed to the said notification to be of national importance, and a copy of the notification was affixed in a conspicuous place near the monument, as required by sub-section (1) of section 4 of Ancient Monuments and Archaeological sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958);

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 24th April, 1982;

And whereas no objection was received from the public by the Central Government;

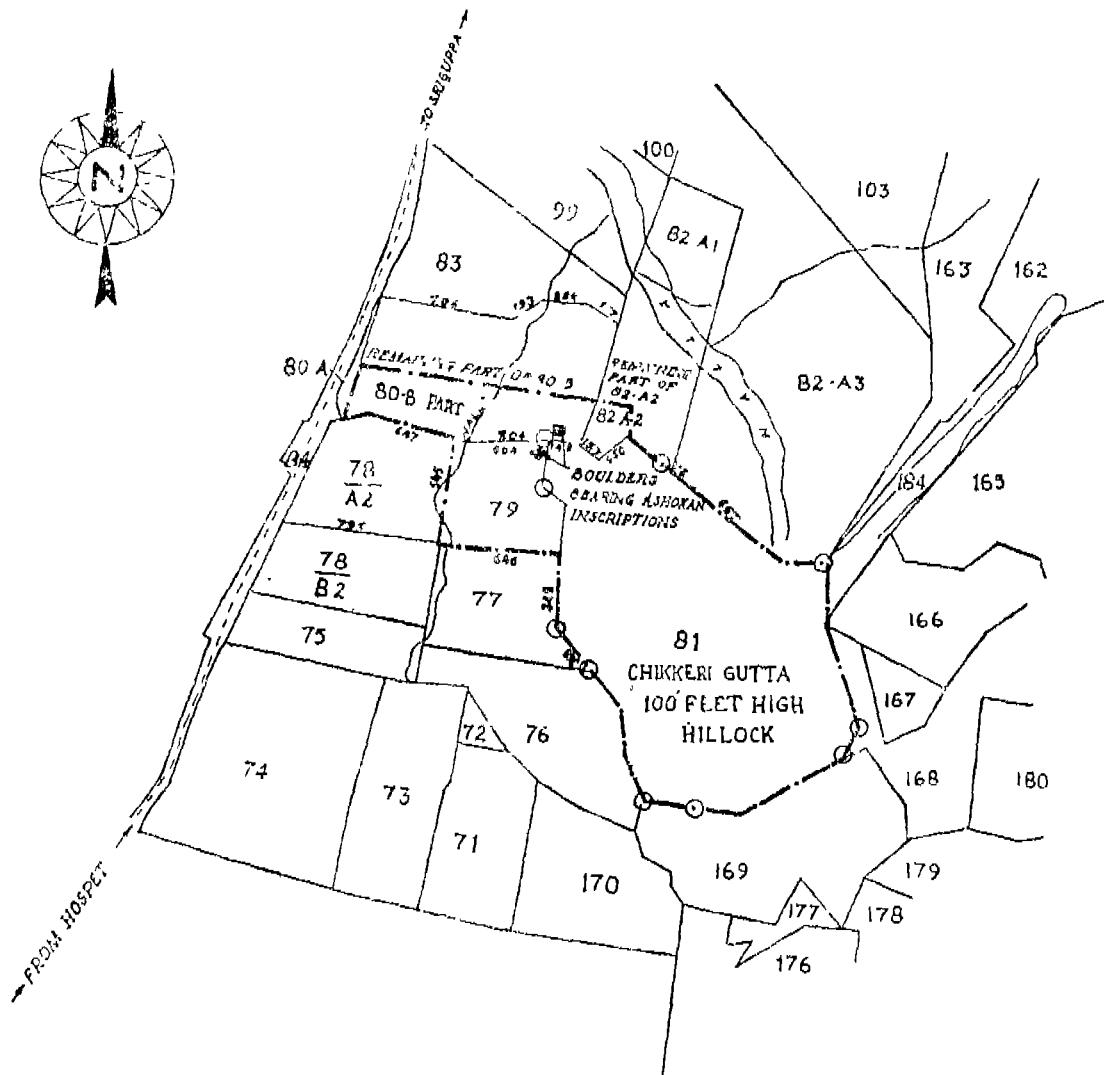
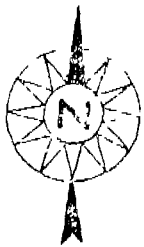
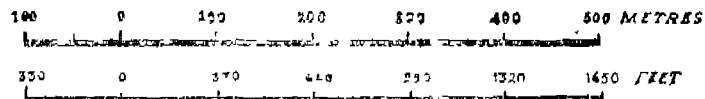
Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient monument, specified in Schedule annexed hereto, to be of national importance.

## SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument
1	2	3	4	5
Karnataka	Bellary	Siruguppa	Nitturu	Ashokan Rock Edicts together with adjacent area comprised in survey plot Nos. 79, 81 and parts of survey plot Nos. 80-B and 82-A2 as shown in the site plan reproduced below.

Revenue plot numbers included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
Survey plot Nos. 79, 81, and parts of survey plot Nos. 80-B and 82-A2, as shown in the site Plan reproduced below.	30.87 Areas	North : Survey plot No. 82-A3 and remaining portions of survey plot Nos. 80-B and 82-A2. East : Survey plot Nos. 184, 166 and 168. South : Survey plot Nos. 169 and 76. West : Survey plot Nos. 80-A 78-A2 and 77.	Survey plot No. 81 is Government owned and remaining survey plot Nos. are under private ownership.	Nil

## SITE PLAN OF VILLAGE NITTURU, TALUK SIRUGUPPA, DIST. BELLARY



AREA FOR PROTECTION

## (पुरातत्व)

का० आ० 1746.—केंद्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 19 जून, 1982 में पृष्ठ 2333-2334 पर प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की अधिसूचना सं० का० आ० 2251 तारीख 9 जून, 1982 द्वारा इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन स्थल को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दा मास की सूचना दी थी और प्राचीन तस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उक्त अधिसूचना की एक प्रति उक्त प्राचीन संस्मारक के पास एक सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी ।

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को 6 जुलाई 1982 उपलब्ध करा दी गई थी ;

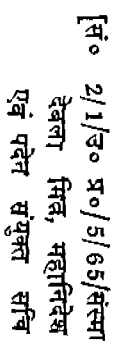
और केंद्रीय सरकार को किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन स्थल को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है ।

## अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	अवस्थान	संस्मारक का नाम
1	2	3	4	5
उत्तर प्रदेश	गाजियाबाद	दादरी	गुलिस्तानपुर	सर्वेक्षण प्लॉट संख्यांक 736, 738/2, 738/3, सर्वेक्षण प्लॉट सं० 737, 738/1 और 738/4 के भाग में समाविष्ट पुरातत्वीय स्थल और अवशेष जैसा कि नीचे पुनः प्रस्तुत स्थल रेखांक में दर्शाया गया है ।

संरक्षण के अधीन सम्मिलित किए जाने वाले सर्वेक्षण प्लॉट सं०	क्षेत्र	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणी
6	7	8	9	10
सर्वेक्षण प्लॉट सं० 736, 738/2, 738/3 सर्वेक्षण प्लॉट सं० 737, 738/1 और 738/4 के भाग, जैसा कि नीचे पुनः प्रस्तुत स्थल रेखांक में दर्शाया गया है ।	4.2 हैक्टेयर	उत्तर :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 732, 733 और सर्वेक्षण प्लॉट सं० 737 का शेष भाग पूर्व :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 735, 738, 744 और 745 दक्षिण :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 746, 752, 754 और 755 पश्चिम :—सर्वेक्षण प्लॉट सं० 738/1, 737, 773, और 738/4 के शेष भाग में सड़क ।	सर्वेक्षण प्लॉट सं० 737 और 738/4 ग्राम समाज के स्वामित्व में हैं और शेष भाग प्राइवेट स्वामित्व में हैं ।	—



## (ARCHAEOLOGY)

**S.O. 1746:**—Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) S. O. No. 2251 dated the 9th June, 1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 19th June, 1982 at pages 2333-2334, the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient site specified in the Schedule annexed to this notification to be national importance and a copy of notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient site, as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958).

And whereas the copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 6th July, 1982;

And whereas no objections from the public have been received by the Central Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the said ancient site specified in the Schedule annexed hereto to be of national importance.

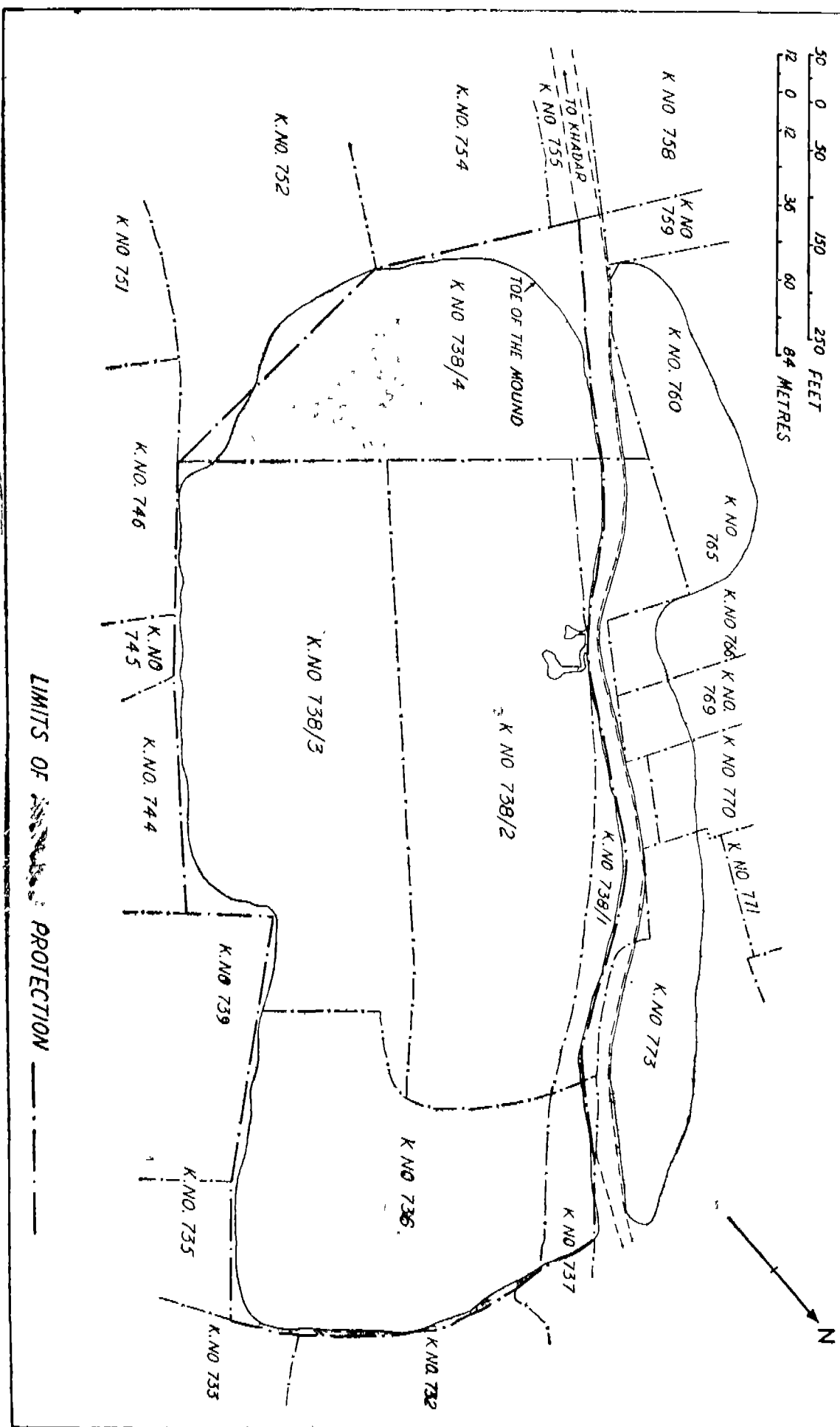
## SCHEDULE

State	District	Taluk	Locality	Name of site.
1	2	3	4	5
Uttar Praesh	Ghazia bad	Dadri	Gulistanpur	Archaeological site and remains comprised in survey plot Nos. 736, 738/2, 738/3 parts of survey plot Nos. 737, 738/1 and 738/4 as shown in the site plan reproduced below.

Revenue plot numbers included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
Survey plot Nos. 736, 738/2, 738/3, parts of survey plot Nos. 737, 738/1 and 738/4 as shown in the site-plan reproduced below.	4.2 Hectares	North : Survey plot Nos. 732, 733 and remaining portion of survey plot No. 737.  East : Survey plot No. 735, 739, 744 and 745.  South: Survey plot Nos. 746, 752 and 754 and 755.  West : Road in the remaining portions of survey plot Nos. 738/1, 737, 773 and 738/4.	Survey plot Nos 737 and 738/4 : Gram Samaj ; Remaining private.	—



## SITE PLAN OF ANCIENT MOUND GULISTANPUR, DISTRICT - GHAZIABAD (U.P)



## पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1983

का०आ० 1747 केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 13 मार्च, 1976 को भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन की अधिसूचना सं० का०आ० 1051, तारीख 20 फरवरी, 1976 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, स्तम्भ (1) में, मद (V) के सामने, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“उप सचिव, इंडियन एयरलाइन्स, नई दिल्ली” ।

[सं० ए०बी० 18012/14/82-एसी]

आर० एन० भार्गव, अवर सचिव

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th March, 1983

S.O. 1747.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. S.O. 1051, dated the 20th February, 1976, published in the Gazette of India Part II, Section 3 Sub-section (ii) dated the 13th March, 1976, namely :—

In the said notification, in the Table, against item (v) in column 1, for the existing entry the following entry shall be substituted, namely :—

“Deputy Secretary, Indian Airlines, New Delhi.”

[No. AV. 18012/14/82-AC]

R. N. BHARGAVA, Under Secy.

## नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1983

का. आ. 1748.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2), तारीख 1 जनवरी, 1983 के पृष्ठ 193 से 195 पर प्रकाशित भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 227, तारीख 20 दिसम्बर, 1983 में, पंक्ति 25 में, “1982” अंकों के स्थान पर “1983” पढ़ें ।

[फा.सं. एल.डी.जी./38/81-एल.-4]

## MINISTRY OF SHIPPING &amp; TRANSPORT

(Transport Wing)

## CORRIGENDA

New Delhi, the 25th March, 1983

S.O. 1748.—In the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. S.O. 227 dated the 20th December, 1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 1st January, 1983 at pages 195-196 in the 25th line, for the figures ‘1982’ read ‘1983’

[F. No. LDG/36/81-L.IV]

का. आ. 1749 :—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2), तारीख 22 जनवरी, 1983 के पृष्ठ 499 पर प्रकाशित भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 457, तारीख 1 जनवरी, 1983 में पंक्ति 9 में “182 के पृष्ठ पर” के स्थान पर “1982 के पृष्ठ 1979 पर” पढ़ें ।

[फा. सं. एल डी सी/93/81-एल 4]

S.O. 1749.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport S.O. 457 dated the 1st January, 1983 published in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 22nd January, 1983 at page 499, in line 7, for the figures ‘1970’ read ‘1979’.

[F. No. LDC/93/81-L.IV]

का. आ. 1750 :—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2), तारीख 1 जनवरी, 1983 के पृष्ठ 190 से 193 पर प्रकाशित भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. 226, तारीख 18-12-1982 में :—

(1) पंक्ति 13 में “27 जनवरी, 1982” अंकों और शब्दों के स्थान पर “7 जून, 1982” पढ़ें ।

(2) पंक्ति 24 में, “1982”, अंकों के स्थान पर “1983” पढ़ें ।

[फा.सं. एल.डी.जी./19/81-एल (4)]

वी. शंकरलिंगम्, उप-सचिव

S.O. 1750.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. 226 dated the 18-12-1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 1st January, 1983 at pages 190—193 :—

(i) in line 14, for the words and figures “27th January, 1982”, read “7th June, 1982”.

(ii) in line 25, for the figures “1982”, read “1983”.

[F. No. LDK/19/81-L.IV]

V. SANKARALINGAM, Dy. Secy.

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

## आदेश

नई दिल्ली, 19 मार्च 1983

क्र० आ० 1751. फिल्म सलाहकार बोर्ड के कार्यकरण से संबंधित विनियमों के नियम 14(ख) के उपबन्धा के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तर सहित, जिसका विवरण उसके समाने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है—

## अनुसूची

क्र० सं०	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	मेरे सपनों का भारत	528.33	डा० प्रतिभा कुमारी सिंह मा श्री कर्णी फिल्मस प्रा० लि० पिंटोविल्ले 11 वां तल, एस० के० भोले रोड, (दादर पश्चिम) बम्बई-400028) ।		डाकुमेंट्री फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।

[फाइल संख्या 314(26)/81-एफ(पी)]

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

## ORDER

New Delhi, the 19th March, 1983

S.O. 1751—In exercise of the powers vested under the provisions of Rule 14(b) of the Rules relating to the working of the Film Advisory Board, the Central Government hereby approves film specified in column 2 of [the] Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said schedule:

## SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length of the film in mtrs.	Name of the applicant	Name of the producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purposes or a film dealing with news, current events, documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	Mere Sapnon Ka Bharat	528.33	Dr. Pratibha Kumari Singh, Ma Shree Karni Films Pvt. Ltd., Pintoville, 11th Floor, S.K. Bole Road, (Dadar West) Bombay-400 028.		Documentary for general release

[File No. 314(26)/81-F(P)]

## आदेश

का०प्रा० 1752—फिल्म-सलाहकार बोर्ड के कार्यकरण से संबंधित विनियमों के नियम 14(ख) के उपबन्धों के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 दिया हुआ है, स्वीकृत करती है:—

## अनुसूची

क्रम० सं० फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)	आवेषक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1775 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1775 (क्षेत्रीय पश्चिम)	257	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार बम्बई-26	24 पैडर रोड,	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । क्रमशः सामान्य और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिये ।	
2. भारतीय समाचार संख्या 1776 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1776 (क्षेत्रीय उत्तर)	279		तथैव	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । क्रमशः सामान्य और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिए ।	
3. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1777 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1777 (क्षेत्रीय पूर्व)	258		तथैव		तथैव
4. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1778 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1778 (क्षेत्रीय दक्षिण)	286		तथैव		तथैव
5. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1779	303		तथैव	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । सामान्य प्रदर्शन के लिए ।	
6. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1780	166		तथैव		तथैव
7. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1781 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1781 (क्षेत्रीय पश्चिम)	244		तथैव	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । क्रमशः सामान्य और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिए ।	
8. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1782 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1782 (क्षेत्रीय उत्तर)	229		तथैव	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म । क्रमशः सामान्य और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिए ।	
9. भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1782-क	134		तथैव	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म/सामान्य प्रदर्शन के लिए ।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
10.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1783 और भारतीय समीक्षा संख्या 1783 (क्षेत्रीय पूर्व)	292	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, पीडर रोड, बम्बई-26		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। कवश : सामान्य और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिए
11.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1784 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1784 (क्षेत्रीय दक्षिण)	301	तदैव		तदैव
12.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1785 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1785 (क्षेत्रीय पश्चिम)	271	तदैव		तदैव
13.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1786 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1786 (क्षेत्रीय उत्तर)	280	तदैव		तदैव
14.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1787 और भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1787 (क्षेत्रीय पूर्व)	278	तदैव		तदैव
15.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1788	279	तदैव		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए।
16.	भारतीय समाचार समीक्षा (एशियाड-82 समाचार विशेष संख्या 1)	591	तदैव		तदैव
17.	भारतीय समाचार समीक्षा (एशियाड-82 समाचार विशेष संख्या-2)	608	तदैव		तदैव
18.	भारतीय समाचार समीक्षा (एशियाड-82 समाचार विशेष संख्या 3)	606	तदैव		तदैव
19.	भारतीय समाचार समीक्षा (एशियाड-82 समाचार विशेष संख्या 4)	602	तदैव		तदैव
20.	भारतीय समाचार समीक्षा (एशियाड-82 समाचार विशेष संख्या-5)	602	तदैव		तदैव

## ORDER

S.O. 1752.—In exercise of the powers vested under the provisions of Rule 14(b) of the Regulations relating to the working of the Film Advisory Board, the Central Government hereby approves films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their languages version to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule :

## SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of applicant	Name of the producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purposes or a film dealing with news, current events and documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	INR 1775 & INR 1775 (Regional West)	257	Films Division, Government of India, 24-Peddar Road, Bombay-26		News and current events. General and regional release respectively
2.	INR 1776 & INR 1776 (Regional North)	274	-do-		-do-
3.	INR 1777 & INR 1777 (Regional East)	258	-do-		-do-
4.	INR 1778 & INR 1778 (Regional South)	286	-do-		-do-
5.	INR 1779	303	-do-		News and current events. General release.
6.	INR 1780	166	-do-		-do-
7.	INR 1781 & INR 1781 (Regional West)	244	-do-		News and current events. General and regional release respectively.
8.	INR 1782 & INR 1782 (Regional North)	229	-do-		-do-
9.	INR 1782-A	134	-do-		News and current events. General release.
10.	INR 1783 & INR 1783 (Regional East)	292	-do-		News and current events. General and regional release respectively.
11.	INR 1784 & INR 1784 (Regional South)	301	-do-		-do-
12.	INR 1785 & INR 1785 (Regional West)	271	-do-		-do-
13.	INR 1786 & INR 1786 (Regional North)	280	-do-		-do-
14.	INR 1787 & INR 1787 (Regional East)	278	-do-		-do-

1	2	3	4	5	6
15. INR 1788		279	Films Division, Government of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		News and current events, General release.
16. INR (Asiad-82 News special No. 1)		591	-do-		-do-
17. INR (Asiad-82 News Special No. 2)		608	-do-		-do-
18. INR (Asiad-82 News Special No. 3)		606	-do-		-do-
19. INR (Asiad-82 News Special No. 4)		602	-do-		-do-
20. INR (Asiad-82 News Special No. 5)		602	-do-		-do-

[File No. 315/1/83-F (P)]  
SUKUMAR MANDAL, Desk Officer

### श्रम तथा पुनर्वासि मंत्रालय

(श्रम विभाग)

#### आदेश

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1983

का० प्रा० 1753 भारत सरकार, में तत्कालीन श्रम, रोजगार तथा पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम तथा रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या कानूनी आदेश 2747 दिनांक 6 सितम्बर, 1966 द्वारा गठित औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री के० के० दुबे को 21 फरवरी, 1983 से उक्त औद्योगिक अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[स० एस-11020/5/81-डी-1(ए)(i)]

### MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

#### ORDER

New Delhi, the 15th March, 1983

S.O. 1753.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Industrial Tribunal, Jabalpur constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2747 dated the 6th September, 1966;

Now therefore, in pursuance of the provisions of section 9 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri K. K. Dube, as the Presiding Officer of the said Industrial Tribunal with effect from the 21st February, 1983.

[No. S. 11020/5/81-D.I(A)(i)]

### आदेश

का. आ. 1754.—भारत सरकार में तत्कालीन श्रम, रोजगार तथा पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम तथा रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या सा. का. 441 दिनांक 29 जनवरी, 1966 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, जबलपुर के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक स्थान रिक्त हो गया है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री के० के० दुबे को 21 फरवरी, 1983 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. एस-11020/5/81-डी-1 (ए) (2)]

एल. के. नारायणन, अवर सचिव

#### ORDER

S.O. 1754.—Whereas a vacancy has occurred in the Office of the Presiding Officer of the Labour Court, Jabalpur constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 441 dated the 29th January, 1965;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri K. K. Dube as the Presiding Officer of the said Labour Court with effect from the 21st February, 1983.

[No. S-11020/5/81-D I(A)(ii)]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1983

का० प्रा० 1755.—केन्द्रीय सरकार, बन्धित श्रम पद्धति (उत्पादन) अधिनियम, 1976 (1976 का 19) की धारा 26 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बन्धित श्रम पद्धति

(उत्सादन) नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बन्धित श्रम पद्धति (उत्सादन) (संशोधन) नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. बन्धित श्रम पद्धति (उत्सादन) नियम, 1976 में :—

(क) नियम 3 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) धारा 13 की उपधारा (2) के खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अधीन नाम निर्देशित जिला सतर्कता समिति का प्रत्येक सदस्य उस तारीख से जिसको उसका नाम-निर्देशन राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है, दो वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा और उक्त अवधि की समाप्ति पर भी तक तक अपने पद पर बना रहेगा जब तक कि उसका उत्तराधिकारी नाम-निर्देशित नहीं कर दिया जाता है और वह पुनः नाम-निर्देशन का भी पात्र होगा।”

(ख) नियम (4) के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) धारा 13 की उपधारा (3) के खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अधीन नामनिर्देशित उपमण्डल सतर्कता समिति का प्रत्येक सदस्य, उस तारीख से, जिसको उसका नामनिर्देशन राजपत्र में अधिसूचित किया जाता है, दो वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा और उक्त अवधि की समाप्ति पर भी तक तक अपने पद पर बना रहेगा, जब तक कि उसका उत्तराधिकारी नामनिर्देशित नहीं कर दिया जाता है और वह पुनः नामनिर्देशन का भी पात्र होगा।”

[सं० यू-11016/5/82 बी०एल०/वायूयूम II]

जगदीश जोशी, निदेशक

New Delhi, the 12th March, 1983

**S.O. 1755.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 26 of the Bonded Labour System (Abolition) Act, 1976 (19 of 1976), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Bonded Labour System (Abolition) Rules 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Bonded Labour System (Abolition) (Amendment) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Bonded Labour System (Abolition) Rules 1976,—

(a) for sub-rule (1) of rule 3, the following shall be substituted, namely :—

“(1) Every member of a District Vigilance Committee, nominated under clauses (b), (c), (d) and (e) of sub-section 2 of section 13 shall hold office for a period of two years from the date on which his nomination is notified in the Official Gazette and shall, on the expiry of the said period, continue to hold office until his successor is nominated and shall also be eligible for re-nomination.”

(b) for sub-rule (1) of rule 4, the following shall be substituted, namely :—

“(1) Every member of a Sub-Divisional Vigilance Committee, nominated under clauses (b), (c), (d) and (e) of sub-section (3) of section 13 shall hold office for a period of two years from the date on which his nomination is notified in the Official Gazette and shall, on the expiry of the said period, continue to hold office until his successor is nominated and shall also be eligible for re-nomination.”

[No. U-11016/5/81-BL-Vol.II]  
JAGDISH JOSHI, Director.

New Delhi, the 18th March, 1983

**S.O. 1756.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Birsinghpur Colliery, WCL, District Shahdol (MP) and their workmen, which received by the Central Government on the 16th March, 1983.

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE (RETD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(30)/1981

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Birsinghpur Colliery, Western Coalfields Ltd., P.O. Birsinghpur, District Shahdol (M.P.),

AND

Their workman represented through the Johilla Colliery Mazdoor Sangh, P.O. Birsinghpur, District Shahdol (M.P.).

APPEARANCES :

For workman—Shri G. C. Jaiswal, General Secretary.

For management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal.

DISTRICT : Shahdol (M.P.).

AWARD

Dated, March 10, 1983

On a dispute having arisen between the workman of Birsinghpur Colliery of M/s. Western Coalfields Limited and the management of the same was referred for adjudication under Section 10 of the Industrial Disputes Act by Notification No L-22011(15)/79-D.IV(B) dated 4th August, 1981.

2. The workman claims that to start with he was employed in a make shift arrangement. However, later on he was given a regular appointment. He was first given the work at pits-mouth as an Incline Clerk/Time Keeper. This job required noting down the names of the persons coming in and going out the pit in a register kept in Form 'C'. The signatures of such persons were also taken in the register. This work was withdrawn from him and he was posted as a Coal Issue Clerk which work necessitated supervising



wagon loading and issuing wage cards to the workmen of the Colliery. From July 1976 he is performing the duties of a Coal Issue Clerk which involve preparation of coal issue cards to the workers for issuing coal to them for their domestic use; keeping records of such cards and quantity of coal issued to the workers after for formality of the signatures being appended to the prescribed cards in this regard. The workman claims that the work taken from him is of a superior nature than the mazdoor's work. The work that is being taken from him is of Gr. II Clerk. It is also stated by him that the minimum qualification of having passed matriculation is not needed for the job of Gr. II or Gr. III Clerks. He has pointed out several instances where non-matriculates are posted in the Colliery as Clerks of Gr. II and Gr. III.

3. The management has totally denied the claim of the workman. Their stand is that a minimum qualification for the post of a clerk is necessary. He must possess a qualification of having passed the matriculation examination. Since the workman, Mohanlal Seoharay is a non-matriculate he could not be posted as a Clerk. Their alternative case is that the applicant was appointed as a Mazdoor and he could only be appointed as a Clerk if he was promoted. There is no order promoting him as a Clerk. It is also submitted that the workman cannot be promoted since he does not fulfil the requisite minimum qualification. As already stated the workman raised this dispute and the Central Government under Section 10 of the Industrial Disputes Act has referred the following dispute, for adjudication:—

"Whether the management of Birsinghpur Colliery of M/s. WCL, Shahdol is justified in utilising the service of Shri Mohan Lal Seoharay, Cat. I Mazdoor on different higher grade clerical jobs by paying the difference of Cat. II wages only? If not, what should be the designation and grade-category of the workman and from what date?"

4. Though in their statement the management have pleaded that the workman was not doing the work of a coal Issue Clerk yet they have led no evidence to prove their case.

5. Workman has examined himself and produced two co-workers of their Colliery. He relies on documentary evidence which is not challenged by the management. It would appear from the evidence of Chandra Singh (W.W. 2), Mohan Lal (W.W. 1) and T. P. Mishra (W.W. 3) that the workman Mohan Lal Seoharay at the relevant time was doing the work of issuing coal and maintaining register for such issuances. Mohan Lal's evidence which has not been rebutted goes to show that in 1974 he was asked to maintain Form 'C' Register and Attendance Cards. This duty he performed till May/June, 1976. Thereafter when the pit was closed he was asked to do the duties of a coal issuing Clerk. He has given in detail the procedure as to how coal was issued by him. He was first required to make entry in cards supplied by the management to the labourers, the quantity of coal brought by them from the mine, the workmen were required to make an application to the Labour Welfare Officer for the issue of a coal to them. On the application, the Labour Welfare Officer would order issuance of coal to the labourers. The labourers then carried the coal from the mine to the coal issuing Clerk who made a note in the cards about the coal taken by the labourers. A register is maintained by the Coal Issuing Clerk about the coal issued. The Coal Issue Clerk is provided with a separate table and a chair.

6. Exts. W/1 to W/34 are all such applications for issuance of coal duly endorsed by the Labour Welfare Officer on which coal have been issued by Mohan Lal. Some sample cards Ex. W/38 to W/44 are also filed on which this entry about issuance of coal is made. Evidence leaves no manner of doubt about the duties performed by Mohan Lal. It is fully established that he was vested with the duties of issuing coal to the workmen and keeping records of the same as stated above.

7. For doing this type of work it does not appear that a very high qualification was needed. The workman is passed Seventh Standard Examination. That is to say he can write fluently in Hindi and English and read & write English and Hindi in a modest way. He can also with this education

maintain the register. There does not seem to be any substance in the management's contention that the job required a minimum qualification of a matriculate. I, therefore, hold that Birsinghpur Colliery management was utilising the services of Mohan Lal Seoharay Cat. I Mazdoor on the post where he was required to issue coal and kept records of the same. This post was commonly known as that of a Coal Issue Clerk. The workman was not asked to do any other duty except that of Coal Issuing Clerk in July 1976.

8. According to the report of the Central Wage Board for the Coal Mining Industry the clerical staff have been graded into Gr. I, Gr. II and Gr. III. A clerk who is issuing stores would fall in Grade III. This would be clear from Appendix VI at page 54 of the Wage Board Report, Vol. II published by the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment). The Coal Issue Clerk would fall under this categorization of the Wage Board Report. I do not agree with the workman that the duties of issuing coal would fall in Gr. II of the clerical staff. But I am of the view that the management had been taking work from the workman of Clerical Gr. III. I answer this issue accordingly.

9. It is easy to see that there is a difference in the nature of duties of a mazdoor and those of a clerk. The duties of a clerk are of superior nature than that of a mazdoor and carried more responsibilities. This distinction is also made in the Report of the Central Wage Board for Coal Mining Industry. The management was, therefore, not justified in not giving the mazdoor workman wages payable to a clerk when he was actually doing the work of a clerk. There is no substance in the plea that the post of a clerk would be a promotion post and unless he was promoted he could not be given the wages of a clerk. When the management was taking work of a clerk consistently for a number of years the workman ought to be paid the wages of a clerk notwithstanding the fact that the workman was initially appointed as a mazdoor and there is no specific order promoting him as a clerk. The workman's evidence discloses that till 1978 he was not a regular mazdoor and was working as a badli worker. In case of a badli worker he would get the emoluments payable to the worker on the job. His claim for the wages of a clerk before that must fail. It is only after he had been regularised as a general mazdoor that he can lay his claim to the wages of a clerk. Then the workman here would be entitled to wages of a clerk with effect from the date from which he had been regularised as a general mazdoor. I would direct that the workman be paid wages of a clerk Gr. III from the date he has been regularised which date would be sometimes in the year 1978 as deposed by the workman.

10. In the view I have taken that the workman will not be entitled to the wages of a clerk prior to his being regularised as a general mazdoor, it is not necessary to consider his entitlement when he was working at the Incline Pit and maintaining 'C' Form Register.

11. The work of a coal Issue Clerk which the workman was performing would fit in the classification of a Store Issue Clerk which is the Gr. III Clerk in the Report of the Central Wage Board for Coal Mining Industry, Vol. II page 54. The duties of a Coal Issue Clerk would be that of any Store Issue Clerk in a Coal Mine and I do not think that any higher grade could be given to such a clerk. In any case, there is no evidence that he has greater responsibilities to discharge than the Store Issue Clerk or an Oil Issue Clerk of a mine. His grade, therefore, would be of the same nature. I would accordingly answer the later part of the question by saying that the post on which the workman is discharging his duties must be designated as a Coal Issue Clerk and it would be equated with Grade III Clerk. As regards the date from which he would be entitled to the emoluments of Gr. III Clerk it would be from the date from which he had been regularised as a General Mazdoor. He is also entitled to the difference of pay between the wages of a General Mazdoor and Grade III Clerk from that date. In the circumstances of the case, the workman is also entitled to Rs. 50 as costs of these proceedings.

I give my award accordingly.

K. K. DUBE, Presiding Officer  
[No. L-22011(15)/79-D.IV(B)]  
S. S. MEHTA, Desk Officer

### आवेदन

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1983

का. आ. 1757 :—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाय अन्तर्गत् में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धन से सम्बद्ध एक औद्योगिक विवाद नियोक्ता और उनके कर्मचारियों के बीच विद्यमान है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, केन्द्रीय सरकार ; औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी. अरुलराज होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

### अनुसूची

“क्या मदुराई स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम के कार्यालय में रिकार्ड लिपिक के रूप में कार्यरत श्री एम. सोमासेकरन की यह मांग न्यायोचित है कि लम्बी अवधि तक भारमोशन टेलीफोन आपरेटर के रूप में उसे कार्य करते रहने की दृष्टि से उसे टेलीफोन आपरेटर के रूप में आर्सेलित किया जाए ? यदि हाँ, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?”

[संख्या एल-17012/8/82-डी-4 (ए)]

टी. बी. सीतारामन्, डेस्क अधिकारी

### ORDER

New Delhi, the 11th January, 1983

S.O. 1757.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Arulraj, shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

### SCHEDULE

“Whether the demand of Shri M. Somasekaran, working as Record Clerk in the Office of Life Insurance Corporation of India at Madurai for his being absorbed as a Telephone Operator in view of his functioning as relieving Telephone Operator for a long time, is justified ? If so, to what relief is the workman concerned entitled ?”

[No. L-17012/8/82/D. IV(A)]

T. B. SITARAMAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1983

का. आ. 1758 :—यससं जेठा एण्ड सन्स, 22/5, हाद-पसार इण्डस्ट्रियल एस्टेट, पुना-13, (महाराष्ट्र/17637), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रगती उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहृदय बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें वनूजये हैं ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाय अन्तर्गत् में विनिर्दिष्ट बातों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आश्रित उत्तर प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूल बातों का अनुवाद, स्थापन की सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि

की जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना धृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्ययक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम-निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/55/83-पी. एफ.-2]

New Delhi, the 16th March, 1983

S.O. 1758.—Whereas Messrs Jaitha & Sons, 22/5, Hadapsar Industrial Estate, Pune-13 (MH/17637) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject

to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment

shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S-35014(55)/83-PF. II]

का. आ. 1759 :—मैसर्स पालिवाल आयरन फौण्ड्री एण्ड मेटल वर्क्स, राम बाग, हाथरस रोड, आगरा-6 (उ.प्र./3237) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उप-धारा (2-क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उहे अनुज्ञेय हैं ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त उत्तर प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बह्वन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुबाध, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है, जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधायक वारिस/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी गति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधायक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काार नाम-निर्देशितियों/विधायक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

[संख्या एस-35014/44/83-पी.एफ.-2]

S.O. 1759.—Whereas Messrs Paliwal Iron Foundry and Metal Works, Ram Bagh, Hathras Road, Agra-6 (UP/3237) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No S-35014(44)/83-PF III]

का०आ० 1760—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एसोसिएट टी ब्लेण्डर्स, सेल टी बेयरहाउस 14, गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-700024 और इसका पंजीकृत कार्यालय, 42, हिंदाराम बनर्जी लेन, कलकत्ता-700012 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35017/19/83—पी०एफ० 2]

S.O. 1760.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Associate Tea Blenders, Sale Tea Ware House, 14, Garden Reach Road, Calcutta-700024 including its Regd. Office at 42, Hidaram Banerjee Lane, Calcutta-700012, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said act to the said establishment.

[No. S-35017(19)/83-PF. III]

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1983

का०आ० 1761.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 1380 तारीख 26 मार्च, 1982 के अनुक्रम में, उससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्थापनों के जो भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के हैं, नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली अक्टूबर, 1982 से 30 सितम्बर, 1983 तक, जिसमें यह तारीख सम्मिलित है, की और अबधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जाएंगे।

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी, उक्त अधिनियम के अधीन ऐसे फायदे प्राप्त करते रहेंगे,

जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संवत् अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;

- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों, तो वे वापस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;
- (5) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या नियम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी:—

- (1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
- (2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या
- (3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बने हुए हैं या नहीं, या
- (4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा:—

- (क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी

उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संवाय से सम्बन्धित ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने के, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

- (ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, उसके अभिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

- (घ) ऐसे कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखा-बही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

#### अनुसूची

क्रमांक	कारखाने का नाम
1.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, कर्मशाला, जयपुर ।
2.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेन्टर, जोधपुर
3.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेन्टर, बिजयवाड़ा
4.	लघु उद्योग सेवा संस्थान से सम्बद्ध मशीन शाप एवं टूल रूम, कलकत्ता
5.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेन्टर, कोयम्बतूर
6.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेन्टर, मदुरै
7.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, लैडर फिनिशिंग सेन्टर, ई रोड
8.	केन्द्रीय कर्मशाला, लघु उद्योग सेवा यूनिट, गिड़ी, मद्रास
9.	लघु उद्योग सेवा संस्थान, एक्सटेंशन सेन्टर, सनत नगर, हैदराबाद

[सं० एस० 38014/35/82—एच० आई०]

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में भूतलक्षी प्रभाव से छूट देना आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए आवेदन-पत्र पर कार्यवाही करने में समय लगा, तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि भूतलक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

New Delhi, the 18th March, 1983

S.O. 1761.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1380 dated the 26th March, 1982, the Central Government hereby exempts the regular employees of the establishments specified in the Schedule annexed hereto,

belonging to the Government of India in the Ministry of Industry, from the operation of the said Act for a further period from the 1st October, 1982 upto and inclusive of the 30th September, 1983

The above exemption is subject to the following conditions, namely —

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under subsection (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
  - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
  - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
  - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
  - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
    - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
    - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
    - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
    - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

#### SCHEDULE

S No	Name of the factory
1	Small Industries Service Institute Workshop, Jaipur.

2	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Jodhpur.
3.	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Vijayawada
4	Machine Shop-cum-Tool Room, attached to Small Industries Services Institute, Calcutta
5	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Coimbatore.
6	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Madurai
7	Small Industries Service Institute, Leather Finishing Centre, Erode
8	Central Workshop Small Industries, Service Unit, Guindy, Madras
9	Small Industries Service Institute, Extension Centre, Sanat Nagar, Hyderabad

[No S-38014/35/82-HI]

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemptions with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1983

का०प्रा० 1762.—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि कृषि मंत्रालय के अधीन मैसर्स लोकस्ट बार्निंग ऑर्गेनाइजेशन, जोधपुर के कर्मचारी अन्यथा उन प्रसुविधाओं को प्राप्त कर रहे हैं जो भारत कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन उपबन्धित प्रसुविधाओं के समान हैं,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 91-क के साथ पठित धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श करने के पश्चात् उपरोक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 1 जनवरी, 1977 से 30 सितम्बर, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए छूट देती है।

2 उपरोक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात्—

- (1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की वास्तव जिसके दौरान वह कारखाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्रश्न में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की वास्तव देनी थी,

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की वाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रसुविधाओं को जो ऐसी प्रसुविधाएं हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा—

(क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे; या

(ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिभोग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह ओक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और गजदूरी के संदाय से सम्बन्धित ऐसे लेखा, बहियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे, जो वह आवश्यक समझे; या

(ग) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक की, उसके अधिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास

यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखा, बही या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[संख्या एस० 38014/16/81—एच०आई०]

ए० के० भट्टारार्ई, अवर सचिव

#### व्याख्यात्मक श्रापण

इस मामले में भूतलक्षी प्रभाव से छूट देना आवश्यक हो गया है, क्योंकि छूट की मंजूरी के लिए प्रार्थना-पत्र देर से प्राप्त हुआ। फिर भी यह प्रमाणित किया जाता है कि इस छूट की भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 19th March, 1983

S.O. 1762.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the M/s. Locust Warning Organisation, Ludhpur under the Ministry of Agriculture are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 read with section 91-A of the said act, the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned factory from the operation of the said Act for a period with effect from 1st January, 1977 upto and inclusive of the 30th September 1983.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or



- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person when the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014(16)/81-HI]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

**EXPLANATORY MEMORANDUM**

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

New Delhi, the 18th March, 1983

S.O. 1763.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. II, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Grindlays Bank Limited, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th March, 1983

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY**

Reference No. CGIT-2 '30 of 1982

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of Grindlays Bank Limited

**AND**

Their workmen

**APPEARANCES :**

For the Employers—Shri F. N. Kaka, Advocate. 2. Miss Moshni Andhyarujina, Advocate.

For the workmen—Shri P. N. Subramanyan, General Secretary, All India Grindlays Bank Employees' Federation.

**INDUSTRY** - Banking**STATE** - Maharashtra

Bombay, the 22nd February, 1983

**AWARD PART I**

(Dictated in the Open Court)

By their order No. L-12012(402)/81-D.II(A), dated 28th May, 1982 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

Whether the action of the management of Grindlays Bank Limited, Bombay in relation to their Cochin Branch in dismissing from service Shri N. P. Pai with effect from 4-11-81 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. As the reference stands the dispute has arisen because of enquiry against Special Assistant and the resultant order of dismissal passed by the competent authority based on the Enquiry Officer's finding holding all the charges, three in number duly proved, with which finding the competent authority on giving opportunity to the workman concerned to put forth his version, concurred and passed suitable order.

3. The charges which have given rise to the present proceedings stood as follows :—

- (1) Wilful slowing down in the performance of work in terms of sub-para (g) of paragraph 19.5 of the Bipartite Settlement dated 19-10-1966.
- (2) Doing any act prejudicial to the interests of the Bank in terms of sub-para (j) of Paragraph 19.5 of the Bipartite Settlement dated 19-10-1966.
- (3) Wilful insubordination in terms of sub-para (e) of paragraph 19.5 of the Bipartite Settlement dated 19.10.1966."

The incident giving rise to the same is alleged to have occurred on 28-11-1980 when according to the Respondent Bank the Special Assistant checked and removed from the Current Account Leger No. 11 only 31 vouchers out of 152 vouchers for amounts upto Rs. 5000 received on that day and thereby wilfully failed to complete his duties as Special Assistant. It was further alleged that the vouchers that were not checked and removed by the Special Assistant included a cheque No. 753765 drawn by Thoshiba Anand Batteries Ltd., for Rs. 426.40, against which stop payment instructions had been received and failure to complete the duties by the Special Assistant might have resulted in a loss to the Bank had it not been for the Officer of the Department who detected and stopped the payment of cheque at 5 P.M. on the very day and took corrective action. It is further alleged that on the next day when the Special Assistant was a costed in this connection he behaved in a rude manner and gave arrogant replies and said "You may do whatever you want. Please issue a chargesheet to me and enclose a copy to the Regional Director if you like". These incidents as already stated led to the charges namely firstly wilful slowing down in the performance of work secondly doing any act prejudicial to the interest of the Bank and thirdly wilful insubordination and since it amounted to according to the Bank to gross misconduct as defined under Clause 19.5 of the Bipartite Settlement of 1966, the enquiry was ordered and on its conclusion the order of dismissal arose.

4. The statement of claim filed by the Union in support of various contentions runs into several pages the gist of which atleast for the present purpose would be that the charge was defective rendering the whole enquiry also defective, the norms were not quoted as a result of which the workman or the Union representing the workman could not have defended properly, unmindful of the request to produce Stop Payment Cheques Return Register/Book as evidence in the enquiry the Enquiry Officer turned down this request as a result of which defence was hampered and the relevant material was not forthcoming. Regarding the third charge it is stated that it does not amount to insubordination and therefore cannot amount to misconduct and the finding in this effect is also not established.

5. In reply the Bank has refuted all these allegations and has defended the legality and validity of the enquiry and the result emanating therefrom and they fully justify the final order of dismissal passed against the workman.

6. There is allegation that because the workman took active part in the union activities action was taken against him. I find no force therein no the contrary there is great force in the contention of the Bank that as a Union official it was the duty of the Special Assistant to set example before other employees. However so far as this aspect of the case is concerned the objectionable conduct of the employee even

If there be any vis-a-vis Bank would not be a subject matter arising out of the reference unless it amounts to a misconduct. I find that the Special Assistant is a queer cadre who carries weighty pay packet at the close of the month but still retains all the characteristics of a workman. Therefore though it is the experience that the officers are not mindful of working beyond the working hours, a special assistant being still a workman may decide to leave the office at the stroke of 5 P.M. unwindful of whether the table is littered with the work or not but though one may resent such action or conduct on the part of the workman, yet unless it is proved to be a misconduct whether gross or otherwise, no action can lie. It is true that, it is a common experience that additional payment instead of improving the discipline has created unsatiated demand for additional wages, but here again it is a subject matter which cannot be considered within the four corners of the present reference.

7. The only question therefore to be determined is whether the enquiry was defective and whether because opportunity to defend was denied to the workman, it created in roads on the validity of the enquiry. Even if the answer is in the affirmative it would not bring the matter to an end but the Bank still will be eligible to prove the charges before the Tribunal as laid down in *Firstone case* reported in 1973(1), LLJ, page 278.

8. To contend that the charges are defective, the main ground alleged on behalf of the Union is that when the indictment was of wilful go slow as defined in para 19.5 of the Bipartite Settlement, the Bank had failed to lay down the norms neither which are expected of a Special Assistant, without which norms neither the Enquiry Officer who conducted the enquiry nor the Tribunal can conclude that the work put in by a particular Special Assistant was normal or below the normal, without which it cannot give rise to the conclusion of wilful slowing down. In this connection it is pertinent to note that when under para 19.5(e) wilful slowing down in performance of work is described to be a gross-misconduct, which may invoke the punishment including that of dismissal, under para. 19.7 neglect of work, negligence in performing duties in Clause (c) have been described as minor misconduct invoking naturally minor punishment. When therefore the Bank is imputing wilful slowing down in performance of work, having regard to the two different types of misconducts under para 19.5 and 19.7 namely gross-misconduct and minor misconduct, resulting in two types of punishments one of major nature and another minor, something more than neglect of work or negligence in performing duties is necessary, to give rise to the inference of wilful slowing down in the performance of duties.

9. In this connection while attacking the very charge which is foundation of the whole enquiry my attention has been drawn to a Division Bench of Bombay High Court Decision in *Firestone Tyre and Rubber Company Ltd. Vs. Biakh*, reported in 1954, (1) LLJ, page 281 where their Lordships at page 284 have discussed particulars of such type of charge which must form part of the charge to enable the workman to defend properly. There as here charge of go slow under para 19.12(a) it has been laid down that an employee against whom disciplinary action is proposed or likely to be taken shall be given a charge-sheet clearly setting forth the circumstances appearing against him etc. All the particulars therefore which in the opinion of the employer were, against a particular workman which led to the conclusion of gross-misconduct are essentially to be embodied so that the defence does not suffer from infirmities. At page 284 of the said ruling their Lordships observed—

"The whole object of furnishing a chargesheet is to given an opportunity to the person who is charged with misconduct to give an explanation and to defend himself."

It was further observed that it is not sufficient for the employer company to tell its employee that he was wilfully slowing down the performance of his work which may not convey anything at all to the employee. It is also stated, it is incumbent upon the employer under the standing orders to

give him sufficient particulars which would enable him to give a proper explanation. The chargesheet was similar to the present one and therefore it was observed—

"What is the employee to understand by this charge-sheet? He does not know what days he slowed down; what is nor that the employer expects; how he has fallen below that norm."

When therefore anybody is to be accused of wilful slowing down, it would not be sufficient for the employer to state that 152 vouchers for amounts upto Rs. 5000 remained unattended or only 31 vouchers were attended but when all inference is to be drawn of wilful slowing down, further material is expected namely what were the norms in this regard expected of a Special Assistant. I have already pointed out that a Special Assistant because he retains all the characteristics of a workman, was not expected to work after 5 P.M. unless overtime is given. Whether it is a proper attitude or not is not the subject matter of the present reference and howsoever wrong may be the action on the part of a particular Special Assistant, who carries special pay packet an issue still remains what were norms that were expected and without such norms what the defence says it would hamstring the defence carries sufficient force.

10. All along the defence representative of the workman during the enquiry was harping on this aspect. Of course the enquiry seems to be running into pages after pages, but if inspite of time consumed if the defect has remained, then even if otherwise the enquiry was thorough, if the defect is incurable it has its own consequences. On going through the enquiry papers I admire the patience of the Enquiry Officer. I find that several points were raised and absence of norms was one of them. It was just like sending wide deliveries after deliveries and when the batsman remains inattentive, to send a straight ball and then to claim a wicket. Had the attention of the Enquiry Officer been not led astray by the lengthy cross-examination, I think the defence would have carried out this point. Be it as it may as the fact remains the chargesheet is sans particulars of norms without which no conclusion one way or the other was possible. The Enquiry Officer in his report para 208 seems to have not considered this point at all because he has observed that "I do not think it necessary to go into the polemics of the norms of workload/productivity that Defence Representative has raised in his arguments". He did not consider the norms and if he had not decided what was the norm for a special Assistant then the conclusion that he was wilfully slowing down suffers from all the defects because in that case it would be without any basis at all. Therefore although I find that he carried out the enquiry patiently, because he went wrong on the material point the only conclusion possible is that the charge is defective and it has led to a wrong conclusion on the part of the Enquiry Officer and when the foundation has become shaky whole structure resting on such foundation cannot be said to be without defects.

11. The second limb of the charge was that of negligence viz., the workman did an act prejudicial to the interest of the Bank by not attending to a voucher about which stop payment instructions were received and had the Officer been not prompt, there was certainty of Bank incurring a loss to the tune of Rs. 426.40. In this connection the defence contention appears to be that the vouchers are attended to by the Ledger Keeper who maintains the Ledger Register, which Ledger bears the endorsement of stop payment instructions and therefore when the Ledger Keeper comes across such cheque, discrepancy is immediately detected avoiding further mischief. The question therefore arises before a finding one way or other is noted namely was it the duty of the Special Assistant to check the vouchers or instruments before they were handed over to the Ledger Keeper, or was it the duty of the Ledger Keeper to note of Stop Payment instructions and never of the superior officers. For the said purpose as seen from the enquiry proceedings at page 18 a request was made by the defence representative for the production of the stop payment cheques returned register/book maintained. It was contended that the record of the branch will prove that the stop payment is detected at the posting stage and not after the posting stage and all the stop payment cheques have been attended to at the relevant time by a particular Head Clerk working in the department. The request however as

seen from page 19 of the enquiry report, was turned down it was stated that the request for production of stop payment cheques returned register/book was not granted and that the Bank representative's objection regarding submission of this document was upheld. Really speaking the production of the documents would have thrown great light on the working of the Bank namely whether the stop payment is detected earlier by the Head Clerk or the Ledger Keeper or it is the duty of the Special Assistant who must attend to such instructions that might have come so that no loss is incurred inadvertently. In my view by shutting out the demand for production of the payment cheque returned register/book is a serious defect which again has remained uncorrected and without such material the Enquiry Officer could not have arrived at the correct conclusion before he held the Special Assistant responsible.

12. So far as the third charge which emanates, from the first two charges unless a finding is noted one way or other on the first two charges we cannot hold whether it was a rude behaviour amounting to gross-misconduct or in indignation the workman uttered these words without the intention to insult the officer.

13. In the light of the above observations I hold that though apparently on going through the bulky record one is tempted to hold that it must be a thorough enquiry, when the charge is examined and the record is subjected to scrutiny no other conclusion is possible than to hold that the enquiry suffers from serious defects and therefore the conclusions arrived at or the final order passed by the competent authority cannot be confirmed.

14. In view of the ratio of the Fire Stone case the matter cannot end here. The management will have to be given opportunity to substantiate the charge of gross-misconduct and only on recording such evidence the reference can be decided. A request already made on behalf of the management in this connection has to be granted and therefore the matter stands adjourned for evidence of the management on the point of misconduct.

Award part I accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer,  
[No. L-12012/402/81-D.II(A)]

**S.O. 1764.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. II, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th March, 1983.

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY**

Reference No. CGIT-2/3 of 1982

**PARTIES :**

Employers in relation to the Management of State Bank of India.

**AND**

Their Workmen

**APPEARANCES :**

For the Employer.—Shri F. D. Damania, Advocate.

For the Workmen.—Shri S. M. Dharap, Advocate.

**STATE : Maharashtra**

**INDUSTRY : Banking**

Bombay, the 25th February, 1983

**AWARD**

(Dictated in the open Court)

By order No. L-12011/25/81-D.II(A) dated 15-1-1982 the following dispute has been referred to for adjudication under

Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 on receipt of the failure of conciliation report from the Conciliation Officer :—

“Whether the proposed action of the management of State Bank of India, Bombay in withdrawing the Central Office allowance with effect from the 1st September, 1981 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?”

2. The contention of the Union who is espousing the cause of the workmen as seen from the Claim Statement Ex. 2/W is that the State Bank of India started paying Central Office allowance to the employees (Clerical staff) from the year 1962 amounting to Rs. 35 per month. It is alleged that this allowance was being paid from the time of the Imperial Bank of India and its successor namely the State Bank of India continued to make the payment as a result of which it has become a condition of service and is also customary allowance. The payment of the said allowance has become part and parcel of the conditions of service of the employees. It seems that this allowance not only is paid to the clerical staff but also Class IV staff started getting it sometime from the year 1966. In the month of July, 1980, it is alleged, the Union became aware of the intention of the Bank to withdraw the payment of the Central Office Allowance with effect from 1-8-1980, as a result of which a letter dated 20-7-1980 was addressed by the General Secretary of the Organisation to the Office Manager of the Bank protesting against the curtailment of the age old allowance, that too, it is alleged, without following procedure prescribed under Section 9A of the Industrial Disputes Act. Since no reply was received from the Bank, the Regional Labour Commissioner (C) was approached vide letter dated 25-7-1980 raising a dispute, where upon on the very day the dispute was admitted in conciliation and a notice to this effect was served on the Bank. However, it seems that no conciliation could be brought about as a result of which the Assistant Labour Commissioner(C) submitted his failure of conciliation report on 27-1-1981 intimating the Government the failure. This failure report has led ultimately to the reference dated 15-1-1982. However, on 24-7-1981, it is alleged another notice for withdrawal of the allowance was served by the Bank which notice is said to be illegal and therefore inoperative and in this manner the Union that is the State Bank Workers' Organisation is resisting the attempt on the part of the Bank to withdraw the Central Office allowance.

3. This claim on the part of the Union is opposed by the Bank in their written statement Ex. 7/M whereby they have traced the history as to why the payment of Central Office allowance to the officers was introduced by the erstwhile Imperial Bank of India. It is alleged that the Imperial Bank used to move its Central Office between Bombay and Calcutta as a result of which some of the Officers were required to undergo journey from Bombay to Calcutta and back resulting in inconvenience and for the inconvenience and for the additional expenses incurred they were required to be paid Central Office allowance.

4. In the year 1955 it is alleged, the State Bank of India was constituted and thereafter the Central office was established at Bombay permanently and the earlier movement to and fro ceased to exist. Now because the officers were getting the Central Office allowance, in the year 1962 this benefit, although the movements were stopped in the case of staff and in the case of officers, was extended to Class III staff serving in the Central Office at Bombay and then in the year 1966 it was also extended to the Messenger staff.

5. According to the Bank in the year 1979 standardisation was thought of and when Bipartite Settlement was arrived at as a package deal, it is alleged, the said settlement contemplated no other allowance than that was referred to in the settlement and therefore to have uniformity in the condition of service, the Bank decided to discontinue the payment of Central Office allowance, particularly when the staff in the administrative office and that in the Central Office perform almost the same functions and also because the Central offices especially other than at Bombay do not get any such allowance. In order to introduce the change, which was thought of, a notice under Section 9A dated 1-7-1980 was alleged to have been given introducing the change from 1-8-1980. It is alleged that barring the organisation which has got a minority following neither the recognised Unions or any other Union in the field raised any voice against the

withdrawal of Central Office allowance and therefore it is alleged that the dispute raised by the minority Union who has negligible following in the Bank cannot be termed as an industrial dispute.

6. The Bank further contends that an submission of the failure of conciliation report by the Conciliation Officer, since nothing was heard from the Government, by way of abundant precaution a fresh notice dated 24-7-1981 to withdraw the Central Office allowance with effect from 1-8-80 was issued and that since the change has been legally brought about as contemplated under Section 9A of the Industrial Disputes Act, even if it is held that the payment has become a condition of service which fact is disputed by the Bank, the change is legally done and as such the objection tried to be raised by the Organisation carries no force. In the alternative it is also submitted that since the very cause for paying such allowance had vanished long back and then other in cumbents similarly placed do not get it there is a clear justification in the act of the Bank in withdrawing the allowance.

7. In the strength of the above pleadings the following issues arise or determination and my findings thereon are:-

Issues	Findings
(i) Whether the present reference is bad on account of dispute having been raised by a fraction of concerned employees?	No
(ii) Whether it is proved by the Union that payment of Central Office allowance has become a condition of service?	Yes
(iii) Does the Bank prove that at the time of Bipartite Settlement there was a package deal and at the same time the continuance of allowance was never in contemplation?	No
(iv) What is the effect of the said settlement on the parties?	Nil
(v) Is it proved by the Bank that Central Office allowance having been already withdrawn the reference subsequent to the date of withdrawal is incompetent and bad?	No
(vi) Does the Bank establish the grounds of justification as pleaded in paragraph 11 of the Written Statement?	Yes
(vii) If yes whether the action of the Bank is legal and justified?	Yes
(viii) If not to what relief the concerned workmen are entitled?	Does not arise.

#### REASONS

8. Although in the written statement there is contention that on service of notice under Section 9A of the I.D. Act, there was protest from the negligible fraction of the employees concerned represented by the Organisation, there is abundant material on record to indicate that the recognised Union as well as the Union representing Class IV staff did not like the contemplated withdrawal and at one stage or other had raised voice against it. The plea therefore that majority of the workmen had accepted the withdrawal or had not raised any protest against it does not seem to be true and the reference cannot be rejected merely because it is being prosecuted by the Organisation alleged to be having negligible following. Shri Damania at the time of argument did not press this point, and so, the dispute must be held to have become an industrial dispute.

9. Though in the written statement the contention of the Union that payment of Central Office allowance was become a condition of service was contested, at the time of hearing and also at the time of argument this challenge was given up and it was conceded that the payment has become a condition of service and therefore necessity of the notice under Section 9A of the I.D. Act.

10. The Bipartite settlement is being relied upon by the Bank to suggest that since the continuance of the payment

of Central Office allowance does not figure anywhere in this settlement, the right to raise demand for payment shall be deemed to have been given up and therefore, it is alleged, the Union now cannot ask for continuance thereof. In the bipartite settlement is to be relied upon and also the various clauses, before we can infer discontinuance there must be a specific agreement agreeing to withdraw a particular payment. Merely because some other payments have been referred to, the absence or lack of reference to Central Office allowance alone could not give rise to the inference that the parties to the settlement had agreed to the discontinuance of the payment. The contention to this effect therefore is also without any force. Turning to the facts of the case and the various contentions raised by various parties what is to be seen is whether a valid notice under Section 9A of the Act was given by the Bank, if the said notice is found to be invalid, what is the effect on the right of the parties and whether the withdrawal in the given circumstances stands justified.

11. For the said purpose certain dates would be material. The first notice is dated 1-7-1980 a copy of which is on record Ex. 8/M which reads as follows:—

"In accordance with Section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947 we hereby give notice to all concerned that it is our intention to effect the change specified in the annexure with effect from 1st August, 1980 in the conditions of service applicable to workmen in respect of the matter detailed therein and specified in the Fourth Schedule to the said Act."

From the working it is evident that what was in contemplation was the Section 9A of the I.D. Act and observance of these provisions. This notice was to be effective from 1-8-80. It is not anybody's case that at the time of this notice any reference relating to Central Office allowance was pending. Now because of this notice it seems that on 20-7-1980 the Organisation addressed a letter to the Office Manager, State Bank of India, Central Office, Bombay protesting against the withdrawal, copy of letter is at Ex. 3/W, but in all probability because that letter went unneeded, the letter dated 25-7-1980 was addressed by The Organisation to the Regional Labour Commissioner(C), Bombay vide copy at Ex. 4/W. As a result of this letter a dispute was admitted in conciliation and notices were issued by the Assistant Labour Commissioner (C) to the parties on the very day vide copy at Ex. 5/W. Record speaks that on 27-1-1981 as seen at Ex. 9/M because the intervention of the Assistant Labour Commissioner (C) could not bring about conciliation, Conciliation Officer submitted failure of conciliation report which ultimately led to the present reference dated 15-1-1982. The Government of India by their letter dated 21-4-1981 communicated to the General Secretary of the Organisation the receipt of the failure of conciliation reported vide Ex. 26/M. Now what was urged on behalf of the Union is that the notice dated 24-7-1981 proposing to withdraw the Central Office Allowance from 1-8-1980 does not fulfill the requirements of Section 9A of the I.D. Act and therefore if any change is contemplated, on failure to comply with the relevant provisions of the Act, the change should not be allowed to be effected. In this connection it was further urged that when the first notice dated 1-7-1980 was never withdrawn by the Bank, the second notice become redundant and therefore there shall not be any notice at all and therefore no valid change. So far as the notice under Section 9A of the Act is concerned, it is contended that failure of conciliation report is dated 27-1-1981 and it was stated to have been received by the Government on 2-3-1981, since the reference came to be made on 15-1-1982, the conciliation proceedings shall be deemed to be all along subsisting and therefore the proposed change under notice dated 24-7-1981 being during the pendency of conciliation proceedings, since no permission was obtained under Section 33(1) of the Industrial Disputes Act, is rendered invalid and therefore illegal. Under Section 33(1) of the Act what is contemplated is the necessity of permission during the pendency of any conciliation proceedings before any Conciliation Officer. We have already noted the various dates, the letter of the Union dated 20-7-80 the proceedings in conciliation were initiated on 25-7-1980 while the failure of conciliation report was submitted on 27-1-1981 and even if the date of receipt by the Government is taken i.e. 2-3-1981, it is evident that from 25-7-1980 at best till 2-3-1981 would be a period for conciliation but neither before that nor thereafter. It is nobody's case that on 1-7-80

any reference in this connection was pending nor anybody's case that on 24-7-1981 either a reference or conciliation proceeding was pending before any Tribunal or any authority. If the provisions of Section 33(1) contemplate to take permission to effect change in service condition during the pendency of any proceeding before the Conciliation Officer, only that period from 23-7-1980 to 27-1-1981 or at best 2-3-1981, can be taken into account and the same will not be allowed to be extended merely because the Government was seized with the matter and was deciding whether any reference should be made or not. No period from 2-3-1981 to 15-1-82 can be allowed to be linked with the period of conciliation and when held accordingly, neither the first notice dated 1-7-1980 nor the second notice dated 24-7-1981 was during the pendency of conciliation proceedings.

12. It was tried to be urged that the first notice dated 1-7-1980 which the records speak had fulfilled the requirements of Section 9-A of the Act was never withdrawn by the Bank, therefore it was contended on behalf of the Organisation that the second notice dated 24-7-1981 is rendered invalid. Really speaking there is a fallacy in this argument. If the first notice shall be deemed to be existing and if there is no clog on this notice and if it otherwise fulfills all the requirements of Section 9-A of the Act and does not suffer from any infirmities either under Section 33 of the Act or otherwise, then the notice as it stands must be held to be valid notice and merely because by the notice dated 24-7-1981 a second letter was issued because there was a lapse of time, linking the notices with the earlier one, the first notice would not invalidate the second one nor the second notice would invalidate the first. These two notices when read together are mutually supporting instead of contradicting each other and for determining whether provisions of Section 9-A of the Act have been fulfilled, in my view both will have to be read together and a finding one way or rather can be arrived at. I have carefully considered the notices and though the second notice dated 24-7-1981 speaks of the retrospective effect from 1-8-1980, it was not that a fresh notice was given giving retrospective effect but because the first notice dated 1-7-1980 was proposed to be effective from 1-8-1980 what was declared in the first notice was merely reiterated by the second notice and it was made operative from 1-8-1980. The wording does not invalidate these second notice especially when even according to the Union the first notice was very much in force.

13. This however shall not end the controversy and since the matter has now been referred to the Tribunal under Section 10(1)(d) of the Act the Tribunal in exercise of the powers conferred under the Industrial Disputes Act will have to determine whether the action of the management is justified. Had it been that there was no notice under Section 9-A of the Industrial Dispute Act or had it been that the notice under Section 9-A was in any manner invalidated, there would have been great force in the contention of the Union that in the absence of any valid notice the proposed change cannot be effected. On behalf of the Bank relying on Punjab Beverages Pvt. Ltd. case reported in 1978 (1), LLJ, page 1, it was tried to be urged that violation of Section 23 of the Industrial Disputes Act would not render the act of the Bank invalid and that since the Tribunal is now seized with the matter if the change is found to be justified, a finding to that effect will have to be given. Against this my attention was drawn to the ruling in M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd. Vs. the workmen and others reported in 1972 (1) LLJ, page 259 where it was held that the change made without following the provisions of Section 9-A is ineffective and therefore no other finding need be noted. Really speaking I need not go into the nature of the controversy because by my finding regarding the validity of the notice under Section 9-A of the Act I have already held that the provisions were observed. However I am mentioning here that so far as the ruling in Punjab Beverages Pvt. Ltd. is concerned in a dismissal case because Section 33 was found to have been contravened or violated treating the dismissal to be void the employee had initiated proceedings under Section 23(c)(2) of the Act which proceeding resulted in an order in his favour but when the matter reached their Lordships of the Supreme Court, the order was struck down stating that the violation itself does not render the act of dismissal void. In my view the facts and circumstances of that case were entirely different. Proceeding under Section 33(c)(2) has got a limited scope

of an execution proceedings and if such proceeding were rejected in the absence or void making in a reference under Section 10(1)(d) of the Act striking down the order of dismissal, no conclusion would be possible that even if there is a breach of Section 33 still proposed change if it is found to be justified can be upheld. According to me the observations in M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd. case are aptly applicable to the facts of the present case and had the notice been ineffective, on that ground itself the proposed change would have been struck down. However as already observed this question does not arise here because of the acceptance of the validity of the notice of change. While turning to the question whether the change is justified or not, certain facts need be mentioned, which are not controverted by any party. Now because during the regime of the erstwhile Imperial Bank, the Central Office used to move from Bombay to Calcutta and back to compensate the officers who were moving along with the office, certain payments were being made to the officers which payments were continued even after the State Bank of India came into the picture replacing the erstwhile Imperial Bank, till the year 1966 atleast. Now because the officers placed in Central Office of the State Bank continued to get what is known as Central Office allowance, it was thought that non-payment of such allowance to the staff was discriminatory and therefore it seems that the Bank started paying the same to the clerks also and they in the year 1966 the same was extended to the Messenger staff. However at the time when the terms and conditions of services of Officers were determined, by order in the year 1979 the payment to the officers was discontinued and then as in the earlier case the payment to the officers was taken to be a ground for extending to Class III and Class IV staff, similarly discontinuance though to be justifiable ground for denying the same to the members of these two cadres.

14. It is true that payment for considerable length of time made it an implied condition of service and without following the procedure under Section 9-A of the Act the Bank could not have effected any change which is a change adversely affecting the pay packet of Class III and IV staff. But requirement of a particular procedure is one thing and justifiably is another. Record speaks that no member of Class III and Class IV staff in Central Offices situated in other places like Calcutta, Nagpur etc. is drawing such allowance. It is also in evidence that in the same building where the Central Office at Bombay is situated, there is another office like Regional office where also the member of Class III and IV staff performing the same type of duties are not in receipt of such allowance. Now because these offices are separate offices there may be some change in duties here and there but being members of Class III and IV staff in the same Bank the change may not be material so as to infer anything else. At least there is no proof to that effect. The record then speaks that when any member of Class and IV staff serving in the Central Office at Bombay is posted in any other office he ceases to draw such allowance. Cumulative effect of all these circumstances which are borne out from the record in my view leads to one irresistible conclusion that the continuance of the Central Office allowance was an anachronism and therefore if the Bank in order to enforce the rule of equal work and equal pay discontinued the allowance, no fault can be found with the said act of the Bank. In my view the Bank was fully justified in withdrawing the Central Office allowance on the contrary the Bank would not be justified in continuing the same and if therefore by following legal procedure they decided to withdraw the allowance with effect from 1-8-1980, the said act on the part of the Bank must be fully approved.

15. Although these are my findings the reference as it stands refers the date of withdrawal from 1-9-1981 and this Tribunal is called upon to decide whether from that date the withdrawal is justified. In view of the reference therefore which limits the scope of the proceedings finding will have to be given taking the relevant date into account which finding for the reasons stated is in the affirmative that is the withdrawal is justified.

16. The result is that the reference fails and therefore disposed of.

No order as to costs.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer  
[No. L-2011/25/81-D.II(A)]  
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1983

का०आ० 1763.—लोह अयस्क खान और मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 के नियम 3 के उपनियम (2) के साथ पठित लोह अयस्क खान और मैंगनीज अयस्क खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1976 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार जुलाई, 24, 1982 के भारत के राजपत्र, भाग दो, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 2766 पर प्रकाशित भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2631 तारीख 7-7-82 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना में क्रमांक 5 और 6 के सामने की प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

5. एम० पी० सारवागी,  
प्रबन्ध निदेशक, सरवोजी एण्ड कम्पनी,  
चिपुरुपल्ली, विजयानगरम्,  
आन्ध्र प्रदेश—532128.

6. श्री पी० अब्राहम, आई०ए०एस०,  
अध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक,  
आन्ध्र प्रदेश खनन निगम लिमिटेड,  
श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद—500873.

[फाइल संख्या यू० 23017/4/80—एम० 4/डब्ल्यू II]

New Delhi, the 16th March, 1983

S.O. 1765.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act 1976 (61 of 1976) read with sub-rule (2) of rule 3 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Rules 1978 the Central Government makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2631 dated 7-7-82 published at page 2767 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated July 24 1982, namely :—

In the said notification, for the entry against serial No. 5 and 6, the following shall be substituted namely :—

5. "Shri M. P. Sarwagi,  
Managing Director,  
Sarvoji and Company,  
Cheapurupalli,  
Vijayanagar,  
Andhra Pradesh-532128.

6. Shri P. Abraham, IAS  
Chairman and Managing Director  
Andhra Pradesh Mining Corporation Ltd.  
Srinagar Colony Hyderabad-500873".

[F. No. U-23017/4/80-M IV/W. II]

नई दिल्ली 18 मार्च, 1983

का०आ० 1766.—बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि नियम, 1978 के नियम 16 और नियम 3 के उप-नियम (2) के साथ पठित बीड़ी कर्मकार कल्याण निधि अधिनियम,

1976 (1976 का 62) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, पश्चिम बंगाल राज्य के लिए एक सलाहकार समिति गठित करती है, जिसके निम्नलिखित सदस्य होंगे और उक्त समिति का मुख्यालय निर्धारित करती है, अर्थात् :—

1. श्रम मंत्री, अध्यक्ष  
पश्चिम बंगाल सरकार,  
कलकत्ता ।

2. कल्याण आयुक्त, उपाध्यक्ष  
श्रम कल्याण संगठन,  
प्लॉट नं० 2156 5143,  
शिवेकागन्द मार्ग,  
भुवनेश्वर ।

3. अपर श्रमायुक्त, सदस्य पदेन  
पश्चिम बंगाल,  
कलकत्ता ।

4. श्री लक्ष्मी दे, सदस्य  
सदस्य, विधान सभा,  
पश्चिम बंगाल,  
कलकत्ता ।

5. श्री नित्यानन्द राम, नियोजकों के प्रतिनिधि  
महासचिव,  
सिलीगुड़ी बीड़ी और तम्बाकू  
व्यापारी संघ,  
डो० 1, फण्ड रोड,  
सिलीगुड़ी (जिला दार्जिलिंग)

6. श्री अनिल कुमार दास, नियोजकों के प्रतिनिधि  
मैनजिंग डायरेक्टर,  
मैसर्स मुगालिनी बीड़ी उत्पादन  
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,  
औरंगाबाद, जिला मुंशिदाबाद

7. श्री अचिन्ता सिंह, }  
एम०यू०सी०आई० आफिस, }  
डाकघर : रघुनाथगंज, }  
जिला मुंशिदाबाद । }  
8. श्री लुतफुल हक, }  
मुकाम और डाकघर : }  
औरंगाबाद, }  
जिला मुंशिदाबाद । }

9. श्रीमती अनुराधा मण्डल, महिला प्रतिनिधि  
(यू०टी०यू०सी०),  
पी०ओ० दरियाचक,  
मिदनापुर ।

2. कल्याण प्रशासक, श्रम कल्याण संगठन, कलकत्ता  
उक्त समिति के सचिव होंगे ।

3. केन्द्रीय सरकार उक्त समिति का मुख्यालय कलकत्ता निर्धारित करती है।

[ई० 24019/14/78—एम० 4—डब्ल्यू० II]

टी० डी० मलहोत्रा, अवसर सचिव

New Delhi, the 18th March, 1983

**S.O. 1766.**—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976, (62 of 1976) read with sub-rule (2) of rule 3 and rule 16 of the Beedi Workers Welfare Fund Rules 1978, the Central Government hereby constitutes an Advisory Committee for the State of West Bengal consisting of the following members and fixes the headquarters of the said Committee, namely :—

- |   |                               |
|---|-------------------------------|
| 1. Labour Minister<br>Government of West Bengal<br>Calcutta.  | Chairman.                     |
| 2. Welfare Commissioner,<br>Labour Welfare Organisation,<br>Plot No. 2156/5143.<br>Vivekanand Marg,<br>Bhubaneswar.                                       | Vice Chairman.                |
| 3. Additional Labour Commissioner<br>West Bengal,<br>Calcutta.  | Member-ex<br>officio.         |
| 4. Shri Lakshmi De, M.L.A.<br>West Bengal,<br>Calcutta.   | Member                        |
| 5. Shri Nityananda Roy<br>General Secretary,<br>Siliguri Biri and Tobacco<br>Merchants Association,<br>D.1 Fund Road, Siliguri.<br>(District Darjeeling). | Employers'<br>representatives |
| 6. Shri Anil Kumar Das<br>Managing Director of M/s.<br>Mrinalini Biri Manufacturing<br>Company Private Limited,<br>Aurangabad, Distt. Murshida-<br>bad.   |                               |
| 7. Shri Achinta Singha<br>S.U.C.I. Office,<br>Post Office Regunathganj,<br>District Murshidabad.  | Employees'<br>representatives |
| 8. Shri Lutful Haque,<br>Post Office and Village Auranga-<br>bad, District Murshidabad.   |                               |
| 9. Smt. Anuradha Mondal<br>UTUC (Lenin Sarani),<br>P.O. & Vill. Dariachak,<br>Midnapore.  | Women repre-<br>sentative     |

2. Welfare Administrator, Labour Welfare Organisation Calcutta shall be the Secretary of the said Committee.

3. The Central Government hereby fixes Calcutta as the headquarters of the said Advisory Committee.

[F. No. S. 24019/14/78-M.V./W-II]

T.D. SALHOTRA, Under Secy.

**का०आ० 1767.**—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में सहायक बन्दोबस्त आयुक्त श्री आर० एल० वर्मा, को उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन अभिरक्षक को सौंपे गये कार्यों का निष्पादन करने के प्रयोजन से दिल्ली में निष्क्रान्त सम्पत्ति, के अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1(3)/वि०सै०/83-एस०एस०II(घ)]

**S.O. 1767.**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoint Shri R. L. Verma, Assistant Settlement Commissioner in the Department of Rehabilitation as the Custodian of Evacuee Property, Delhi for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act.

[No. 1(3)/Spl. Cell/83-SS. II(D)]

**का०आ० 1768.**—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री आर० एल० वर्मा, सहायक बन्दोबस्त आयुक्त, पुनर्वास विभाग को, उक्त अधिनियम द्वारा अथवा उसके अधीन, उनके अपने कार्य-भार के अतिरिक्त, अपर बन्दोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए अपर बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1/3 विशेष सैल/83-एस०एस०-2(ङ)]

**S.O. 1768.**—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoint Shri R. L. Verma, Assistant Settlement Commissioner, Department of Rehabilitation as Additional Settlement Commissioner, for the purpose of performing in addition to his own duties as Assistant Settlement Commissioner, the functions assigned to an Additional Settlement Commissioner by or under the said Act.

[No. 1(3)/Spl. Cell/83-SS. II(E)]

का०प्रा० 1769.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में बन्दोबस्त आयुक्त श्री डी०सी० चहल, को उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उप महाभिरक्षक को सौंपे गये कार्यों का निष्पादन करने के लिये, निष्क्रान्त सम्पत्ति के उप महाभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1(3)/वि०सै०/83-एस०एस०II(घ)]

महेन्द्र कुमार कंसल, अवर सचिव

S.O. 1769.— In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoint Shri D. C. Chahal, Settlement Commissioner, in the Department of Rehabilitation as Deputy Custodian General of Evacuee Property for the purpose of performing the functions assigned to such Deputy Custodian General by or under the said Act.

[No. 1(3)/Spl. Cell/83-SS. II(C)]

M. K. KANSAL, Under Secy.